हिन्दी सांध्य दैनिक

प्रखर पूर्वांचल

अखबार नहीं आंदोलन

RNI:UPHIN/2016/68754 | www.prakharpurvanchal.com | Email ID: prakharpurvanchal@gmail.com

गाजीपुर से प्रकाशित व वाराणसी, चंदौली, सोनभद्र, मऊ, बलिया, आजमगढ़, भदोही, मिर्जापुर, जौनपुर, लखनऊ, प्रयागराज, गोरखपुर, कुशीनगर, महाराजगंज तथा देवरिया से प्रसारित

वर्ष: 8, अंक: 293, पृष्ठ 8, मूल्य 3.00, आमंत्रण मूल्य 2.00 | 25 अप्रैल, 2024 दिन गुरुवार | गाजीपुर/वाराणसी

कांग्रेस आतंकियों के मरने पर आंसू बहाती है, उन्होंने जनता का भरोसा खोया : मोदी

भाजपा सरकार ने छत्तीसगढ़ में भ्रष्टाचार और नक्सली हिंसा दोनों को काबू किया

सरगुजा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के छत्तीसगढ़ दौरे का आज दूसरा दिन है। सरगुजा में आयोजित विजय संकल्प शंखनाद महारैली में पीएम मोदी ने कहा कि भाजपा सरकार ने छत्तीसगढ़ में भ्रष्टाचार और नक्सली हिंसा दोनों को काबू किया है। पीएम इस दौरान कांग्रेस पर जमकर बरसे। उन्होंने कहा कि कांग्रेस के इरादे नेक नहीं हैं। ये आतंकवादियों के मारे जाने पर आंसू बहाते हैं। पीएम मोदी ने कहा कि भाजपा ने जब मुझे प्रधानमंत्री पद का उम्मीदवार बनाया था, तब अंबिकापुर में ही आपने लाल किला बनाया था।

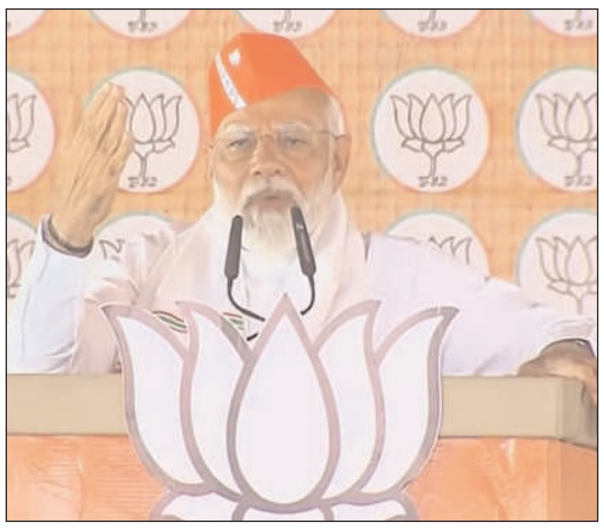

कांग्रेस की टोली ने उस समय मुझ पर हमला बोल दिया था, बात का बवंडर बना दिया था। लेकिन मोदी लाल किले पर पहुंचा और राष्ट्र के नाम संदेश दिया। आज अंबिकापुर क्षेत्र फिर वही आशीर्वाद दे रहा है-फिर एक बार मोदी सरकार। उन्होंने कहा कि कुछ महीने पहले मैंने आपसे छत्तीसगढ़ से कांग्रेस का भ्रष्टाचारी पंजा हटाने के लिए आशीर्वाद मांगा था, आपने मेरी बात का मान रखा और भ्रष्टाचारी पंजे को प्रदेश से साफ कर दिया। आज आप सब के आशीर्वाद से सरगुजा की संतान, आदिवासी समाज की संतान छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री के रूप में प्रदेश के सपने को साकार कर रहा है। पीएम ने कहा कि जब मैं विकसित भारत कहता हूं, तो कांग्रेस वालों का और दुनिया में बैठी कुछ ताकतों का माथा गरम हो जाता है। अगर भारत शक्तिशाली हो गया, तो कुछ ताकतों का खेल बिगड़ जाएगा। अगर भारत आत्मनिर्भर बन गया, तो कुछ ताकतों की दुकान बंद हो जाएगी। इसलिए वो भारत में कांग्रेस और इंडी गठबंधन की कमजोर सरकार चाहते हैं। कांग्रेस ने जनता का भरोसा खो दिया है। कांग्रेस, हिंसा फैलाने वालों का समर्थन कर रही है, उन्हें शहीद बता रही है। इसी कांग्रेस की सबसे बड़ी नेता, आतंकवादियों के मारे जाने पर आंसू बहाती हैं। ऐसी ही करतूतों के कारण कांग्रेस देश का भरोसा खो चुकी है। पीएम ने कहा कि वर्षों पहले, कांग्रेस ने आंध्र प्रदेश में धर्म के आधार पर आरक्षण देने का प्रयास किया था। फिर कांग्रेस ने इसे पूरे देश में लागू करने की योजना बनाई। कांग्रेस ने कहा कि एससी/एसटी और ओबीसी का जो कोटा है, उसमें से चुरा कर धर्म के आधार पर कुछ लोगों को आरक्षण दिया जाए।

जब संविधान बन रहा था, तब बाबा साहेब आंबेडकर के नेतृत्व में तय किया गया था कि भारत में धर्म के अनुसार आरक्षण नहीं होगा। लेकिन वोट बैंक की भूखी कांग्रेस ने इन महापुरुषों की बातों की परवाह नहीं की, संविधान की पवित्रता की परवाह नहीं की और न ही बाबा साहेब आंबेडकर के शब्दों की परवाह की। पीएम ने कहा कि कांग्रेस सिर्फ आपके आरक्षण को ही लूटना नहीं चाहती है, इनके और भी कारनामें हैं। कांग्रेस के इरादे नेक नहीं हैं। इनके इरादे संविधान के अनुरूप नहीं हैं, सामाजिक न्याय के अनुरूप नहीं हैं। अगर आपके आरक्षण की कोई रक्षा कर सकता है, तो सिर्फ और सिर्फ भाजपा कर सकती है।

श्रम न्यायालय नियोक्ता पर धन की वसूली में नहीं लगा सकता ब्याज, हाईकोर्ट ने रद्द किया आदेश

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने एक याचिका की सुनवाई करते हुए कहा कि श्रम न्यायालय नियोक्ता से धन की वसूली में ब्याज नहीं लगा सकता है। कोर्ट ने याचिका को स्वीकार करते हुए श्रम न्यायालय के 18 प्रतिशत ब्याज के साथ भुगतान करने के आदेश को रद्द कर दिया। न्यायमूर्ति रोहित रंजन अग्रवाल की कोर्ट ने फैसला सुनाया। कार्यकारी अभियंता विद्युत पारेषण प्रभाग की ओर से याचिका दायर की गई थी। मामले में महेश चंद्र को 01मई 1966 को उत्तर प्रदेश राज्य विद्युत आयोग की ओर से विद्युत पारेषण मंडल, अलीगढ़ में सहायक स्टोर कीपर के पद पर नियुक्त किया गया था। 31 जनवरी 1997 को सेवानिवृत्ति हुए। इस दौरान श्रम न्यायालय में बकाया भुगतान के लिए धारा 33सी(2) के तहत एक आवेदन दायर किया। श्रम न्यायालय ने पेंशन, भविष्य निधि और अवकाश नकदीकरण के विलंबित भुगतान पर 18 प्रतिशत ब्याज सहित भुगतान का निर्देश दिया। इसके विरोध में हाईकोर्ट में याचिका दायर की गई। हाईकोर्ट ने कहा कि विलंबित भुगतान के लिए 18 प्रतिशत की दर से ब्याज देने में श्रम न्यायालय को गुमराह किया गया था। ब्याज देना श्रम न्यायालय के अधिकार के बाहर है। कोर्ट ने मामले के तथ्यों और परिस्थितियों पर विचार करते हुए श्रम न्यायालय, आगरा के आदेश को रद्द कर दिया।

विरासत टैक्स पर छिड़ी बहस: 'कांग्रेस पूरी तरह बेनकाब हुई', पित्रोदा के बयान पर भड़की भाजपा

नई दिल्ली। भारत में लोकसभा चुनाव को लेकर सियासी माहौल गमार्या हुआ है। जहां मंगलसूत्र और संपत्ति को लेकर वार-पलटवार अभी थमा भी नहीं था। अब कांग्रेस नेता सैम पित्रोदा के अमेरिका के विरासत टैक्स पर दिए बयान पर बहस छिड़ गई। भाजपा ने उन्हें घेरते हुए आरोप लगाया कि कांग्रेस की नीतियां देश को बर्बाद करने वाली है। इस बीच कांग्रेस ने पित्रोदा के बयान से पल्ला झाड़ते हुए इसे उनका निजी बयान बताया है। भाजपा आईटी सेल के प्रमुख अमित मालवीय बुधवार को कांग्रेस पर जमकर बरसे। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने देश को बर्बाद करने का फैसला किया है। उन्होंने कहा, 'कांग्रेस ने भारत को बर्बाद करने का फैसला किया है। अब, सैम पित्रोदा धन पुनर्वितरण के लिए 50 फीसदी विरासत कर की पैरवी करते हैं। इसका मतलब यह है कि हम अपनी सारी मेहनत और उद्यम से जो कुछ भी बनाएंगे, उसका आधा हिस्सा छीन लिया जाएगा। 50 फीसदी हमारे द्वारा भुगतान किए जाने वाले सभी कर भी बढ़ जाएंगे, अगर कांग्रेस जीतती है।' केंद्रीय मंत्री और धारवाड़ लोकसभा सीट से उम्मीदवार प्रह्लाद जोशी ने कहा, 'सर्वेक्षण करके धन का बंटवारा माओवादी मनःस्थिति है और वह नहीं चलेगा। इसमें कोई सामाजिक सुधार नहीं है। कांग्रेस पार्टी राहुल गांधी के भाषण से दूरी बना रही है। यह काफी अव्यावहारिक है।' केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा, 'सैम पित्रोदा की टिप्पणी के बाद कांग्रेस पार्टी पूरी तरह बेनकाब हो गई है। सबसे पहले उनके घोषणापत्र में 'सर्वेक्षण' का जिक्र करते हुए, मनमोहन सिंह का पुराना बयान जो कांग्रेस की विरासत है- कि देश के संसाधनों पर पहला

अधिकार अल्पसंख्यकों का है और अब सैम पित्रोदा की अमेरिका का हवाला देते हुए टिप्पणी कि धन के वितरण पर विचार-विमर्श होना चाहिए। अब जब पीएम मोदी ने इस मुद्दे को उठाया तो राहुल गांधी, सोनिया गांधी और पूरी कांग्रेस पार्टी बैकफुट पर है कि यह कभी उनका मकसद नहीं था। लेकिन आज सैम पित्रोदा के बयान ने देश के सामने कांग्रेस का मकसद साफ कर दिया है।' उन्होंने कहा, 'वे देश के लोगों की निजी संपत्ति का सर्वेक्षण करना चाहते हैं, इसे सरकारी संपत्ति में रखना चाहते हैं और यूपीए के शासनकाल के दौरान निर्णय के अनुसार इसे बांटना चाहते हैं। कांग्रेस या तो इसे अपने घोषणापत्र से वापस ले ले या स्वीकार करे कि यह वास्तव में उनका इरादा है। मैं चाहता हूं कि लोग सैम पित्रोदा के बयान को गंभीरता से लें। उनकी मंशा अब खुलकर सामने आ गई है, इसका संज्ञान लोगों को लेना चाहिए।' वहीं, उत्तर प्रदेश के डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक ने कहा, 'मुझे लगता है कि सैम पित्रोदा का बयान वास्तव में कांग्रेस पार्टी की आंतरिक रणनीति का हिस्सा है। यह बयान ऐसे समय में आया है जब देश में कांग्रेस लोगों के आभूषणों और संपत्ति का सर्वेक्षण कराने, अधिग्रहित करने और बांटने की चर्चा चल रही है। इसे ऐसे लोगों के बीच बांटा जाएगा, जिन्होंने हमेशा देश को बर्बाद किया है। हम इसकी निंदा करते हैं और आने वाले समय में देश की जनता कांग्रेस को इसका परिणाम जरूर दिखाएगी।' दरअसल सैम पित्रोदा का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है, जिसमें वह अमेरिका के विरासत टैक्स का जिक्र कर रहे हैं। उनका कहना है, 'अमेरिका में विरासत कर (टैक्स) लगता है। अगर किसी के पास 100 मिलियन डॉलर की संपत्ति है और जब वह मर जाता है तो वह केवल 45 फीसदी अपने बच्चों को दे सकता है। 55 फीसदी सरकार द्वारा हड़प लिया जाता है। यह एक दिलचस्प नियम है।

कांग्रेस दलितों-पिछड़ों का आरक्षण छीनकर मुसलमानों को देना चाहती है :मुख्यमंत्री योगी

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि कांग्रेस व उसके सहयोगी दल दलितों और पिछड़ों को मिलने वाले आरक्षण को कम कर उनका हक मुसलमानों को देना चाहती है। वो आरक्षण का धार्मिक आधार पर बंटवारा करना चाहते हैं। सीएम योगी बुधवार को लखनऊ में मीडिया को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि कांग्रेस का एक ही मकसद है कि किसी भी तरह से सत्ता में आएं और अपना तालिबानी एजेंडा लागू करें। कांग्रेस ने पहले भी आरक्षण को छीनने का प्रयास किया था लेकिन व्यापक विरोध होने के कारण उन्हें अपने मंसूबों में सफलता नहीं मिली। रंगनाथ मिश्र कमेटी और सच्चर कमेटी के जरिए भी एससी एसटी का आरक्षण मुस्लिमों को देना चाहती थी इसीलिए कांग्रेस जातीय जनगणना करा रही है जिससे समाज का ताना बाना छिन्न भिन्न कर कर वर्ग विशेष को लाभ दे सके। कांग्रेस देश की कीमत पर सत्ता चाहती है। कांग्रेस तालिबानी कानून लागू करना चाहती है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस का मकसद देश में तीन तलाक और शरिया कानून लागू करना है। यह आधी आबादी का

अपमान तो है ही साथ ही उनके खतरनाक मंसूबे दिखाता है। कांग्रेस अपने उस पुराने डीएनए को दिखा रही है जिससे 1947 में देश का बंटवारा हुआ था। मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि भाजपा के समाज के हर तबके का वोट मिल रहा है। दूसरे चरण में 89 सीटों पर मतदान है। 18 चुनावों में पहली बार देश परिणाम को लेकर आश्वस्त है क्योंकि पिछले 10 वर्षों में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने हर मोर्चे पर सर्वांगीण विकास के कार्य किए हैं जिसका लाभ सभी को मिला है। वैश्विक मंच से लेकर आम जनता की अपेक्षाओं तक पर काम हुआ है। बिना भेदभाव के पहली बार सभी को योजनाओं का लाभ मिला है। देश के 80 करोड़ लोगों को राशन और 50 करोड़ लोगों को हेल्थ बीमा पहली बार मिला है। पहले चरण चुनाव के पहले संकल्प पत्र जनता के सामने रखा था। कांग्रेस और सहयोगियों के घोषणा पत्र के खतरनाक इरादे नजर आते हैं। कांग्रेस का गरीबी हटाओ का नारा नारा ही रह गया। उनकी योजनाएं भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ गईं। उन्होंने जनता से समझदारी से वोट का इस्तेमाल करने की बात कहते हुए भाजपा को वोट देने की अपील की है।

राहुल के संसदीय क्षेत्र में प्रचार करने पहुंची प्रियंका, बोली- बीजेपी जनता की समस्याओं पर बात नहीं करती

वायनाड। लोकसभा चुनाव के पहले चरण के मतदान के बाद 26 अप्रैल को दूसरे चरण पर मतदान होने वाला है। इस बीच कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी आज केरल के वायनाड में एक रैली को संबोधित की। बता दें कि वायनाड राहुल गांधी का संसदीय क्षेत्र है। अपनी रैली में प्रियंका गांधी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के बयान पर प्रतिक्रिया दी है। कांग्रेस नेता ने कहा कि पीएम मोदी और अन्य भाजपा नेताओं के बयान से यह स्पष्ट है कि वह जनता की समस्याओं के बारे में बात नहीं करते हैं। रैली को संबोधित करते हुए प्रियंका गांधी ने पीएम मोदी और भाजपा पर जमकर निशाना साधा है। उन्होंने कहा, "अगर आप प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और अन्य भाजपा नेताओं के बयानों पर नजर डालेंगे तो आपको मालूम चलेगा कि उन्होंने आपकी समस्याओं पर कोई बात नहीं की। उन्होंने विकास पर कोई बात नहीं की। वे वास्तविक मुद्दों पर कभी बात नहीं करते।" कांग्रेस नेता ने कहा कि हर दिन वे एक नया मुद्दा लेकर आते हैं, जिसका आपके

जीवन से कोई संबंध नहीं है। इन मुद्दों का आपके विकास से भी कोई संबंध नहीं है। बढ़ती महंगाई और बेरोजगारी से भी इन मुद्दों का कोई संबंध नहीं होता है। वे मीडिया को भी उन मुद्दों पर बात करने के लिए मजबूर कर देते हैं।

अखिलेश ने भाजपा पर साधा निशाना, कहा- पश्चिम से चली हवा करेगी भाजपा का सफाया

इटावा। पश्चिम से चली हवा इस चुनाव में भाजपा का पूरी तरह से सफाया कर देगी। यह बात बुधवार को पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने ताखा के एसएस मैमोरियाल इंटर कॉलेज में जनसभा को संबोधित करते हुए कही। उन्होंने भाजपा पर निशाना साधते हुए कहा कि भाजपा ने इलेक्ट्रोरल बांड के नाम पर चंदा नहीं सिर्फ वसूली की गई है। दोपहर लगभग एक बजे पर सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने संबोधन शुरू किया। इसमें उन्होंने कहा कि ये चुनाव गर्मियों में होने जा रहा। चुनाव की सरगर्मी बढ़ने के साथ गर्मी बढ़ने लगी है। कहा कि अभी तो हर दिन शाम को आंधी आएगी। बोले- जो पश्चिम से हवा चली है, वह भाजपा का सफाया करेगी। विपक्षियों पर तंज कसते हुए कहा कि इंडिया गठबंधन को इंडिया कहने से भी बचते हैं। वह उसे इंडी कहकर बुला रहे हैं। कहा कि पहले चरण ने रुझान दे दिया है। किसान, नौजवान इस बार सपा के पक्ष में

वोट कर रहा है। इलेक्टोरल बांड का जिक्र करते हुए कहा कि चंदा पांच रुपये, एक हजार, एक लाख, दो लाख दिया जाता है। कोई भी चंदा छह सौ करोड़, एक हजार करोड़ नहीं देता है। इलेक्ट्रॉल बांड के नाम पर भाजपा ने वसूली की है। ईडी, सीबीआई, इनकम टैक्स के सहारे सब रुपये वसूला गया है। कहा कि वैक्सीन बनाने वाली कंपनी से भी चंदा वसूल लिया। आगे कहा कि बीमारी को भगवाने के लिए भाजपा ने ताली और थाली बजवाई। पुरानी गारंटी जुमला थी, अब नई गारंटी घंटी है जो बजती रहेगी। कहा कि भाजपा ने 16 लाख करोड़ रुपये उद्योगपतियों का कर्ज माफ किया है। इसमें कई ऐसी कंपनी हैं, जिन्हें बैंकों से दोबारा कर्ज दिला दिया और उसमें से ही चंदा ले लिया। दावा कि इंडिया गठबंधन किसानों का कर्ज माफ करेगी। आरोप लगाया कि भाजपा ने पांच करोड़ से ज्यादा वालों का ही कर्ज माफ किया। उन्होंने चौधरी चरण सिंह को भारत रत्न देने पर भी कहा कि चुनाव को देखते हुए भाजपा ने यह निर्णय लिया।

राहुल का पीएम मोदी पर हमला, आरोप- अरबपति दोस्तों के 16 लाख करोड़ के लोन माफ कर दिए

नई दिल्ली। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने एक बार फिर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि पीएम ने अपने अरबपति दोस्तों की 16 लाख करोड़ रुपये के ऋण माफ कर दिए इसके लिए देश उन्हें कभी माफ नहीं करेगा। एक्स पर एक पोस्ट में राहुल गांधी ने कहा कि जो पैसा हिंदुस्तानियों के दर्द की दवा बन सकता था, उसे अदाणियों' की हवा बनाने में खर्च कर दिया गया।" राहुल ने आरोप लगाया कि पीएम ने अपने अरबपति दोस्तों के करीब 16 लाख करोड़ रुपये के लोन माफ कर दिए। इतनी बड़ी राशि से 16 करोड़ युवाओं को एक लाख रुपये प्रति वर्ष की नौकरी दी जा सकती थी। इस राशि से 16 करोड़ महिलाओं को सालाना एक लाख रुपये देकर उनके परिवार की स्थिति सुधारी जा सकती थी। 10 करोड़ किसान परिवारों के ऋण माफ कर असंख्य आत्महत्या के मामले रोके जा सकते थे। पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि इस राशि से पूरे देश में 20 वर्षों तक सिर्फ 400 रुपये में लोगों को गैस सिलेंडर मुहैया कराया जा सकता था। जबकि भारतीय सेना का तीन का पूरा खर्च भी इस राशि से पूरा

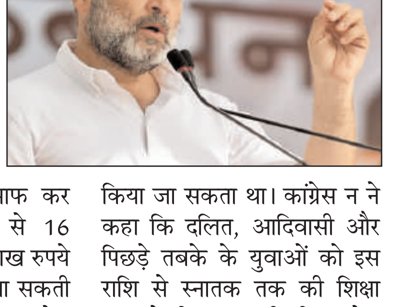

किया जा सकता था। कांग्रेस न ने कहा कि दलित, आदिवासी और पिछड़े तबके के युवाओं को इस राशि से स्नातक तक की शिक्षा मुफ्त में दी जा सकती थी। कांग्रेस नेता ने कहा, "अब परिस्थितियां बदलेंगी- कांग्रेस हरेक भारतीय की प्रगति के लिए सरकार चलाएगी।"

पित्रोदा के 'विरासत टैक्स' वाले बयान से कांग्रेस ने पल्ला झाड़ा, जयराम बोले- यह पार्टी का विचार नहीं

नई दिल्ली। कांग्रेस नेता सैम पित्रोदा की तरफ से भारत में 'विरासत टैक्स' लगाए जाने की मांग वाले बयान से पार्टी ने ही पल्ला झाड़ लिया है। कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने बुधवार को कहा कि सैम पित्रोदा को खुलकर और आजादी से अपने विचार रखने का अधिकार है। लेकिन यह जरूरी नहीं कि पित्रोदा के विचार किसी मुद्दे पर कांग्रेस का पक्ष हों। कई बार वे नहीं होते। गौरतलब है कि इंडियन ओवरसीज कांग्रेस के अध्यक्ष सैम पित्रोदा ने पीएम मोदी के संपत्ति के बंटवारे वाले बयान के बाद विरासत टैक्स को लेकर टिप्पणी से भारत की राजनीति में हलचल मचा दी है। सैम पित्रोदा ने कहा, 'अमेरिका में विरासत कर (टैक्स) लगता है। अगर किसी के पास 100 मिलियन डॉलर की संपत्ति है और जब वह मर जाता है तो वह केवल 45 फीसदी अपने बच्चों को दे सकता है। 55 फीसदी सरकार द्वारा हड़प लिया जाता है। यह एक दिलचस्प नियम है। यह कहता है कि आपने अपनी पीढ़ी में संपत्ति बनाई और अब आप जा रहे हैं, आपको अपनी संपत्ति जनता के लिए छोड़नी चाहिए। हालांकि पूरी नहीं, आधी ही। ये जो निष्पक्ष कानून है मुझे अच्छा लगता है।' पित्रोदा के इसी बयान को लेकर जयराम रमेश ने एक्स पर पोस्ट में

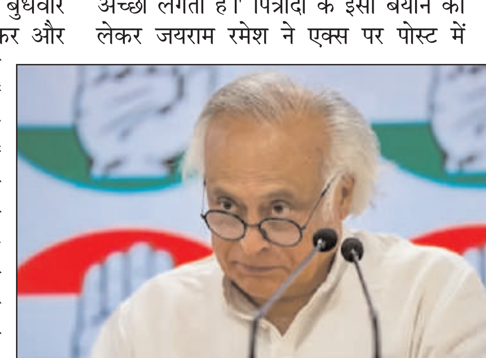

कहा, "वे मेरे और दुनिया में कई लोगों के अच्छे मेंटर, दोस्त और मार्गदर्शक रहे हैं। पित्रोदा किसी भी मुद्दे पर अपनी राय को स्वतंत्रता के साथ रख सकते हैं। जाहिर तौर पर एक लोकतंत्र में लोगों को अपने निजी विचारों पर चर्चा करने और उन्हें रखने का अधिकार है। इसका यह मतलब नहीं कि उनका विचार हमेशा कांग्रेस का विचार दशार्ता हो। कई बार ऐसा नहीं होता है। उनके बयान को इस वक्त सनसनीखेज बनाकर चलाना और इसे परिप्रेक्ष्य से बाहर ले जाना पीएम मोदी के दुर्भावनापूर्ण चुनावी अभियान से ध्यान बंटाने की कोशिश है।"

क्या है पित्रोदा पूरा बयान- उन्होंने आगे कहा, 'हालांकि, भारत में आपके पास ऐसा नहीं है। अगर किसी की संपत्ति 10 अरब है और वह मर जाता है, तो उसके बच्चों को 10 अरब मिलते हैं और जनता को कुछ नहीं मिलता। इसलिए लोगों को इस तरह के मुद्दों पर बहस और चर्चा करनी होगी। मुझे नहीं पता कि आखिर में निष्कर्ष क्या निकलेगा, लेकिन जब हम धन के पुनर्वितरण की बात करते हैं, तो हम नई नीतियों और नए कार्यक्रमों के बारे में बात करते हैं, जो लोगों के हित में हैं न कि केवल अति-अमीरों के हित में।'

गंगाजल से हुई मां विंध्यवासिनी मंदिर के कोने-कोने की धुलाई, घटाभिषेक के लिए उमड़े भक्त

मिजार्पुर। मां विंध्यवासिनी के वार्षिक घटा अभिषेक के लिए बुधवार को श्रद्धालुओं का सैलाब उमड़ पड़ा। इस दौरान गर्भगृह सहित मंदिर के कोने-कोने की गंगाजल से धुलाई की गई। इस दौरान भक्तों में गजब का उत्साह देखने को मिला। इस दौरान मंदिर को 10 बजे से दोपहर दो बजे तक चार घंटे के लिए आम श्रद्धालुओं के दर्शन-पूजन के लिए बंद कर दिया गया था। साफ- सफाई के बाद राजश्री आरती श्रृंगार के पश्चात मंदिर का कपाट आम श्रद्धालुओं के लिए दर्शन-पूजन के लिए खोल दिया जाएगा। श्री विंध्य पंडा समाज के साथ स्थानीय लोग मिट्टी के घड़े के साथ पक्काघाट, दीवानघाट सहित अन्य घाटों पर पहुंचे। चिलचिलाती धूप की परवाह किए बगैर घड़े में गंगाजल भरकर मां विंध्यवासिनी मंदिर के कोने-कोने तक की गंगाजल से धुलाई की गई। मां का दरबार धोने में क्या छोटा क्या बड़ा सभी श्रद्धालु उत्साह व सेवा भाव से मंदिर धुलाई कार्य में जुटे रहे। मंदिर परिसर में मटका लिए श्रद्धालु कतार में खड़े रहे। मौका मिलते ही प्रवेश करने के साथ ही साफ- सफाई के कार्य में जुटे रहे।

संपादकीय

सेहत सुरक्षा-कवच

भारत जैसे देश में जहां सेवानिवृत्त लोगों व बुजुर्गों के लिये पश्चिमी देशों की तरह चिकित्सा सुविधाओं का कवच नहीं है, वहां लोगों की अंतिम उम्मीद खुद खरीदी गई बीमा पॉलिसियों पर टिक जाती है। लेकिन बीमा कंपनियों के निरंकुश व्यवहार और उपचार के बाद बिलों के भुगतान में किंतु-परंतु के चलते वृद्धों को यह भरोसा नहीं होता कि बीमा कंपनियां उनके उपचार का पूरा पैसा उपलब्ध करा देंगी। बहरहाल, स्वास्थ्य सेवा तंत्र को अधिक समावेशी और सर्वसुलभ बनाने की दिशा में भारतीय बीमा नियामक और विकास प्राधिकरण यानी आईआरडीएआई ने स्वास्थ्य बीमा खरीदने वाले व्यक्तियों के लिये 65 वर्ष की आयु सीमा को हटा दिया है। हाल ही में एक अधिसूचना में बीमा नियामक ने बीमाकताओं को यह सुनिश्चित करने का निर्देश दिया है कि वे सभी आयु समूहों के लिये उपयोगी स्वास्थ्य बीमा पॉलिसी पेश करें। अकसर देखा गया है कि बीमा कंपनियां व एजेंट अधिक उम्र वाले लोगों को तब जीवन रक्षक पॉलिसी देने से मना कर देते हैं जब उनको इसकी जरूरत होती है। इतनी ही नहीं कंपनी के हित में बनायी गई पुरानी नीतियों के आधार पर कई दावों को खारिज कर दिया जाता है। बीमा नियामक द्वारा बीमा कंपनियों को पहले से निर्धारित स्थितियों के आधार पर दावों को खारिज करने से रोका गया है। बीमा नियामक ने कहा है कि बीमाकर्ता अब कैंसर, हृदय रोग व गुर्दे के काम न करने पर, एड्स जैसी गंभीर चिकित्सा स्थितियों वाले व्यक्तियों को पॉलिसी जारी करने से इनकार नहीं कर सकते। निश्चित रूप से यह तार्किक स्थिति है कि सेवानिवृत्ति के बाद आय के साधन सिमटने, शरीर द्वारा साथ न देने व अपनों का साथ छूटने से लाचार व्यक्ति को उपचार के लिये अब चिकित्सा बीमा कवच मिल सकेगा। निस्संदेह, इस तरह के कई गंभीर रोगों से ग्रस्त लोग चिकित्सा बीमा न मिल पाने की स्थिति में गरीबी की दलदल में फंस जाते हैं। कोरोना संकट के दौरान कई परिवारों के गरीबी के दुश्चक्र में फंसने के मामले सामने आए हैं। निश्चित रूप से बीमा नियामक की यह पहल वक्त की जरूरत के हिसाब से एक कल्याणकारी व्यवस्था की तरफ बढ़ा कदम है। यदि बुजुर्गों को बीमा सुविधा मिलने लगेगी तो वे अप्रत्याशित चिकित्सा खर्चों के झटकों को झेलने के लिये पहले से ही बेहतर तैयारी कर सकते हैं। निश्चित रूप से यह सुविधा उस देश के लिये बदलावकारी हो सकती है जहां कि युवा आबादी बुजुर्ग आबादी की दिशा में बढ़ रही है। संयुक्त राष्ट्र जनसंख्या कोष के अनुसार वर्ष 2050 तक वरिष्ठ नागरिकों की संख्या देश की कुल आबादी की बीस प्रतिशत से अधिक होने का अनुमान है। ऐसे में बेहतर जीवन प्रत्याशा हेतु और महिलाओं की सेहत हेतु स्वास्थ्य बीमा का खासा प्रभाव हो सकता है। लेकिन इस बात में दो राय नहीं कि बीमा उत्पादों को उपभोक्ता-अनुकूल बनाने की सख्त जरूरत है। दरअसल, आम उपभोक्ता शब्दजाल और बीमा पॉलिसियों की जटिलताओं के कारण बीमा उत्पादों को खरीदने से संकोच करते हैं। कई अस्पष्टताएं व किंतु-परंतु पॉलिसीधारक के मन में संदेह और अनिश्चितता उत्पन्न करते हैं। वहीं दूसरी तरफ लाभों व जोखिमों के बारे में गलत सूचना या अपर्याप्त जानकारी उपभोक्ताओं के शोषण व परेशानी का सबब बनती है। इसलिए जरूरी है कि ग्राहकों का विश्वास हासिल करने के लिये पारदर्शी व परेशानी मुक्त दावा निपटान की व्यवस्था हो। इसके साथ ही बीमा भुगतान से जुड़ी धांधलियों पर अंकुश लगाने के लिए मजबूत तंत्र बनाया जाए। वर्ष 2023 में किये गए एक सर्वेक्षण के अनुसार लगभग साठ फीसदी भारतीय बीमा कंपनियों में धोखाधड़ी के मामलों में तेजी से वृद्धि देखी गई है। खासकर जीवन और स्वास्थ्य बीमा के क्षेत्र में। जिसके नियमन के लिये- झूठे दावे करने, प्रदान की गई सेवाओं के लिये शुल्क बढ़ाने और चिकित्सकीय रूप से अनावश्यक सेवाओं के लिये बिलिंग करना जैसी अनियमितताओं पर अंकुश लगाने की जरूरत है। जिसके लिये एक कुशल निगरानी तंत्र बनाना भी आवश्यक है। वहीं झूठे दावे करना, प्रदान की गई सेवाओं के लिए शुल्क बढ़ाना और चिकित्सकीय रूप से अनावश्यक सेवाओं के लिए बिलिंग करना जैसी गड़बड़ियों पर अंकुश लगाने के लिए सख्त निगरानी की आवश्यकता है।

शुरू हुआ गुणगान!

आया समय चुनाव का ।
शुरू हुआ गुणगान ।।
है गिनाते जाना ।
किया क्या महान ।।
जाकर जनदरबार में ।
शीश है नवाना ।।
यही हमारा काम है ।
आप ने भी माना ।।
आगे थोड़ा कर लेंगे ।
और भी सुधार ।।
काम की गुणवत्ता ।
बची कई प्रकार ।।
होगा देना मौका ।
इस पर करें विचार ।।
कर रहे विरोधी पर ।
पहले से प्रहार ।।

–कृष्णेन्द्र राय

मछुआरों, महिलाओं और स्थानीय संस्कृति का सहारा

उमेश चतुर्वेदी

अपने दम पर बहुमत के साथ लगातार दो बार से केंद्रीय सत्ता को संभाल रही भारतीय जनता पार्टी के लिए तमिलनाडु और केरल अब तक प्रश्न प्रदेश रहे हैं। इस लिस्ट में 25 सीटों वाले आंध्र प्रदेश को भी शामिल किया जा सकता है। अबकी बार चार सौ पार के नारे में दक्षिण का अभेद्य बना किला फतह करने की कोशिश भी शामिल है। पार्टी को पता है कि जब तक वह अभेद्य समझे जाने वाले दक्षिण के दुर्ग में जोरदार सेंध नहीं लगाएगी, उसका यह नारा जमीनी हकीकत के नजदीक नहीं पहुंच पाएगा। यही वजह है कि पार्टी का शिखर नेतृत्व लगातार तमिलनाडु पर अपना ध्यान फोकस किए हुए है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृहमंत्री अमित शाह की दक्षिण भारत की लगातार जारी चुनावी और सामान्य यात्राएं इन्हीं कोशिशों का उदाहरण है। तमिलनाडु में चुनाव बीत चुके हैं। राज्य के चुनाव नतीजों को लेकर अटकलबाजी और दावे-प्रतिदावों का दौर जारी है।

तमिलनाडु में मौजूदा सत्ताधारी डीएमके का मोर्चा बढ़त की उम्मीदे पाले हुए है तो बीजेपी इस बार बड़ी सेंध लगाने का दावा कर रही है। बीजेपी के दावे की वजह है, प्रधानमंत्री की सभाओं में उमड़ती रही भीड़। जिसे बढ़ाने में अमित शाह अपनी ओर से जोर देते रहे। लोकसभा सीटों के लिहाज से दक्षिण भारत के सबसे बड़े राज्य तमिलनाडु में 2019 के आम चुनावों में भी अमित शाह ने पूरा जोर लगाया था। फिर भी पार्टी को 2014 के साढ़े पांच प्रतिशत के मुकाबले महज 3.6 फीसद वोट से ही संतोष करना पड़ा था। राज्य में इस बार चुनाव हो चुका है। जिस तरह मोदी और शाह की जोड़ी ने इस बार राज्य में जोर लगाया, इसकी वजह से इस बार पार्टी की उम्मीदें बढ़ी हुई हैं। इसकी वजह है पार्टी की अरसा पहले से जारी तैयारी और तमिलनाडु में तेज-तर्रार और युवा अन्नामलाई के हाथ में पार्टी की कमान। अन्ना मलाई की सभाओं में उमड़ती रही भीड़ पार्टी की उम्मीदों को परवान चढ़ाने में मददगार बनती रही। अन्ना मलाई ने सात महीने तक एन मन, एन मक्कल नाम से राज्यव्यापी यात्रा की, जिसमें खूब भीड़ जुटी। इस यात्रा की बीजेपी हलके में महत्ता का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि इसका समापन खुद प्रधानमंत्री मोदी ने किया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी अन्ना मलाई का नाम अपनी सभाओं में खूब लेते हैं। अन्ना मलाई को उस कोयंबटूर सीट से मैदान में उतारा गया है, जिस पर 1998 और 1999 में पार्टी का कब्जा रहा। उस वक्त इस सीट की नुमाइंदगी करने वाले सीपी राधाकृष्णन इन दिनों झारखंड के राज्यपाल हैं। उनके जिम्मे तेलंगाना के राज्यपाल और पुदुचेरी के उपराज्यपाल का चार्ज भी है। जब सीपी राधाकृष्णन कोयंबटूर से सांसद चुने गए थे, तब वे 41 साल के युवा थे। यह संयोग है कि कुछ और कि अन्ना मलाई इन दिनों चालीस की उम्र पूरी करने वाले हैं। यानी अगर कोयंबटूर से वे जीतते हैं तो वे भी सीपी राधाकृष्णन की तरह युवा ही होंगे।

भारतीय जनता पार्टी की शिखर यात्रा की ओर जब हम देखते हैं तो पता चलता है कि उसने जिस राज्य में भी पैर जमाया, वहां वह पहले छोटे भाई की भूमिका में रही। बाद में वह अपना प्रभाव बढ़ाते हुए बड़े भाई की भूमिका में आ जाती है और मौका मिलते ही शिखर पर पहुंच जाती है। दो चुनाव पहले तक बीजेपी हरियाणा और पश्चिम बंगाल में इंडियन नेशनल लोकदल और तृणमूल कांग्रेस के छोटे भाई की भूमिका में रही। बाद में उसने प्रभाव बढ़ाया। अब हालत यह है कि हरियाणा में इंडियन नेशनल लोकदल अपने अस्तित्व के लिए संघर्ष कर रही है तो तृणमूल कांग्रेस उसकी चुनौती से पार पाने का उपाय खोज रही है। कुछ ऐसी ही स्थिति महाराष्ट्र में रही। पहले वह शिवसेना की बी टीम की तरह काम करती रही और पिछले कुछ चुनावों से वह पहले नंबर पर आ गई है। पंजाब में इसी तरह वह 1997 से लगातार शिरोमणि अकाली दल की बी टीम रही और इस बार उसने खुद को अकेले मैदार में उतार दिया है। कुछ इसी अंदाज में पार्टी तमिलनाडु में भी 1998 में डीएमके के साथ रही तो 1999 में एडीआईएमके की जूनियर पार्टनर बनी। 2014 तक वह अन्ना द्रमुक के साथ रही, लेकिन अब वह तकरीबन अकेले दम पर आगे आ रही है।

हाल के दिनों में पार्टी तार्किक रणनीति के साथ मैदान में उतरती रही है। उसके वायदों और शासन के तरीके पर सवाल जरूर उठ सकते हैं, लेकिन रणनीतिक कदम के लिए उसकी प्रशंसा करनी होगी। प्रश्न प्रदेश बने तमिलनाडु को हल करने के लिए पार्टी ने अरसा पहले काम शुरू कर दिया था। केंद्रीय सत्ता संभालने के बाद प्रधानमंत्री मोदी ने एक कार्यक्रम शुरू कराया, एक भारत, श्रेष्ठ भारत। इसके जरिए राज्यों को उनके पारंपरिक, सांस्कृतिक और ऐतिहासिक रिश्तों के साथ जोड़ना शुरू किया। इसके तहत तमिलनाडु का काशी से संगम शुरू हुआ। काशी भगवान भोलेनाथ की नगरी है और तमिलनाडु में शैव परंपरा को मानने वालों की अच्छी-खासी संख्या है। महाशिवरात्रि के वक्त काशी में तमिलनाडु, आंध्र और कर्नाटक के यात्रियों की बाढ़ रहती है। काशी और तमिलनाडु के करीबी रिश्तों के जरिए प्रधानमंत्री मोदी ने तमिल दिलों में उतरने की कोशिश साल 2022 में तेज की। काशी-तमिल संगमन इसकी अगली कड़ी के रूप में सामने आया। इसके बाद प्रधानमंत्री ने तमिलनाडु में विकास योजनाओं की तेजी लाने की कोशिश की। अटल बिहारी वाजपेयी सरकार द्वारा शुरू की गई स्वर्णिम चतुर्भुज परियोजना को पूरा करने का आश्वासन के साथ ही मछुआरों के कल्याण पर काम तेज हुए। इसके साथ ही प्रधानमंत्री ने तमिलनाडु में रोड शो किए।

तमिलनाडु ऐसा राज्य है, जहां की 87 फीसद आबादी हिंदू है। इसके बावजूद राज्य के मुख्यमंत्री स्टालिन के बेटे और राज्य सरकार में मंत्री उदयनिधि मारन ने सनातन धर्म पर हमला बोला। भारतीय जनता पार्टी को इस बयान ने मौका दे दिया। जिसके खिलाफ ना सिर्फ प्रधानमंत्री मुखर हुए, बल्कि अमित शाह ने भी हमला बोला। तमिलनाडु के लोग एक बात पर खूब जोर देते हैं कि उनके यहां धार्मिक कार्ड नहीं चलता। इसीलिए बीजेपी का हिंदुत्व का मुद्दा भी नहीं चलेगा। लेकिन प्रधानमंत्री के रोड शो में उमड़ी भीड़ हो या अमित शाह के कार्यक्रमों में जुटती भीड़, इस धारणा को कमजोर कर रही है। भारतीय जनता पार्टी की मौजूदा हिंदुत्ववादी राजनीति को दो दशक पहले तक उत्तर भारत में इतना तवज्जो नहीं मिलता था कि वह केंद्रीय सत्ता की अपने दम पर दावेदारी कर सके। लेकिन अब हालात बदल चुके हैं। कुछ इसी अंदाज में पार्टी तमिलनाडु में भी जोर लगाती रही । पार्टी तमिल सांस्कृतिक परंपराओं मसलन जलीकट्टू की बहाली का जहां समर्थन कर रही है, वहीं वह तमिल मार्का सनातन की प्रतिष्ठा पर भी जोर दे रही है। पार्टी ने पीएमके और टीएमसी(एस) जैसी कुछ छोटी पार्टियों के साथ जातीय गणित भी साधने की कोशिश की है। इन कोशिशों से उपजी आस ही है कि पार्टी इस बार राज्य की 23 सीटों पर चुनाव लड़ रही है, जबकि बाकी 16 सीटें अपने सहयोगियों के लिए छोड़ दी है।

बीजेपी की कोशिशों के बावजूद हाल ही में आई एक सर्वे रिपोर्ट ने पार्टी को एक भी सीट नहीं दिया। हालांकि सर्वे करने वाली एजेंसी भी मान रही है कि राज्य में बीजेपी का वोट बैंक बढ़ने जा रहा है। वैसे याद किया जाना चाहिए कि मध्य प्रदेश विधानसभा चुनाव में सर्वे एजेंसियों ने बीजेपी की जीत की उम्मीद नहीं के बराबर जताई थी। लेकिन जब नतीजे आए तो सर्वे एजेंसियों के नतीजों के उलट थे। भारतीय जनता पार्टी ठीक उसी अंदाज में तमिलनाडु से भी उम्मीद लगाए हुए है। दक्षिण भारत में लोकसभा की 132 सीटें हैं, जिनमें सिर्फ 29 सीटें ही बीजेपी के पास हैं। उनमें से सबसे ज्यादा 25 सीटें कर्नाटक की हैं, जबकि चार तेलंगाना की। पार्टी इस बार भी कर्नाटक में बेहतर करते नजर आ रही है। तेलंगाना में भी वह मुकाबले में है।

जलवायु संकट से जीवन रक्षा का अधिकार

प्रोदिप्तो घोष

सर्वोच्च न्यायालय ने हाल ही में संविधान के अनुच्छेद 14 (समानता का अधिकार) और अनुच्छेद 21 (जीवन एवं आजादी की सुरक्षा) के दायरे को विस्तार देते हुए स्वतंत्रता के अधिकार या जलवायु परिवर्तन के विपरीत प्रभावों से सुरक्षा की आजादी को मान्यता दी है। सर्वप्रथम तो यह स्पष्ट हो कि आखिर अधिकार का अर्थ क्या है। अधिकार किसी व्यक्ति अथवा समूह द्वारा किया वह दावा है (जैसे कि महिला, एलजीबीटीक्यूआईए इत्यादि) जिसकी अहमियत इसकी कीमतों और फायदों से कहीं ऊपर होती है। उदाहरणार्थ, एक पुलिसकर्मी यह दलील नहीं दे सकता कि किसी विधवा के यहां हुई चोरी को सुलझाने में जो वक्त और पैसा लगेगा यदि वह चोरी हुए माल या धन से अधिक है तो उसकी शिकायत पर कार्रवाई करने का क्या औचित्य। दूसरा, अधिकार में सामान्यतः फर्ज भी निहित होता हैझ किसी व्यक्ति, संस्थान अथवा सरकार काझ ताकि दावा सही लगे।

विभिन्न गैसों के वैश्विक उत्सर्जन, जिसको ग्रीन हाउस गैस भी कहा जाता है, इनकी वजह से जलवायु परिवर्तन हो रहा है। ऐसे प्रभाव का विकासशील मुल्कों के अपने उत्सर्जन से संबंध कम ही है। इनकी सरकारें अपने तौर पर वैश्विक स्तर के ग्रीन हाउस गैस उत्सर्जन को सीमित करने में कुछ अधिक नहीं कर सकतीं। इसके लिए अंतर्राष्ट्रीय सर्वसम्मति की जरूरत है, इस दिशा में अपेक्षित चाल 1992 से ही धीमी है, जब संयुक्त राष्ट्र फ्रेमवर्क कन्वेन्शन ऑन क्लाइमेट चेंज (यूएनएफसीसीसी) नामक प्रस्ताव अपनाया गया था।

यूएनएफसीसीसी मानता है कि जलवायु परिवर्तन के कारकों को थामने, उत्सर्जन घटाने और प्रभावों को कम करने में विकसित मुल्कों के पास अधिक क्षमता है, इसे सामान्य किंतु अंतर लाने वाली जिम्मेवारी नामक सिद्धांत के तौर पर जाना जाता है। पेरिस संधि-2015 के ध्येयों पर अमल फिलहाल शोचनीय रूप से बहुत कम है, जिसके अंतर्गत वैश्विक औसत तापमान में बढ़ोतरी स्वीकार्य सीमा 1.5 डिग्री सेल्सियस के भीतर बनाए रखना है। लेकिन यह न होने पर, वास्तविक धरातल पर इसके प्रभाव स्वरूप मौसम में तीव्र बदलाव बढ़ते जा रहे हैं। इन परिस्थितियों में, क्योंकि पर्यावरणीय बदलाव भारत पर भी प्रभाव पड़ रहे हैं और अधिकांशतः इसके पीछे जिम्मेवार विकसित देशों के कारनामे हैं, क्या एक आम नागरिक इस जलवायु परिवर्तन से आजादी का हक पाने का दावा कर सकता है? तर्क के आधार कर कहें तो समस्या का मुख्य जिम्मेवार विकसित देशों का समूह है।

अब तक, अंतर्राष्ट्रीय पर्यावरण परिवर्तन संधियां विकासशील राष्ट्रों को सुधारक उपाय अपनाने के हेतु बहुत कम धन उपलब्ध करवा पाई हैं। इसलिए, तो क्या सर्वोच्च न्यायालय के फैसले का अर्थ है कि लागत चाहे कितनी भी हो, भारतीय सरकार को पर्यावरण में सुधार के उपाय करने ही होंगे?

इस अधिकार की अन्य अवधारणा है स्वतंत्रता का अधिकार बनाम भलाई का अधिकार। जीवन का अधिकार, अभिव्यक्ति की आजादी इत्यादि स्वतंत्रता के अधिकार में आते हैं। शिक्षा का अधिकार, जलवायु परिवर्तन से निजात के अधिकार सहित साफ-सुथरा पर्यावरण पाने के हक को भलाई अधिकारों में गिना जाता है। स्वतंत्रता अधिकार में केवल जरूरत है अन्य कोई इनका उल्लंघन न करने पाए जबकि भलाई अधिकार वह हैं जिसकी प्राप्ति करने में तदनुरूप कर्तव्यों पर उद्देश्यपूर्ण कार्रवाई की जरूरत होती है। स्वतंत्रता अधिकारों को लागू करने में अधिकांशतः बहुत ज्यादा कीमत नहीं लगती। लेकिन, कल्याण अधिकारों को मूर्त रूप देने में सामान्यतः बहुत बड़े स्तर पर संसाधनों की आवश्यकता पड़ती है। किंतु जब संसाधन पहले से कम पड़ते हों, जैसा कि विकासशील मुल्कों में होता है, तब चुनाव करते वक्त विभिन्न अन्य कल्याण अधिकारों को तरजीह देनी पड़ती है।

अनेक अध्ययन दर्शाते हैं कि जलवायु परिवर्तन के प्रभाव कम करने में बहुत ज्यादा धन की जरूरत पड़ती है। विकसित देशों की ओर से विशाल मात्रा में अंतर्राष्ट्रीय मदद राशि की अनुपस्थिति के मायने हैं कि भारत सरकार को अपने संसाधन जुटाकर इस समस्या का हल निकालना पड़ेगा। अगर सरकार को अन्य विभिन्न कल्याण अधिकार भी सुनिश्चित करने हैं तो सीमित संसाधनों के चलते प्रत्येक मामले में प्राप्ति आंशिक ही होगी। लगातार बदलते अंतर्राष्ट्रीय पर्यावरण परिवर्तन नियमों के तहत पर्यावरण अधिकार की संपूर्ण प्राप्ति को जरूरत है विकसित देशों से नवीन एवं अतिरिक्त संसाधन विकासशील मुल्कों को दिए जाने की। लेकिन इस किस्म के संसाधन मिलने की संभावना बहुत क्षीण है।

वर्ष 2005 में केंद्रीय सरकार द्वारा प्रदत्त धन से पर्यावरण संबंधित प्रभावों पर एक अध्ययन हुआ था। इसके उद्देश्यों में योजनाएं एवं निवारण कार्यक्रम का सुझाव देने के अलावा जलवायु परिवर्तन के प्रभाव से बनी स्थिति में राहत उपाय (सिंचाई एवं बाढ़ नियंत्रण, वानिकी, चक्रवात शरणस्थली) की शिनाख्त करना और उन पर होने वाले खर्च का अनुमान देना था। इसके निष्कर्ष चौंकाने वाले थे, भारत के सकल घरेलू उत्पाद का लगभग 1.8 प्रतिशत इस किस्म के कार्यक्रमों के ऊपर खर्च हुआ था, यह व्यय भारत के रक्षा बजट जितना था। हो सकता है बाद में यह मात्रा और बढ़ गई हो।

अतएव, क्या जलवायु परिवर्तन से आजादी के अधिकार को मान्यता देने की व्यावहारिकता में काफी उलझने हैं? साफ तौर पर, बाहरी स्रोतों का प्रभाव, यदि कोई है, तो वह बहुत कम होगा। जलवायु परिवर्तन के प्रभावों का जोखिम कम करने में होने वाले खर्च के ऐतिहासिक स्तर के मद्देनजर लगता नहीं कि जलवायु परिवर्तन अधिकार को मूर्त रूप देने के लिए सकल घरेलू उत्पाद के अंश में बढ़ोतरी करने की गुंजाइश है।

तथापि, जैसा कि देश की अर्थव्यवस्था में वृद्धि हो रही है, समस्त संसाधनों का स्तर भी बढ़ेगा। साथ ही, नागरिकों की आय बढ़ने पर, वे जलवायु प्रभाव के परिणामों से बचने को निजी तौर पर अधिक खर्च कर पाएंगे, मसलन, सुरक्षित आवास, स्वास्थ्य देखभाल पर अधिक खर्च, जल-संचयन और अतिशयी आपदाओं के संदर्भ में बीमा करवाना इत्यादि। कुल मिलाकर, जैसे-जैसे देश की अर्थव्यवस्था में वृद्धि होगी वैसे-वैसे जलवायु परिवर्तन के प्रभाव से नागरिकों का जोखिम कम होता जाएगा। इस असर से मुक्ति पाने में विकास एक चाबी है। कदाचित सर्वोच्च न्यायालय के फैसले का मुख्य आशय जलवायु संबंधी जोखिमों से बचाव करने पर खर्च में कटौती की भावी संभावना को खत्म करना है। सर्वोच्च न्यायालय का फैसला उस याचिका के संदर्भ में आया है जिसमें राजस्थान और गुजरात में संकटग्रस्त ग्रेट इंडियन बस्टर्ड (तिलोर) पक्षी के अभयारण्य स्थल से होकर गुजरने वाली अक्षय ऊर्जा की बिजली तारों को जमीन के नीचे डालने का फैसला देने के खिलाफ अपील लगाई गई थी। ऊंचे खम्भों के माध्यम से लगी बिजली आपूर्ति तारों से टकरा कर बड़ी संख्या में पक्षी मारे जाते हैं। बिजली कंपनियों की दलील है कि इसमें बहुत खर्च आएगा और अक्षय ऊर्जा की दरें प्रतिस्पर्धात्मक नहीं रहेंगी।

हिन्दुत्व के ग्लोबल ब्रांड एम्बेसडर हैं प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी

कृष्णमुरारी त्रिपाठी अटल

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी वर्तमान में विश्व के सबसे लोकप्रिय राजनेता के रूप में ख्यातिलब्ध हो चुके हैं। भारतीय राजनीति से लेकर वैश्विक राजनीति में उनके विचारों एवं निर्णयों की झलक स्पष्ट रूप से दिखाई दे रही है?। यह सब इसलिए सम्भव हो पा रहा है क्योंकि वे भारत के 'स्व' के अधिष्ठान को अपना ध्येय बनाकर सतत गतिमान हैं। भारत का यह 'स्व'- सनातन हिन्दुत्व के वे मानबिन्दु एवं चिरकालिक शाश्वत मूल्य बोध हैं जिन्हें उन्होंने प्रखरता के साथ अपनी कार्यशैली से प्रकट किया है। वर्ष 2014 में प्रथम बार सांसद एवं प्रधानमंत्री के रूप में निर्वाचित होते ही संसद प्रवेश के समय प्रवेश द्वार पर साष्टांग दंडवत प्रणाम से ही उन्होंने नए संकेत दे दिए थे। वे थे हिन्दू अस्मिता और हिन्दुत्व के प्रति अनन्य निष्ठा के भाव। आगे चलकर विश्व इतिहास में रेखांकित की जाने वाली तारीख 5 अगस्त 2020 को मोदी का एक नया रूप देखने को मिला। उन्होंने अयोध्या में श्रीराम जन्मभूमि में मंदिर निर्माण के भूमि-पूजन के साथ ही पुनश्च एक नया शंखनाद किया?। जोकि आगे चलकर पौष शुक्ल द्वादशी तदनुसार 22 जनवरी 2024 को रामलला के नूतन विग्रह की प्राण-प्रतिष्ठा के साथ ही नूतन शक्ति संचार के रूप में दर्ज हो गया। इस अवसर के लिए प्रधानमंत्री मोदी ने पूर्णरूपेण वैदिक विधान के साथ 11 दिवसीय कठोर व्रत का पालन करते हुए अपने तपस्वी साधक रुप का परिचय दिया था। उक्त अवसर पर उनके उद्बोधन का यह अंश उनके उसी भाव विचार को प्रकट करता है–

22 जनवरी, 2024, ये कैलेंडर पर लिखी एक तारीख नहीं। ये एक नए कालचक्र का उद्गम है। राम मंदिर के भूमिपूजन के बाद से प्रतिदिन पूरे देश में उमंग और उत्साह बढ़ता ही जा रहा था। निर्माण कार्य देख, देशवासियों में हर दिन एक नया विश्वास पैदा हो रहा था। आज हमें सदियों के उस धैर्य की धरोहर मिली है, आज हमें श्रीराम का मंदिर मिला है। गुलामी की मानसिकता को तोड़कर उठ खड़ा हो रहा राष्ट्र, अतीत के हर दंश से हौसला लेता हुआ राष्ट्र, ऐसे ही नव इतिहास का सृजन करता है। आज से हजार साल बाद भी लोग आज की इस तारीख की, आज के इस पल की चर्चा करेंगे। और ये कितनी बड़ी रामकृपा है कि हम इस पल को जी रहे हैं, इसे साक्षात घटित होते देख रहे हैं। आज दिन-दिशाएँ... दिग-दिगंत... सब दिव्यता से परिपूर्ण हैं। ये समय, सामान्य समय नहीं है। ये काल के चक्र पर सर्वकालिक स्याही से अंकित हो रहीं अमिट स्मृति रेखाएँ हैं।

साथ आगे अपने अखंड संकल्प को व्जियक्त करते हुए कहते हैं–

हमें अपनी चेतना को देव से देश, राम से राष्ट्र- देवता से राष्ट्र तक विस्तारित करना है। यह भव्य मंदिर वैभवशाली भारत के उत्कर्ष और उदय का गवाह बनेगा। यह भारत का समय है और हम आगे बढ़ रहे हैं। मोदी जिस ढंग से हिन्दुत्व के नायक के रूप में अपने कार्य वैशिष्ट्य के साथ गतिमान है। वह स्वर्णिम भारत के भविष्य की आधारशिला के रूप में इतिहास के सुनहरे पन्नों में दर्ज होता चला जा रहा। एक राजनेता जब साधक एवं तपस्वी के रूप में राष्ट्र जीवन को दिशा देता है तो निश्चय ही उसके सुफल पुण्यता का पथ प्रशस्त करने वाले होते हैं। प्रधानमंत्री मोदी जिस प्रकार से राष्ट्र के सर्वांगीण विकास के लिए एक श्रेष्ठ नेतृत्वकर्ता के रूप में जाने जाते हैं। ठीक उसी प्रकार से वे अपनी हिन्दुत्व के प्रति आदर-श्रद्धा-भक्ति एवं निष्ठा के लिए भी जाने जाते हैं। उन्होंने अपनी कार्यप्रणाली एवं विचार निष्ठा से एक भारतीय राजनीति में हिन्दुत्व की अपरिहार्यता की नई लकीर खींच दी है। इसी के कारण स्वतंत्रता के बाद से भारतीय राजनीति में 'हिन्दू व हिन्दुत्व की अस्मिता के विरुद्ध रोपी गई सेकुलरिज्म की विषबेल समाप्ति की ओर है। नरेन्द्र मोदी ने अपनी वेशभूषा, खान-पान एवं कार्य-व्यवहार में जिस ढंग से हिन्दुत्व के मूल्यों को आत्मसात करते हुए सार्वजनिक रूप से प्रकट किया है। उसका लोहा समूचा विश्व मानने लगा है?। वर्षों तक हिन्दुत्व के प्रति दुराग्रह एवं घृणा का जो षड्यंत्र सत्तालोलुपों ने तुष्टिकरण के चलते रचा। उसे नरेन्द्र मोदी ने प्रधानमंत्री की कुर्सी पर आते ही क्रमशः ध्वस्त कर दिया। प्रधानमंत्री अपने निजी जीवन से लेकर सार्वजनिक जीवन में हिन्दू परम्पराओं के अनुसार आचरण करते हुए निरंतर दिखते हैं। वे शक्ति के उपासना पर्व 'नवरात्रि' में निराहार व्रत रहते हैं?। माथे पर चंदन, रुद्राक्ष की माला, भगवा वस्त्र और पूजन अर्चन के समस्त विधि विधानों का निः संकोच पालन करते हैं?। अपनी आस्था के प्रति इस प्रकार की निष्ठा ने उन कई सारी भ्रान्तियों को भी तोड़ा है जो इन परम्पराओं पर लगातार कुठाराघात करते थे। आज विदेशी राजनेता और राजनयिक हमारी सम्बोधन पध्दति के शब्द 'नमस्ते' को बड़े ही आदर के साथ अपनाते हैं और उसका प्रयोग करते हैं?। प्रधानमंत्री मोदी के प्रयासों के चलते ही 21 जून 2015 को 'अन्तरराष्ट्रीय योग दिवस' के रूप में मान्यता मिली। साथ ही यह प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व की ही छाप है कि– आज विश्व के विभिन्न देशों में भारतीय दर्शन एवं ज्ञान परम्पराओं जुड़े हुए धर्मग्रंथों- वेद, उपनिषद, श्रीमद्भगवद्गीता, रामायण एवं महाभारत के मूल्यों पर खुलकर चर्चा की जा रही है। उन्हें अपनाने पर जोर दिया जा रहा है। वर्ष 2015 में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की यूएई की यात्रा के दौरान ही वहां की सरकार ने राजधानी आबू धाबी में मंदिर निर्माण की स्वीकृति एवं जमीन देने की घोषणा की थी। यूएई के उसी पहले हिन्दू मंदिर का विधिवत उद्घाटन प्रधानमंत्री मोदी ने 14 फरवरी 2024 को किया। यह अपने आप में ऐतिहासिक एवं अनुपमेय था। इसी प्रकार भारत को जी 20 की अध्यक्षता मिलने के पश्चात भारतीय संस्कृति से जुड़े हुए विविध पहलुओं से जी 20 देश परिचित हुए। इसके अतिरिक्त नई दिल्ली में सम्पन्न हुए जी 20 शिखर सम्मेलन 2023 से भी मोदी की उसी दूरदर्शिता की झलक दिखाई दी। चाहे बात 'वसुधैव कुटुम्बकम्' की थीम की हो याकि बात भारत मंडपम् के बाहर लगी हुई 'नटराज' की 27 फीट ऊंची प्रतिमा हो। अक एआई वाली श्रीमद्भगवद्गीता के माध्यम से जीवन से जुड़े हुए प्रश्नों को गीता के श्लोकों के द्वारा उत्तर देने का नवाचार हो। इसके साथ ही 13 वीं सदी में बने कोणार्क के सूर्य मंदिर को दशार्ना हो। याकि विश्व को ज्ञान कोष से समृद्ध करने वाले नालंदा विश्वविद्यालय के ध्वंसावशेषों की स्मृतियों को विश्व समुदाय के ध्यान में लाना हो। 'वॉल ऑफ डेमोक्रेसी' के द्वारा भारत की सनातनी लोकतान्त्रिक प्रणाली एवं आदर्शों से भी साक्षात्कार करवाया। जब वे संयुक्त राष्ट्र संघ के मंच से भारत को 'मदर ऑफ डेमोक्रेसी' अर्थात लोकतन्त्र की जननी के रूप में विभिन्न उदाहरण देते हुए परिभाषित करते हैं तो इससे एक अमिट चिन्ह बनते हैं। वर्तमान में विश्व समुदाय भारत व भारतीय संस्कृति अर्थात हिन्दू संस्कृति-हिन्दुत्व के प्रति बड़ी ही आशा भरी दृष्टि से देख रहा है। आज विश्व भारत के बारे में पूर्व की कूटरचित दुराग्रही धारणाओं से मुक्त होकर- नए ढंग से मूल भारत को देखने-जानने-समझने और आत्मसात करने की ओर अग्रसर हुआ है। इसमें निश्चय ही प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की हिन्दुत्व के ग्लोबल ब्राण्ड एम्बेसडर के रूप में माननीय भूमिका है।

प्रधानमंत्री के रूप में सत्तारूढ़ होने के बाद से ही नरेन्द्र मोदी ने एक राजनेता से कहीं आगे बढ़कर वीतरागी 'राजर्षि' के रूप में राष्ट्र संस्कृति-हिन्दू संस्कृति के लिए प्रतिबद्धता व्यक्त की है। उन्होंने भारत की पूर्व से पश्चिम और उत्तर से दक्षिण समस्त सीमाओं के तीर्थक्षेत्रों, धार्मिक आस्था के मानबिन्दुओं के संरक्षण एवं सम्वर्धन के लिए स्पष्ट नीति रखी। नीतियों को साकार रूप में ढाला और एक नए सांस्कृतिक उन्मेष की ओर कदम बढ़ाए। वे 'सर्वपंथ समादर' की भावना को आत्मसात कर आगे बढ़ते हैं और राष्ट्रोन्नति के संकल्प को चरितार्थ करते हैं। काशी विश्वनाथ कॉरीडोर से लेकर उज्जैन के महाकाल लोक के विकास और केदारनाथ धाम में आदिशंकराचार्य जी की प्रतिमा का अनावरण किया। काशी तमिल संगमम को एक नए ढंग से प्रकट किया। चारधाम तीर्थ क्षेत्र परियोजना को मूर्तरूप देने से लेकर मध्यप्रदेश के सागर के बड़तूमा में भव्य संत रविदास मंदिर एवं स्मारक की नींव रखी। इसके अतिरिक्त वे भारत को सांस्कृतिक रूप से जोड़ने वाले प्रत्येक आस्था एवं श्रद्धा केन्द्रों और मानबिन्दुओं के संरक्षण के लिए अनेकानेक कार्य करते आ रहे हैं। देश के नवीन संसद भवन में संतों की उपस्थिति में सत्य एवं न्यायपूर्ण शासन तन्त्र के प्रतीक धर्मदण्ड – 'सेंगोल' की स्थापना में हिन्दुत्वनिष्ठा ही सन्निहित है। इसी प्रकार गणेश चतुर्थी की तिथि (19 सितम्बर 2023) से संसद की कार्यवाही का शुभारम्भ अपने आप में एक नई गाथा कह रहा है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के माध्यम से शिक्षा प्रणाली को भारतीय पद्धति एवं दर्शन पर आधारित करने की नीति भी उसी दिशा की स्पष्ट परिचायक है। गर्व से कहो हम हिन्दू हैं हिन्दुस्थान हमारा है?।

संक्षिप्त खबरें

अमेरिका में 13 लोगों पर वीजा प्रतिबंध

वॉशिंगटन। अमेरिका स्पाइवेयर के वाणिज्यिक दुरुपयोग और प्रसार को रोकने के लिए इसके विकास अथवा बिक्री से जुड़े 13 व्यक्तियों पर प्रतिबंध लगाने के लिए कदम उठाने का निर्णय किया है। विदेश मंत्रालय की ओर से जारी बयान में कहा गया है कि वाणिज्यिक स्पाइवेयर के चल रहे प्रसार और दुरुपयोग से निपटने के प्रयासों के तहत उन 13 व्यक्तियों पर वीजा प्रतिबंध लगाने की दिशा में कदम उठा रहा है जो वाणिज्यिक स्पाइवेयर के विकास और बिक्री में शामिल रहे हैं।

ताइवान में भूकंप के कई झटके

ताइपे। भूकंप में किसी के हताहत होने की कोई खबर नहीं है, लेकिन उन दो बहुमंजिला इमारतों को और नुकसान हुआ है, जिन्हें इस महीने की शुरूआत में द्वीप में आए 7.4 तीव्रता के भूकंप के बाद खाली करा लिया गया था। उस समय भूकंप के कारण 13 लोगों की मौत हो गई थी और 1,000 से अधिक लोग घायल हुए थे। यह ताइवान में पिछले 25 वर्ष में आया सबसे शक्तिशाली भूकंप था और इसके पश्चात भूकंप बाद के सैकड़ों झटके महसूस किये गए। मंगलवार को आए भूकंप को भी उसी कड़ी में माना जा रहा है।

इथियोपिया संघर्ष के कारण 50 हजार विस्थापित

नैरोबी। उत्तरी इथियोपिया में सशस्त्र संघर्ष के कारण विस्थापित हुए लोगों की संख्या बढ़कर 50 हजार से ज्यादा हो गई है। मानवीय मामलों के समन्वय के लिए संयुक्त राष्ट्र कार्यालय ने स्थानीय अधिकारियों के हवाले से यह जानकारी दी। विस्थापित लोगों में कोबो, उत्तरी वेलो के 42,000 और सेकोटा, वाग हमरा क्षेत्रों के 8,300 लोग शामिल हैं। संयुक्त राष्ट्र ने कहा कि इथियोपिया में मानवीय स्थिति गंभीर है तथा हजारों महिलाओं और बच्चों को जीवित रहने के लिए व्यापक मानवीय समर्थन की आवश्यकता है।

चीन में भारी बारिश, रेड अलर्ट जारी

बीजिंग। चीन के दक्षिणी प्रांत शेनेनकई जिलों में मंगलवार को भारी बारिश होने के कारण रेड अलर्ट जारी किया गया। शेनेन नगर पालिका के मौसम विज्ञान ब्यूरो के अनुसार मंगलवार सुबह लुओहू, नानशान, फुतियान, बाओआन, गुआंगमिंग, लोंगहुआ और लोंगगांग जिलों के शहरों में बारिश हुई। भारी बारिश और जलभराव, बाढ़, भूस्खलन और जमीन धंसने के प्रति लोगों को सावधानी बरतने और बाढ़-प्रवण क्षेत्रों से दूर रहने की सलाह दी गई है।

जहाज पुल से टकराकर डूबा, चार लापता

बीजिंग। चीन के दक्षिणी प्रांत गुआंग्डोंग के फोशान शहर में जहाज के पुल से टकराकर डूब जाने से चार लोग लापता हो गए। स्थानीय अधिकारियों ने मंगलवार को बताया कि प्रारंभिक जांच से पता चला है कि दुर्घटना नदी में बाढ़ के प्रभाव के कारण जहाज के गलत संचालन के कारण हुआ। जहाज में 4,900 टन से अधिक स्टील लदा हुआ था और यह जियान प्रांत से गुआंग्डोंग के हेशान शहर की ओर जा रहा था। जहाज जिउजियांग ब्रिज के एक खंभे से टकराकर फंस गया और बाद में डूब गया।

ब्रिटिश संसद ने रवांडा निर्वासन विधेयक पारित किया

लंदन(वार्ता)। ब्रिटेन के संसद ने विवादास्पद रवांडा निर्वासन विधेयक पारित कर दिया है। मंगलवार को ब्रिटेन के प्रधानमंत्री ऋषि सुनक ने कहा कि इस विधेयक के पारित होने के बाद सरकार को पूर्वी अफ्रीकी राष्ट्र की ओर से अवैध रूप से ब्रिटेन में प्रवेश कर शरण मांगने वाले लोगों को रवांडा भेजने की अनुमति मिल जाएगी। हाउस ऑफ लॉर्ड्स द्वारा प्रस्तावित संशोधनों को वापस लेने के बाद विधेयक को सोमवार रात मंजूरी प्रदान कर दी गई।

ब्रिटेन के प्रधानमंत्री सुनक ने कहा, इस ऐतिहासिक कानून का पारित होना सिर्फ एक कदम आगे नहीं है बल्कि यह आव्रजन पर वैश्विक समीकरण में बुनियादी बदलाव है। इस कानून के पारित होने से हमें ऐसा करने की अनुमति मिलेगी और यह स्पष्ट हो जाएगा कि अगर आप अवैध रूप से यहां आते है, तो आप यहां नहीं रह पाएंगे। सुनक ने उल्लेख किया कि ब्रिटेन का ध्यान 'जमीन से उड़ानें शुरू करना' था और आशा व्यक्त किया कि कोई भी परिस्थिति लंदन को निर्वासन उपाय करने से नहीं रोक नही पाएगा। इस बीच, ब्रिटेन के गृह सचिव जेम्स क्लेवरली ने कहा कि विधेयक के पारित होने से रवांडा के लिए निर्वासन उड़ानें शुरू करने की परिचालन योजना के अंतिम चरण की शुरुआत हो गई है। क्लेवरली ने कहा, हमारी नीति ठीक उसी तरह है, और 10-12 सप्ताह के भीतर उड़ानें शुरू करने की योजना पर काम चल रहा है। सुनक ने कहा पहली उड़ानें 10-12 सप्ताह में शुरू हो जाएंगी, लेकिन उन्होंने इस बारे में विवरण देने से इनकार कर दिया कि कितने लोगों को निर्वासित किया जाएगा या वास्तव में उड़ानें कब शुरू होंगी।

■ अनचाहे प्रवासियों या शरण चाहने वालों को रवांडा भेजने की योजना का मानवाधिकार संगठनों समेत ब्रिटिश नेताओं ने की है आलोचना

उन्होंने कहा कि ये जानकारी विरोधियों को नीति को विफल करने की कोशिश जारी रखने में मदद कर सकती है। रवांडा और ब्रिटेन ने 2022 में प्रवासन समझौते पर हस्ताक्षर किया जिसके अंतर्गत ब्रिटेन सरकार द्वारा अनिर्दिष्ट प्रवासियों या शरण चाहने वालों के रूप में पहचाने जाने वाले लोगों को प्रक्रिया, शरण और पुनर्वास के लिए रवांडा भेजा जाएगा। इस योजना की मानवाधिकार संगठनों के साथ-साथ ब्रिटेन के कई राजनेताओं और अधिकारियों ने आलोचना की है। पहली निर्वासन उड़ान जून 2022 में शुरू होने वाली थी, लेकिन यूरोपीय मानवाधिकार न्यायालय (ईसीएचआर) के हस्तक्षेप के कारण नहीं हुई, जिसने इसे गैरकानूनी करार दिया। ब्रिटेन सरकार को पिछले वर्ष एक नए सौदे का मसौदा तैयार करना पड़ा जब ब्रिटेन के सुप्रीम कोर्ट ने निर्धारित किया था कि प्रारंभिक योजना शरण चाहने वालों को सुरक्षा की गारंटी नहीं देती है।

इंडोनेशिया में संरा रेजिडेंट समन्वयक बनीं गीता सभरवाल

संयुक्त राष्ट्र (आईएएनएस)। भारत की गीता सभरवाल को इंडोनेशिया में संयुक्त राष्ट्र रेजिडेंट समन्वयक बनाया गया है। संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुतरेस ने सोमवार को सभरवाल की नियुक्ति की।

सभरवाल के पास जलवायु परिवर्तन, स्थाई शांति, शासन और सामाजिक नीति का समर्थन करने वाले विकास में 30 वर्षों का अनुभव है। उन्होंने थाईलैंड में संयुक्त राष्ट्र रेजिडेंट समन्वयक और श्रीलंका में संयुक्त राष्ट्र के शांति निर्माण और विकास सलाहकार के रूप में भी काम किया है। संयुक्त राष्ट्र में शामिल होने से पहले, सभरवाल मालदीव और श्रीलंका के लिए एशिया फाउंडेशन की उप प्रतिनिधि थीं। वह भारत और वियतनाम में अंतरराष्ट्रीय विकास के लिए यूके में गरीबी और नीति सलाहकार के रूप में भी कार्य कर चुकी हैं।

इंग्लिश चैनल पार करते समय बच्चे सहित पांच की मौत

पेरिस (एपी)। इंग्लिश चैनल को पार करने की कोशिश के दौरान बच्चे सहित पांच प्रवासियों की मौत हो गई। फ्रांसीसी मीडिया ने यह जानकारी दी। ब्रिटेन सरकार द्वारा प्रवासी निर्वासन विधेयक को मंजूरी दिए जाने के कुछ घंटों बाद ही यह घटना सामने आई। हालांकि हादसे में लगभग 100 प्रवासियों को सुरक्षित बचा लिया गया है।

वोइक्स डु नॉर्ड अखबार में बताया गया कि उत्तरी फ्रांस के विमेरॉक्स समुद्र तट पर मंगलवार को पांच प्रवासियों के शव बरामद किए गए। घटनास्थल पर बचाव-अभियान जारी है और इसके लिए नौका और हेलीकॉप्टर की सेवा ली जा रही है। सुरक्षित बचाए गए 100 प्रवासियों को फ्रांसीसी नौसेना जहाज के माध्यम से बोलोग्ने बंदरगाह पर ले जाया गया है। यह घटना ब्रिटेन के प्रधानमंत्री ऋषि सुनक के अवैध प्रवासियों को रवांडा भेजने के फैसले पर ब्रिटिश संसद द्वारा मुहर लगाए जाने के कुछ ही घंटों बाद सामने आई। मानवाधिकार समूहों ने इस कानून को अमानवीय और क्रूर बताया है। ब्रिटेन की सरकार ने उन शरणार्थियों को निर्वासित करने की योजना बनाई है, जो छोटी नौकाओं के जरिए देश में अवैध रूप से प्रवेश करते है।

■ सुरक्षित बचाए गए 100 प्रवासियों को फ्रांसीसी नौसेना जहाज से बोलोग्ने बंदरगाह पर ले जाया गया

संयुक्त राष्ट्र शरणार्थी एजेंसी और यूरोप परिषद दोनों ने मंगलवार को ब्रिटेन सरकार से अपने इस फैसले पर पुनर्विचार करने का आह्वान किया क्योंकि उनका मानना है कि इस फैसले के कारण वैश्विक प्रवासी संकट से निपटने में अंतरराष्ट्रीय सहयोग प्रभावित हो सकता है। प्रवासी छोटी नौकाओं में सवार होकर इंग्लिश चैनल (ब्रिटेन और उत्तरी फ्रांस को अलग करती है) को पार करने की कोशिश करते है, लेकिन अक्सर या तो वे डूब जाते है या फिर उन्हें अन्य घातक घटनाओं का सामना करना पड़ता है।

मलयेशिया : दो सैन्य हेलीकॉप्टर टकराए, 10 लोगों की मौत

कुआलालंपुर (एपी)। मलयेशिया में मंगलवार को प्रशिक्षण सत्र के दौरान दो सैन्य हेलीकॉप्टर आपस में टकराकर दुर्घटनाग्रस्त हो गए। इस हादसे में हेलीकॉप्टर में सवार सभी 10 लोगों की मौत हो गई। मृतकों में तीन महिलाएं और सात पुरुष है। मलयेशिया नौसेना ने बताया कि दुर्घटना उस समय हुई जब हेलीकॉप्टर नौसेना की 90वीं वर्षगांठ के जश्न की तैयारी के लिए उत्तरी पेराक राज्य में नौसैनिक अड्डे पर प्रशिक्षण में हिस्सा ले रहे थे।

■ नौसैनिक अड्डे पर नौसेना की 90वीं वर्षगांठ के जश्न की तैयारी के प्रशिक्षण के दौरान हुआ हादसा

मलयेशिया नौसेना की 90वीं वर्षगांठ अगले महीने है। नौसेना ने बताया कि मृतकों की पहचान के लिए शव अस्पताल भेज दिए गए हैं। सोशल मीडिया पर प्रसारित एक वीडियो में कई हेलीकॉप्टर कम ऊंचाई पर 'फोर्मेशन' में उड़ रहे थे कि तभी एक हेलीकॉप्टर दूसरे विमान के रोटर' से टकरा गया, जिससे दोनों हेलीकॉप्टर आपस में टकरा गए। स्थानीय पुलिस अधिकारी ने नाम नहीं प्रकाशित करने की शर्त पर बताया कि वीडियो फुटेज असली है। पुलिस के मुताबिक, हेलिकॉप्टर इतनी बुरी तरह क्षतिग्रस्त हुए कि शवों की पहचान में मुश्किल हो रही है। बचावकर्मियों ने शवों को ढूंढने के लिए मलबे में छानबीन भी की।

प्रधानमंत्री अनवर इब्राहिम ने कहा कि दिल और आत्मा को झकझोर देने वाली इस घटना पर पूरे देश ने शोक व्यक्त किया है। उन्होंने कहा कि नौसेना दुर्घटना के कारण का पता लगाने के लिए जांच करेगी। नौसेना ने बताया कि समुद्री अभियानों में इस्तेमाल होने वाले हेलीकाप्टर एडब्ल्यू139 में चालक दल के सात सदस्य सवार थे। इस हेलीकॉप्टर को अगस्तावेस्टलैंड ने बनाया था, जो इटली के रक्षा ठेकेदार लियोनार्डो की सहायक कंपनी है। बयान के मुताबिक, दूसरे हेलीकॉप्टर में चालक दल के तीन सदस्य सवार थे और ये एक हल्का फेनेक हेलीकॉप्टर था, जो एयरबस द्वारा निर्मित था।

ईडी ने कर्नाटक के कांग्रेस विधायक पर कार्रवाई के लिए आयोग को लिखा पत्र

नई दिल्ली/बेंगलुरु (भाषा)। ईडी ने निर्वाचन आयोग को पत्र लिखकर अनुरोध किया है कि 2023 विधानसभा चुनाव के दौरान मतदाताओं को कथित रूप से रिश्वत देने सहित गैरकानूनी लेन-देन के लिए लगभग 42 करोड़ की धनराशि 'जुटाने' के मामले में कर्नाटक से कांग्रेस विधायक नारा भरत रेड्डी के खिलाफ कार्रवाई की जाए। आधिकारिक सूत्रों ने यह जानकारी दी।

ईडी ने धनशोधन निवारण अधिनियम की धारा 66(2) के तहत कर्नाटक लोकायुक्त को भी इस प्रकार का पत्र लिखा है जिसमें बेल्लारी शहर सीट से विधायक रेड्डी के खिलाफ एकत्र किए गए सबूतों पर गौर करने और मामला दर्ज करने का अनुरोध किया गया है। ईडी ने कथित अवैध खनन और कुछ 'फर्जी' भूमि सौदों के आरोपों से जुड़े धनशोधन के मामले की जांच के तहत 10 फरवरी को कर्नाटक और आंध्र प्रदेश में रेड्डी एवं उनसे जुड़े कुछ अन्य लोगों के परिसरों पर छापेमारी की थी। ईडी ने इसके तीन दिन बाद एक बयान जारी करके कहा था कि उसने धनशोधन मामले के सिलसिले में कर्नाटक और आंध्र प्रदेश में कई स्थानों पर छापेमारी के दौरान 31 लाख रुपये की 'बेहिसाब' नकदी जब्त की जिससे अवैध भुगतान के लिए बड़ी मात्रा में नकदी जुटाने में रेड्डी, उनके सहायक रत्ना बाबू और अन्य की संलिप्तता स्थापित हुई। उसने कहा था कि एजेंसी को 'आपत्तिजनक साक्ष्य' मिले है, जो दशति है कि भरत रेड्डी ने विधानसभा चुनाव से ठीक पहले कुछ ही महीनों में लगभग 42 करोड़ रुपये नकद जुटाए और इस धन का इस्तेमाल 'गैरकानूनी लेनदेन' के लिए किया।

■ 2023 विस चुनाव में मतदाताओं को 'रिश्वत' देने सहित गैरकानूनी लेन-देन के लिए 42 करोड़ की धनराशि जुटाने का मामला

सूत्रों ने बताया, एजेंसी ने हाल में निर्वाचन आयोग को पत्र लिखकर कहा, 42.07 करोड़ का एक 'बड़ा हिस्सा' मतदाताओं को नकद बांटने और पार्टी टिकट हासिल करने के लिए किए गए कथित भुगतान सहित अन्य चुनाव-संबंधी खर्चों के लिए इस्तेमाल किया गया था। ईडी ने आयोग के साथ विवरण साझा करते हुए कहा कि छापेमारी के दौरान जब्त किए गए दस्तावेज 'मतदाताओं को उनके मतों के बदले धन देने के लिए नकद एकत्र किए जाने की विस्तार से जानकारी देते है और 2023 के कर्नाटक विधानसभा चुनावों के दौरान मतदाताओं को प्रभावित करने के उद्देश्य से बनाई गई योजना में नारा भरत रेड्डी की संलिप्तता को दशति है।

ऑस्ट्रेलियाई पत्रकार ने वीजा मुद्दे पर छोड़ा भारत

नई दिल्ली(भाषा)। ऑस्ट्रेलिया की पत्रकार ने मंगलवार को दावा किया कि भारत सरकार द्वारा उनके कार्य वीजा को आगे बढ़ाने से इनकार करने के बाद उन्हें भारत छोड़ने के लिए मजबूर होना पड़ा। उन्होंने बताया कि भारत सरकार ने यह कहते हुए कार्य वीजा बढ़ाने से इनकार किया था कि उनकी रिपोर्ट सीमाओं का उल्लंघन है। ऑस्ट्रेलियाई ब्रॉडकास्टिंग कॉर्पोरेशन की दक्षिण एशिया ब्यूरो प्रमुख अवनी डायस ने बताया कि सिख अलगाववादी हरदीप सिंह निज्जर की हत्या पर की गई रिपोर्टिंग पर भारत सरकार द्वारा आपत्ति जताने के बाद उन्हें लोकसभा चुनाव के दिन यानी 19 अप्रैल को भारत छोड़ना पड़ा था।

■ ऑस्ट्रेलियाई ब्रॉडकास्टिंग कॉर्पोरेशन की दक्षिण एशिया ब्यूरो प्रमुख हैं अवनी डायस

डायस ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर पोस्ट में कहा, पिछले सप्ताह मुझे अचानक भारत छोड़ना पड़ा। मोदी सरकार ने मुझसे यह कहते हुए कार्य वीजा को बढ़ाने ने इनकार कर दिया कि मेरे द्वारा की गई रिपोर्टिंग सीमा लांघ गई थी। डायस ने कहा, हमें यह भी बताया गया कि भारतीय मंत्रालय के निर्देश के कारण मुझे चुनाव की रिपोर्टिंग करने की मान्यता भी नहीं मिलेगी। हम उस राष्ट्रीय चुनाव के मतदान के पहले दिन निकले जिसे मोदी लोकतंत्र की जननी कहते है। डायस पिछले ढाई साल से भारत में काम कर रही थी। उन्होंने बताया कि ऑस्ट्रेलियाई सरकार के हस्तक्षेप के बाद उनका वीजा दो महीने के लिए बढ़ा दिया गया। लेकिन डायस ने बताया कि उनकी उड़ान से 24 घंटे से भी कम समय पहले उन्हें यह जानकारी दी गई। ऑस्ट्रेलियन ब्रॉडकास्टिग कॉर्पोरेशन ने बताया कि विदेश मंत्रालय के एक अधिकारी ने डायस को इस फैसले के बारे में सूचित किया था, जिसमें उन्होंने कहा कि उनकी रिपोर्टिंग हदें पार कर गई थी।

फिलीपींस : झड़प में 12 संदिग्ध मुस्लिम विद्रोहियों की मौत

मनीला(एपी)। दक्षिण फिलीपींस में हुई हिंसक झड़प में सैनिकों ने मुस्लिम विद्रोही समूह के कमांडर और उसके 11 सदस्यों को मार गिराया। सेना के अधिकारियों ने मंगलवार को यह जानकारी दी।

अधिकारियों के मुताबिक समूह खिलाफ बम विस्फोट करने और उगाही करने का आरोप है। ब्रिगेडियर जनरल जोस व्लादिमीर कगारा ने बताया कि मागुइंदानाओ डेल सुर प्रांत के दातु सऊदी अम्पातुआन शहर के भीतरी इलाके में सोमवार को बंगसामोरो इस्लामिक फ्रीडम फाइटर्स के संदिग्ध सदस्यों के साथ एक घंटे की झड़प में सात सैनिक भी घायल हुए है। कगारा ने बताया कि विद्रोही समूह का प्रमुख कमांडर मोहिदेन अनिमबांग, उसका भाई सागा अनिमबांग और 10 अन्य संदिग्ध विद्रोही मुठभेड़ में मारे गए। घटनास्थल से लगभग एक दर्जन हथियार बरामद किए गए। क्षेत्रीय सेना के प्रवक्ता लेफ्टिनेंट कर्नल डेनिस अल्मोरेतो ने बताया, यह समूह लंबे समय से बमबारी, सेना और पुलिस चौकियों पर हमला करने और बस कंपनियों से जबरन वसूली जैसी घटनाओं को अंजाम देने के लिए कुख्यात था। हमने आखिरकार उन्हें मार गिराया।

अमेरिका में गाजा संघर्ष को लेकर छात्रों का प्रदर्शन, बड़े पैमाने पर गिरफ्तारियां

वॉशिंगटन (वार्ता)। गाजा में इस्राइली हमलों के खिलाफ छात्रों का विरोध प्रदर्शन अमेरिका के कोलंबिया और येल समेत कई विश्वविद्यालयों में फैल गया है। अधिकारी प्रदर्शनकारी छात्रों को शांत करने की जद्दोजहद में लगे हुए हैं। न्यूयॉर्क विश्वविद्यालय में सोमवार रात छात्रों के प्रदर्शन को समाप्त कराने पुलिस को दखल देना पड़ा और कई छात्रों को गिरफ्तार कर लिया गया। एक रिपोर्ट में कहा गया है कि येल विश्वविद्यालय के कई छात्रों को दिन की शुरुआत में गिरफ्तार कर लिया गया जबकि कोलंबिया ने कक्षाएं रद्द कर दीं। इसी तरह बर्कले, एमआईटी और देश भर के अन्य शीर्ष कॉलेजों में भी विरोध के स्वर उभरे और छात्रों ने जमकर प्रदर्शन किए।

पिछले साल सात अक्टूबर को हमास की ओर से इस्राइल पर रॉकेट दागे जाने के बाद भाषणों, प्रदर्शनों और गरमागरम बहस ने अमेरिकी विश्वविद्यालयों के परिसरों को हिलाकर रख दिया है। अमेरिका में छात्रों का मानना है कि तब से यहूदी विरोधी और इस्लामोफोबिक दोनों तरह घटनाओं में इजाफा हुआ है। राष्ट्रपति जो बाइडन से विश्वविद्यालय कैंपस में विरोध प्रदर्शनों के संबंध में पूछे जाने पर उन्होंने यहूदी विरोधी प्रदर्शनों के साथ-साथ उन लोगों की भी निंदा की जो यह नहीं समझते कि फिलिस्तीनियों के साथ क्या हो रहा है।

अमेरिकी राष्ट्रपति के कॉलेज संबोधन कार्यक्रम का विरोध

वाशिंगटन(वार्ता)। अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन की मोरहाउस कॉलेज में संबोधन कार्यक्रम को कुछ संकाय सदस्य विरोध कर रहे हैं। एनबीसी न्यूज ने बताया कि कॉलेज के प्रशासन को संबंधित संकाय सदस्यों से योजना के बारे में जानकारी मिली, जैसा कि संकाय को भेजे गए ईमेल में कहा गया है। कॉलेज इस मामले पर चर्चा के लिए 25 अप्रैल को वर्चुअल बैठक आयोजित करेगा। रिपोर्ट में एक संकाय सदस्य के हवाले से बताया गया कि प्रशासक चिंतित है कि बाइडन के भाषण का विरोध करने में विद्यार्थियों के साथ शामिल हो जाएंगे। फिर भी प्रशासन बाइडेन को स्वीकृत निमंत्रण को रद्द नहीं करेंगे। यह कार्यक्रम अमेरिका के कॉलेज परिसरों में फिलिस्तीन समर्थक विरोध प्रदर्शनों के साथ-साथ फिलिस्तीन समर्थक प्रदर्शनों के बीच हो रही है।

मंगल ग्रह से नमूने लाने वाले मिशन में बदलाव करेगा नासा

■ मंगल ग्रह पर मानव मिशन के लिए और अधिक महत्वाकांक्षी दृष्टिकोण अपनाना चाहता है संगठन

लीसेस्टर (द कन्वरसेशन)। नासा ने हाल ही में घोषणा की है कि वह मंगल ग्रह पर जेजेरो क्रेटर में पर्सिवरेंस रोवर द्वारा ड्रिल किए गए रॉक कोर की पृथ्वी पर वापसी को पूरा करने के नए तरीकों की तलाश कर रहा है। इससे अंतरिक्ष वैज्ञानिक चिंतित है, जो मार्स सैंपल रिटर्न (एमएसआर) मिशन को सौर मंडल का पता लगाने की योजना के आधार के रूप में देखते है। हालांकि संभावना यही है कि नासा इसे सफल बनाने के लिए मिशन को आगे बढ़ाएगा। नासा समीक्षा का प्रमुख निष्कर्ष यह है कि एमएसआर की स्थापना अवास्तविक बजट और कार्यक्रम के साथ की गई थी। अब इसकी लागत 8-11 अरब अमेरिकी डॉलर होने की उम्मीद है, जिसका मूल अनुमान पहले 5.3 अरब अमेरिकी डॉलर था। इसमें वह निवेश शामिल नहीं है जो यूरोपीय अंतरिक्ष एजेंसी (ईएसए) कर रही है, जो संभवतः दो अरब यूरो के आसपास है।

खिसक सकती है समयसीमा

मंगल ग्रह पर मानव मिशन के लिए और भी अधिक महत्वाकांक्षी दृष्टिकोण अपनाने की जरूरत हो सकती है और ड्रिल कोर की पृथ्वी पर वापसी की समयसीमा 2040 के दशक तक खिसक सकती है। न बाधाओं के बावजूद, नासा अपनी सर्वोच्च विज्ञान प्राथमिकताओं में से एक एमएसआर के लिए प्रतिबद्ध है। वास्तव में यह ग्रह विज्ञान के लिए एजेंसी की दशक की सर्वोच्च प्राथमिकता बनी हुई है। नासा समुदाय के अपने दस-वर्षीय सर्वेक्षणों में जो प्रस्तावित करता है उसे पूरा करने पर बहुत जोर देता है। इस बात की भी संभावना नहीं है कि ईएसए एमएसआर में पहले से किए गए वैज्ञानिक निवेश को खोना चाहेगा।

एमएसआर का महत्व

प्रौद्योगिकियां भविष्य में मानव अन्वेषण के लिए एक महत्वपूर्ण कदम है। उदाहरण के लिए मिशन को किसी अन्य अंतरिक्ष यान द्वारा नमूनों को कक्षा में लॉन्च करने के लिए एक एसेंट वाहन की आवश्यकता होती है। पर्सिवरेंस पहले से ही इस मिशन का पहला महत्वपूर्ण चरण जेज़ेरो क्रेटर में ड्रिलिंग कर रहा है। अगले दो चरण में ड्रिल किए गए नमूनों को इकट्ठा करना और उन्हें ईसा के रिटर्न ऑर्बिटर द्वारा कैप्चर करने के लिए मंगल ग्रह की कक्षा में एसेंट वाहन पर लॉन्च करना होगा। फुटबॉल के आकार के रिटर्न कैप्सूल का मंगल की कक्षा में पकड़ा जाना एमएसआर की प्रमुख तकनीकी चुनौतियों में से एक है। ईएसए इसमें प्रमुख भूमिका निभा रहा है और रिटर्न ऑर्बिटर विकास का नेतृत्व कर रहा है। अंतिम चरण, यूटा परीक्षण और प्रशिक्षण रेंज में सफल लैंडिग मानते हुए, जैविक, भू-रासायनिक और खनिज विश्लेषण का एक श्रमसाध्य कार्यक्रम है जो रोकथाम की कड़ी शर्तों के तहत होगा। लेकिन इन चुनौतीपूर्ण कदमों की कीमत भी है, जिसे नासा अब कम करने का प्रस्ताव कर रहा है।

मैक्रों ने गाजा में तत्काल संघर्ष विराम का आह्वान किया

पेरिस(वार्ता)। फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने इस्राइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के साथ बातचीत की और गाजा में तत्काल और स्थाई युद्धविराम के लिए अपना आह्वान दोहराया। फ्रांसीसी राष्ट्रपति कार्यालय की ओर से जारी मंगलवार को जारी वक्तव्य में कहा गया है कि 13-14 अप्रैल की रात ईरान द्वारा इस्राइल के खिलाफ शुरू किए गए हमले के बाद मैक्रों ने इस्राइली लोगों के साथ अपनी एकजुटता व्यक्त किया।

मैक्रों ने दक्षिणी गाजा के राफा में इस्राइली हमले के प्रति अपना दृढ़ विरोध प्रदर्शित किया, जो गाजा में पहले से ही विनाशकारी स्थिति को और खराब कर देगा और इसे तनाव बढ़ने का खतरा बढ़ जाएगा। उन्होंने गाजा पट्टी में सभी पहुंच मार्गों के माध्यम से मानवीय सहायता की पहुंच बड़े पैमाने पर करने की गारंटी देने की पूर्ण तात्कालिकता की भी बात की तथा सभी बंधकों की तत्काल और बिना शर्त रिहाई की फ्रांस की प्राथमिकता पर बल दिया। मैक्रों ने दोहराया कि मध्य पूर्व में स्थाई शांति सुनिश्चित करने के लिए दो-राज्य समाधान ही एकमात्र उपाय है।

सिंगापुर में भारतीय मूल के व्यक्ति को 20 साल की सजा

सिंगापुर(भाषा)। भारतीय मूल के व्यक्ति को गैर इरादतन हत्या का दोषी ठहराने के बाद 20 साल की सजा सुनाई गई। व्यक्ति ने महिला मित्र को अन्य पुरुषों के साथ संबंध के कारण गुस्से में धक्का दे दिया था जिससे चोट लगने से उसकी मौत हो गई थी।

एम कृष्णन के धक्का देने के कारण मल्लिका बेगम राहतांसा अब्दुल रहमान (40) की 17 जनवरी 2019 को मृत्यु हो गई थी। टुडे की खबर के अनुसार 40 वर्षीय कृष्णन ने पिछले सप्ताह उच्च न्यायालय में अपना दोष स्वीकार कर लिया। न्यायाधीश वैलेरी थीन ने कहा कि कृष्णन ने 2018 में (पुलिस अधिकारियों के साथ दुर्व्यवहार के एक अन्य अपराध मामले के बाद) वादा किया था कि वह सुधर जाएगा, लेकिन उसने अपनी पत्नी और प्रेमिका के साथ दुर्व्यवहार जारी रखा। कृष्णन की पत्नी ने नवंबर 2015 में उसे और उसकी प्रेमिका को कमरे में साथ देखा था और दोनों शराब पी रहे थे, लेकिन उसने उस समय इस आशंका से कृष्णन से माफी मांग ली कि कहीं वह गुस्से में आकर उस पर शराब की बोतल ना फेंक दे। अदालत के दस्तावेजों में बताया गया है की कृष्णन ने 2017 में मल्लिका की एक छोटी सी बात पर पिटाई की थी।

एरिजोना में हुए सड़क हादसे में दो भारतीय छात्रों की मौत

वॉशिंगटन (भाषा)। अमेरिका के एरिजोना में लेक प्लेजेंट के पास दो कारों के बीच टक्कर में दो भारतीय छात्रों की मौत हो गई। पुलिस ने यह जानकारी दी। मृतकों की पहचान 19 वर्षीय निवेश मुक्का और 19 वर्षीय गौतम पारसी के रूप में की गई है। दोनों ही छात्र भारत के थे। वे अमेरिका में अंतरराष्ट्रीय छात्रों के तौर पर पंजीकृत थे। पेरिया पुलिस के अनुसार, स्टेट रूट-74 के ठीक उत्तर में कैसल हॉट स्प्रिंग्स रोड पर 20 अप्रैल को शाम करीब छह बजकर 18 मिनट दो कारों के बीच टक्कर हो गई।

लेबर रूम वायलेंस की शिकार स्त्रियां

यही है जिंदगी

■ क्षमा शर्मा

मदर्स डे आने वाला है। हम अपनी-अपनी माताओं को याद करेंगे। उनके त्याग-तपस्या और मेहनत के बारे में सोचेंगे। आज के दौर में जब बहुत सी औरतें कामकाजी है, तब भी वे बड़ी संख्या में मां बनना चाहती हैं। इन दिनों मां बनने के लिए तमाम तकनीकी सुविधाएं भी उपलब्ध है। सरोगेसी और आईवीएफ के जरिए भी बहुत सी स्त्रियां मां बनने के सपने को पूरा करती है। जो महिलाएं अपने कामकाज में बहुत व्यस्त है और मां कुछ देर से बनना चाहती है, उनके अंडाणु को सुरक्षित रखने के लिए बैंक उपलब्ध है। बहुत सी कंपनियां भी ये सुविधाएं प्रदान कर रही है। यहां तक कि बड़ी-बड़ी अभिनेत्रियां जो अकसर मंचों पर स्त्री विमर्श पर भाषण देती नजर आती है और परिवार को स्त्रियों के लिए सबसे बड़ी मुसीबत मानती है। वे यह कहती पाई जाती है कि मां बनना उनका सपना था और वे अपने परिवार को पूरा समय देना चाहती है। बहुत सी अभिनेत्रियां बच्चे की परवरिश के लिए काम से ब्रेक भी ले लेती है। वे बच्चे को बढ़ता देखना चाहती है।

हमारी दादी-नानी के जमाने में तो महिलाएं पंद्रह साल की उम्र पर ही मां बन जाती थीं। और लगभग हर साल बच्चों को जन्म देती रहती थीं। उनके बड़े-बड़े कुनबे होते थे। अब वक्त बदल गया है। दर्जनों बच्चों के मुकाबले एक ही बच्चा बहुत से परिवारों में है। लेकिन इन दिनों या उससे पहले भी प्रसव के वक्त औरतों को भारी मुश्किलों से गुजरना पड़ता है। छोटे शहरों और गांवों की खबरें तो आप पढ़ते ही होंगे कि कई बार अस्पतालों में जगह न होने के कारण बच्चा सड़क पर ही पैदा हो जाता है। जबकि कहा जाता है कि हर मां और बच्चे के जीवन के लिए सुरक्षित प्रसव जरूरी है। इसलिए अस्पताल जाएं लेकिन यदि स्त्रियां अस्पतालों तक पहुंच भी जाएं तो वहां उन्हें बहुत-सी ऐसी मुसीबतों से गुजरना पड़ता है, जिनकी ओर अकसर ध्यान नहीं जाता। यह सिर्फ अपने यहां या एशियाई देशों में ही नहीं, अमेरिका तक में है।

हाल ही में न्यूयार्क में कोलंबिया विश्वविद्यालय में शोध हुआ। उसमें बताया गया कि प्रसव के दौरान आठ में से एक महिला बुरे व्यवहार का शिकार होती है। इसे वहां लेबर रूम वायलेंस कहा जाता है। 2020 में पहली बार जो महिलाएं मां बन रही थीं, उनमें से 13.4 प्रतिशत को यह झेलना पड़ा। इसमें जो कारण शामिल थे, वे प्रायः डॉक्टर और अस्पताल के कर्मचारियों से जुड़े थे। इसमें प्रमुख थे- सहायता मांगने पर भी बात की सुनवाई न करना, समय पर जवाब न देना, डॉक्टरों की अनदेखी, उनका चिल्लाना आदि बातें शामिल है। इसमें भी सबसे अधिक मुसीबतें और ताने अविवाहित महिलाओं को झेलने पड़ते है। कुल 4,598 महिलाओं पर यह सर्वे किया गया। जरा ध्यान दीजिए, ये बातें दुनिया के सबसे विकसित देश अमेरिका के बारे में हो रही है। हम ऊपर से चाहे जितनी चमक-दमक दिखा लें, मगर हमारा दिमाग न बदले तो कोई फायदा नहीं। वरना जो देश महिला अधिकारों के बारे में सबसे ज्यादा शोर मचाता है, आखिर वहां ऐसा क्यों हो रहा है। अपने यहां भी प्रसव के दौरान महिलाओं को बहुत सी बातों से गुजरना पड़ता है। कई बार तो नर्सें और मिडवाइव्स ऐसी बातें कहती है, जिनका यहां उल्लेख भी नहीं किया जा सकता। इसके अलावा अस्पतालों की लापरवाही भी अकसर सामने आती रहती है। एक तरफ मां को दुनिया के सर्वोच्च आसन पर बिठाना और दूसरी तरफ मां बनने के लिए जो स्त्री आई, उसके साथ बुरा व्यवहार बेहद निंदनीय है। स्त्रियां मां न बनें तो यह सृष्टि कैसे चले। न कोई लड़का पैदा हो न लड़की। इसलिए प्रसव के दौरान उनका सम्मान किया जाना चाहिए। ■

दांपत्य के झमेले

खरी खरी

■ मनीषा

शादी रद्द करना यानी सीधे शब्दों में कहें तो संबंधविच्छेद आज भी अपने समाज में कम ही सुनने को मिलता है। नयी पीढी को लेकर कोई कितने भी तंज कसता रहे पर तलाक अभी भी अपने यहां आम नहीं है। दंपति बुरी से बुरी शादी को रोते-गाते निभा ही लेते हैं। जिन्हें मजबूरी में यह रिश्ता तोड़ना भी पड़ता है, वे मानसिक रूप से इसके लिए तैयार होने में खासा वक्त लेते हैं। गये हफ्ते बॉम्बे हाईकोर्ट की औरंगाबाद पीठ ने एक युवा जोड़े की शादी रद्द करने का फैसला सुनाया। जो अपने आप में उदाहरण बनेगा। यह शख्स शादी को सफल बनाने में समक्ष नहीं था। अदालत ने कहा कि यह उन युवाओं की मदद का मामला है। जो शादी के बाद मानसिक, भावनात्मक या दैहिक रूप से एक-दूसरे से जुड़ नहीं पाते। 27 साल के इस शख्स के इसी साल फरवरी में परिवार अदालत में दायर आवेदन को खारिज कर दिया गया था। जिसमें 17 दिन की शादी को रद्द करने की मांग की गयी थी। अदालत ने इस मामले को सापेक्ष नपुंसकता यानी रिलेटिव इंपोटेंसी से जुड़ा बताया। जिसका अर्थ है, सामान्य रूप से यौन संबंध बनाने में असमर्थता। सीधे शब्दों में व्यक्ति इंटरकोर्स कर सकता है मगर पति या पत्नी के साथ दैहिक संबंध स्थापित करने में असमर्थ हो सकता है। अदालत ने यह भी कहा कि इस तरह की नपुंसकता के लिए विभिन्न शारीरिक व मानसिक कारण हो सकते हैं। अमूमन देखने में आता है कि पुरुषों पर नपुंसकता का दोष मढ कर दांपत्य तोड़ने का काम किया जाता है। मेरे परिचित वकील बताते हैं कि परिवार अदालतों में इन दिनों तलाक के ऐसे बहुत से मामले आते हैं। जिनमें युवतियां अपने पति को पौरुषहीन बताती हैं। निश्चित तौर पर यह किसी पुरुष की सार्वजनिक तौहीन है। अदालत ने इस मामले में कहा इस तथ्य को नजरंदाज नहीं कर सकते कि यह मसला युवा जोड़े से जुड़ा है, जिन्हें शादी में निराशा झेलनी पड़ी। तलाक की अर्जी लगाने वाले शख्स ने माना कि यह नपुंसकता सामान्य धारणा से अलग है। यह उसके जीवन पर कलंक नहीं बनेगी।

दरअसल सापेक्ष नपुंसकता की स्वीकृति उसे सामान्य बोलचाल की भाषा में नपुंसक नहीं ठहरायेगी। जोड़े की शादी बीते मार्च में हुई थी। नववधू का दावा था कि पति ने उसके साथ दैहिक रिश्ता कायम करने से ही इंकार कर दिया। परिवार अदालत में महिला ने इसे सापेक्ष नपुंसकता बताया और कहा कि वे मानसिक, भावनात्मक व शारीरिक रूप से जुड़ ही नहीं सके। परिवार अदालत के समक्ष इस शख्स द्वारा हलफनामा दायर किया गया था कि उनकी शादी पूरी नहीं हुई थी। उसने इसके लिए वधू को दोषी ठहराया। परंतु बाद में स्वीकार लिया कि वह सापेक्ष नपुंसक है। परिवार अदालत ने यह कह कर इसे खारिज कर दिया था कि यह दंपति की मिली-भगत है। हाईकोर्ट की दो जजों की बेंच ने इस दिक्कत को न केवल बखूबी समझा बल्कि उन्होंने संबंधविच्छेद के लिए आने वाले अन्य दंपतियों के लिए मिसाल भी कायम की। उन्होंने अपने आदेश में इसका जिक्र भी किया। नियम-कानून अपनी जगह हैं परंतु यह भी समझा जाना जरूरी है कि जो दंपति साथ रहने को राजी नहीं, उन्हें मजबूर क्यों किया जाए। साथ ही वास्तव में यदि इस शख्स को कोई दिक्कत थी तो विवाह बंधन में बंधने से पहले ही इसकी बात करनी थी। कई बार युवा परिवार के दबाव में ब्याह तो कर लेते हैं मगर उनमें समान्जस्य नहीं बैठ पाता। कुछ जबरदस्ती या बेमन से सामन्जस्य बिठाते हैं तो कुछ रोते-गाते शादी चलाते रहते हैं। जैसा कि मैंने शुरू में ही कहा, अलग होने का फैसला पारिवारिक व भावनात्मक तौर पर गहरे सदमें वाला होता है। उस पर तलाकशुदा के लिए बाद का जीवन भी आसान नहीं रहता। अपने समाज ढेरों टूटी हुई शादियां बगैर कानूनी कार्रवाई के ही रह जाती हैं। उसका कारण यही होता है। तलाक के लिए दंपति ज्यों ही वकील के पास पहुंचते हैं। वकीलों की सलाह होती है, आरोप मढने की। वे दबाव बनाते हैं कि जल्दी रिश्ते से निकलने के लिए उन्हें गंभीर आरोप मढने होंगे। जिसमें झूठे आरोपों की फेहरिस्त वकीलों द्वारा ही दी जाती है। यह बात मैं कई तलाकशुदा दंपतियों के अनुभवों के आधार पर कह रही हूं। वकील स्वयं भी यही स्वीकारते हैं। यह बिल्कुल गलत है। सरकार को चाहिए, वह कानूनों में उन बातों का भी जिक्र करे, जिनके दायरे में आकर दंपति सुभीते से अलग हो सके। किसी भी शादी को जबरन नहीं चलाया जा सकता। दो व्यक्ति यदि साथ रहने को ही राजी नहीं तो उनकी काउंसलिंग की जाए, उन्हें समझाया जाए। साथ रहने का वक्त दिया जाए। इस पर भी बात नहीं बनती तो उन्हें स्वेच्छा से संबंधविच्छेद की पूरी आजादी हो।

> जो पति अपनी पत्नी को सेकेंड हैंड कह सकता है, उसकी गलीच मानसिकता को समझा जा सकता है। देह शुचिता की परतें इतनी गहरी हैं, जिनसे पढ़े-लिखे, सभ्रांत पुरुष भी मुक्त नहीं हो पाते। बात मुआवजे की कतई नहीं है। असल बात है औरतों को शिकंजे में कसने की आदतों की

जैसा कि इससे कुछ ही दिन पहले बॉम्बे हाई कोर्ट ने ट्रायल कोर्ट के उस आदेश को बरकरार रखा, जिसमें पति को अपनी अलग रहने वाली पत्नी को तीन करोड़ रुपये का मुआवजा व डेढ़ लाख रुपये का मासिक गुजारा भत्ता देने का निर्देश था। अदालत ने कहा कि यह राशि महिला को केवल शारीरिक चोटों से बल्कि मानसिक यातना व भावनात्मक परेशानी के मुआवजे के रूप में दी गयी है। अदालत ने कहा, स्पष्ट कारणों से सभी पर सीधा-साधा फर्मूला नहीं लागू हो सकता। मुआवजे की मात्रा निर्धारित करते समय जिन कारकों पर विचार किया जा सकता है, उनमें से एक प्रभाव है, पीड़ित शख्स पर घरेलू हिंसा के कृत्य। इस मामले में 1994 से 2017 तक लगातार घरेलू हिंसा हुई। महिला ने अदालत को बताया कि हनीमून के दौरान उसके पति ने पिछली टूटी सगाई को लेकर उसे सेकेंड हैंड कहा। अमरीका में उसके साथ निरंतर घरेलू हिंसा हुई। पति ने उसके चरित्र पर संदेह ही नहीं किया बल्कि अन्य पुरुषों के साथ अवैध संबंधों के झूठे आरोप मढे। जब तक वह उन्हें कुबूल नहीं कर लेती, तब तक उसकी पिटाई की गयी। बाइस-तेइस साल लंबे संबंध को तोड़ने का हौंसला और लगातार पिटाई झेलना औरत के लिए भयावह है। उसे यहां से लेकर अमरीका प्रवास तक का यह खौफनाक रिश्ता झेलना पड़ा। परिवार के दबाव में, रिश्ते को चलाते रहने की उम्मीद में या ऐसे दरिंदे के भावनात्मक छलावे में यह संबंध इतना ज्यादा चलता रहा होगा। जो पति अपनी पत्नी को सेकेंड हैंड कह सकता है, उसकी गलीच मानसिकता को समझा जा सकता है। देह शुचिता की परतें इतनी गहरी हैं, जिनसे पढ़े-लिखे, सभ्रांत पुरुष भी मुक्त नहीं हो पाते। बात मुआवजे की कतई नहीं है। असल बात है औरतों को शिकंजे में कसने की आदतों की। इस तरह की शादियों को तोड़ना बेहतर, उनमें घुट-घुट कर जीने के। हमेशा अपने दर्द को परत-परत उघाड़ना ही जरूरी नहीं है। रिश्ता नहीं चल पा रहा तो उसे घसीटना खुद के साथ अन्याय है। ■

गर्भावस्था में एनीमिया

खतरे की घंटी

गर्भावस्था बहुत खास अनुभव होता है, इस दौरान होने वाली मां अपने बच्चे के लिए सब कुछ होती है। ज़रूरी है कि मां पूरी तरह से स्वस्थ रहे। गर्भावस्था में एनीमिया होने का खतरा रहता है। जब शरीर में लाल रक्त कणिकाएं कम हो जाती हैं और शरीर को पर्याप्त ऑक्सीजन नहीं मिल पाता। भारत में आधी से ज़्यादा गर्भवती महिलाएं एनीमिया से ग्रस्त होती हैं इसलिए मां और बच्चे दोनों के लिए ज़रूरी है कि एनीमिया के बारे में जानकारी रखी जाए।

एनीमिया :

एनीमिया तब होता है, जब शरीर में लाल रक्त कणिकाएं कम हो जाती है। ये कणिकाएं ही शरीर को ऑक्सीजन पहुंचाने का काम करती है। ऑक्सीजन शरीर को एनर्जी देता है। गर्भवती होने पर शरीर में खून की मात्रा बढ़ जाती है ताकि बच्चे को भी पोषण मिल सके। इस दौरान आयरन और विटामिन की ज़रूरत भी ज़्यादा हो जाती है। अगर खाना ठीक नहीं है या शरीर खाना ठीक से सोख नहीं पाता तो एनीमिया हो सकता है। इसके अलावा ज़्यादा पीरियड्स आने वाली महिलाओं में भी एनीमिया की समस्या हो सकती है।

प्रकार और जोखिम

एनीमिया के विभिन्न प्रकार होते हैं-

आयरन की कमी से होने वाला एनीमिया सबसे आम है और यह तब होता है, जब शरीर में हीमोग्लोबिन बनाने के लिए पर्याप्त आयरन का भंडार नहीं होता।

फोलेट या विटामिन बी-12 की कमी से होने वाला एनीमिया भी अक्सर देखे जाते है। गर्भवती होने में कम अंतराल, जुड़वां बच्चे, बार-बार होने वाली मॉर्निंग सिकनेस या ज़्यादा मात्रा में होने वाला मासिक स्राव एनीमिया का खतरा बढ़ा देते है।

हालांकि गर्भावस्था में रक्त की मात्रा बढ़ने के कारण हल्का एनीमिया होना आम है लेकिन किसी भी स्तर के एनीमिया का जल्द इलाज ज़रूरी होता है।

जच्चा व बच्चे पर प्रभाव

लाल रक्त कणिकाएं शरीर को ऑक्सीजन पहुंचाने का काम करती है। ये ऑक्सीजन शरीर को सांस लेने से लेकर खाने को पचाने तक, हर काम करने की ताकत देता है। एनीमिया में शरीर में लाल रक्त कणिकाएं कम हो जाती है, जिससे शरीर के सारे अंगों को पर्याप्त ऑक्सीजन नहीं मिल पाता। इससे जल्दी थकान महसूस होना, चक्कर आना, सांस लेने में परेशानी होना या दिल की धड़कन तेज चलना जैसी समस्याएं हो सकती है। एनीमिया के कारण गर्भस्थ शिशु को भी पर्याप्त ऑक्सीजन और पोषण नहीं मिल पाता। जिससे बच्चा समय से पहले पैदा हो सकता है, कम वजन का हो सकता है, जन्म के समय कोई शारीरिक समस्या हो सकती है या बच्चे का विकास धीमा हो सकता है। इसीलिए गर्भावस्था में जल्दी ही एनीमिया की जांच करवाना और उसका इलाज करवाना बहुत ज़रूरी है।

निदान और प्रबंधन

एनीमिया बहुत बढ़ जाने पर ही उसके लक्षण सामने आते है इसलिए टेस्ट करवाना बहुत ज़रूरी है। डॉक्टर खून की जांच करके बताएंगे कि शरीर में लाल रक्त कणिकाएं कितनी है और कोई पोषण की कमी तो नहीं है। आयरन की गोलियां या विटामिन की गोलियां खानी पड़ सकती है, खाने-पीने के बारे में डॉक्टर से सलाह लेनी पड़ सकती है। कभी-कभी नसों के रास्ते से भी आयरन दिया जाता है, बहुत गंभीर मामलों में खून चढ़ाया भी जाता है। ऐसी चीज़ें खानी चाहिए, जिनमें आयरन और विटामिन ज़्यादा हों।

शाकाहारियों के लिए जोखिम

अगर आप और आपकी मां दोनों ही शाकाहारी हैं तो एनीमिया का खतरा ज़्यादा हो सकता है। ऐसा इसलिए क्योंकि सब्ज़ियों और दालों से मिलने वाला आयरन शरीर को उतना जल्दी नहीं मिल पाता। विटामिन सी वाली चीज़ें जैसे संतरा, नींबू और आंवला दाल, पालक, ब्रोकली और मेवों के साथ खाएंगी तो शरीर को आयरन मिलने में आसानी होगी। लोहे की कढ़ाई में खाना पकाना और अंकुरित अनाज खाने से भी फायदा होता है। आयरन की गोली लें।

दीर्घकालिक परिणाम

एनीमिया को ठीक करवाना बहुत ज़रूरी है। अगर प्रेग्नेंट है और एनीमिया है तो ये सिर्फ जच्चा की ही नहीं बच्चे की सेहत के लिए भी खतरनाक है। एनीमिया के कारण बच्चे को जन्म देने के बाद डिप्रेशन हो सकता है, इंफेक्शन हो सकता है या ज़्यादा खून बह सकता है। गर्भस्थ शिशु के लिए भी ये खतरनाक है। बच्चे को इंफेक्शन हो सकता है, बच्चा कम वजन का हो सकता है और दिमाग का विकास भी रुक सकता है।

सामाजिक मान्यताओं को बदलना

गर्भावस्था के दौरान 'कम खाना' जैसी सामाजिक मान्यताएं कुपोषण और एनीमिया को बढ़ावा देती है। अकसर गर्भवती को पर्याप्त प्रोटीन, आयरन और कैलोरी लेने से रोका जाता है, जो उनके स्वास्थ्य के लिए ज़रूरी है। इसी तरह मांस खाने से बच्चा बड़ा हो जाएगा और प्रसव में मुश्किल होगी, माँ को मांस खाने से रोका जाता है, जबकि असल में इससे एनीमिया का खतरा बढ़ जाता है। गर्भवती के लिए उत्तम पोषण के बारे में शिक्षित करके पुरानी परंपराओं को चुनौती दें।

जागरूकता

स्वास्थ्य की ज़िम्मेदारी लेने के लिए ज्ञान ही शक्ति है। गर्भावस्था में एनीमिया के बारे में पढ़ें, जांच करवाने के लिए डॉक्टर से बात करें और दवाइयां लेना न छोड़ें। गर्भवती होने पर थोड़ी टेंशन रहती है लेकिन जानकारी होना बहुत ज़रूरी है।

■ पर्था प्रतिम दास महापात्रा

■ अनिता घोष

ग्रीन शर्बत

सामग्री- कच्चा आम 2, चीनी 100 ग्राम, एक बड़ा चम्मच पुदीने के पत्ते, एक चम्मच भुना जीरा, नींबू स्लाइस में कटा, काला नमक स्वादानुसार, बर्फ के टुकड़े

विधि-आम को छील कर, काट कर कढ़ाही में पानी डाल कर उबलने के लिए छोड़ दें। जब आम उबल जाए तो गैस बंद कर दें। इसको ठंडा होने दें। ठंडा हो जाने के बाद सभी आम को प्लेट में निकाल कर मैश कर लें। फिर मिक्सी में घुमा लें। अब मिश्रण को पैन में रखें, उसमें चीनी मिलाएं और धीमी आंच पर पकने दें। चीनी घुलने के बाद गैस से उतार लें। उसमें जीरा पाउडर, काला नमक और चुटकी भर सादा नमक डालें। इसको ठंडा होने के लिए छोड़ दें।

शर्बत बनाने लिए- कांच का गिलास में एक चम्मच आम का मिश्रण भर लें और तीन चौथाई पानी डालें। बचे हुए मिश्रण को अच्छी तरह मिलाएं, ऊपर से कुटी बर्फ डालें। इसे पुदीना पत्ता और स्लाइस नींबू से सजाएं और ठंडा ठंडा परोसें ग्रीन शर्बत।

भरवा परवल

सामग्री-8-10 परवल, 2 आलू उबला मैश किया, 2 प्याज बारीक कटे, 2 बड़े चम्मच पनीर मैश किया, 2 चम्मच बेसन, आधा चम्मच लाल मिर्च पाउडर, एक चम्मच चाट मसाला, स्वादानुसार नमक, तलने के लिए तेल

विधि-परवल को बीच से काटकर बीज निकाल दें। पैन में थोड़ा तेल गरम करें। इसमें प्याज को सुनहरा होने तक भूनें। चाट मसाला, नमक, लाल मिर्च पाउडर डालकर थोड़ा देर तक चलाएं, इसमें मैश किया आलू, पनीर और बेसन मिक्स करें। थोड़ी देर तक भूनें। गैस बंद कर दें। तैयार किया हुआ मिश्रण परवल में भर दें। दोबारा पैन में तेल डालें। तेल गरम हो जाने के बाद उसमें परवल रख कर ढंक दे। थोड़ी देर में ढक्कन हटाकर उसको पलट दें। जब परवल मुलायम हो जाएं तो आंच बंद कर दें। रोटी या परांठे के साथ खाएं।

कॉफी कुल्फी

सामग्री - 500 ग्राम मिल्क मेड, दो चम्मच कॉफी पाउडर, दो चम्मच कटे बादाम /पिस्ता

विधि- कॉफी कुल्फी बनाने के लिए धीमी आंच पर पैन को रखें। इसमें बादाम और पिस्ता को रोस्ट कर लें ताकि यह क्रंची हो जाएं। बादाम/पिस्ता के टुकड़ों को प्लेट में निकाल लें। बड़े बाउल में मिल्क मेड, पिस्ता-बादाम और कॉफी मिलाएं। इसको अलग-अलग कुल्फी शेपर में रख कर 8-10 घंटा डीप फ्रिजर में रख दें। तय समय के बाद मोल्ड से निकालें। गर्मी में कॉफी कुल्फी का लुत्फ उठाएं। ■

टैरो

ऋचा श्रीवास्तव

(24 अप्रैल - 30 अप्रैल)

मेष (21मार्च -20अप्रैल)- यह समय शुभ साबित होगा। नए अवसर मिलेंगे। विवाह के लिए समय अनुकूल है। विवाह की बात चल सकती है। पारिवारिक सुख बना रहेगा। कार्यक्षेत्र में उन्नति प्राप्त होगी। विदेश से संबंधित कार्य सफल होंगे। रुके काम बनेंगे। विद्यार्थी वर्ग के लिए अच्छा रहेगा। यदि वित्त आगे नहीं बढ़ रहा हो तो जल्दी ही कुछ बेहतर होने की उम्मीद है।

वृषभ (21अप्रैल-21मई)- विश्वास लाभ पहुंचा सकता है। पेशेवर और वित्तीय मोर्चे पर नेगेटिव हो सकता है। जो हासिल करने की कोशिश कर रहे है, वह संभव हो सकता है लेकिन बहुत परिश्रम के बाद। व्यवसायियों के लिए समय अनुकूल नही है, जल्दबाज़ी में निर्णय ना लें। संतुलित आहार से एकाग्र और ऊर्जावान बने रह सकते है।

मिथुन (22मई -21जून)- नौकरी या व्यवसाय में उतार चढ़ाव आ सकता है। संतुलन ना खोएं। आशा की उम्मीद रखें, कार्य संपन्न होगा। उच्चाधिकारियों के साथ सही तालमेल बिठायें। उनसे सही समय पर विचार व्यक्त करें। नए विचारों पर काम करें। भावुक होकर व्यर्थ की खरीदारी से बचने की जरूरत है। मन को स्थिर रखें। सुबह सैर करें।

कर्क - (22जून -22जुलाई)- घर में जोश का माहौल और संतुष्ट महसूस करने की संभावना है। अविवाहितों को सपनों का व्यक्ति बहुत जल्द मिल सकता है। यात्रा का योग बन रहा है। विलम्ब पेशेवर लक्ष्यों से दूर ले जा सकता है। परिणाम सुधारने के लिए काम को सुव्यवस्थित करें। जल्दबाजी में कोई भी निवेश करने से बचें। अस्वास्थ्यकर भोजन और देर रात को खाने से बचें।

सिंह (23जुलाई -21अगस्त)- यदि काबिलियत दिखाने केमौके का इंतज़ार कर रहे है तो समय अनुकूल है। छिपी प्रतिभा दिखाने का मौका मिल सकता है। सामाजिक रूप से उन दोस्तों से मिल सकते है, जिन्हें भावनात्मक समर्थन की आवश्यकता होगी। उन्हें सलाह देने से बचें और उनके लिए बने रहें। जो लोग बहार उद्यम करना चाहते है, उन्हें यात्रा के रोमांचक अवसर मिल सकते है।

कन्या (22अगस्त-23सितम्बर)- पेशेवर जीवन धीमा रहेगा। कार्यस्थल पर प्रेरणा और सराहना की कमी होगी। करियर में असंतोष मन को अशांत करेगा। मौजूदा कार्यो पर ध्यान दें। बदलाव के लिए समय अनुकूल नहीं है। किसी भी निवेश करने से बचें। जीवन साथी से तकरार हो सकती है। माफ करना ही मजबूत बंधन बनाने की कुंजी है।

तुला (24सितम्बर-23अक्टूबर)- सामाजिक और पेशेवर दायरे में सुर्खियों में रह सकते है। किसी भी बदलाव का पेशेवर जीवन पर स्थायी और सकारात्मक प्रभाव पड़ सकता है। व्यवसाय विस्तार की योजना बना सकते है और उससे पूर्ण करने का प्रयास कर सकते है। परिवार के साथ समय निकालें और मनोरंजक गतिविधियों में शामिल हों। स्वास्थ्य के प्रति लापरवाही न बरतें।

वृश्चिक (24अक्टूबर - 22नवम्बर)- नए मौके और नए प्रस्ताव लेकर आएगा। जिस चीज के बारे में बहुत दिनों से सोच रहे थे ,उसके लिए प्रयासों को सही दिशा देने में भी सफलता मिलेगी। आगे बढ़ने के प्रयास सफल रहेंगे। नया करना बेहतरीन रहेगा। खुद का काम करना चाहते है तो बिल्कुल आगे बढ़ें। सफलता कदम चूमेगी। कार्य को लेकर विदेश यात्रा के भी योग है।

धनु (23नवम्बर-22दिसम्बर)- संघर्ष और चुनौतियां आ सकती है। साथियों के साथ टकराव का सामना करेंगे, जो मन कि शांति को भंग करेगा। ऑफिस की राजनीति के कारण भी चिंतित महसूस कर सकते है। बाधाओं के बावजूद सकारात्मक रवैया रखने कि सलाह दी जाती है क्योंकि इससे प्रतिकूल परिस्थितियों से निपटने में मदद मिलेगी। धार्मिक कार्यो में रुचि बढ़ेगी।

मकर (23दिसम्बर-20जनवरी)- व्यक्तिगत जीवन में प्रगति दिखाने के साथ-साथ आध्यात्मिक स्वरूप से भी प्रगति दिखायेगा। भौतिक सुखों को प्राप्त करने की सभी इच्छाएं पूरी होंगी। काम में प्रगति देखने के साथ साथ संयम की हर कदम पर परीक्षा होगी। किसी भी छोटी बात से जल्दी हार ना मानें। महिलाओं पर परिवार संबंधित जिम्मेदारियों का बोझ बढ़ सकता है। आर्थिक निवेश के लिए समय उपयुक्त है।

कुम्भ (21जनवरी-19फरवरी)- प्रियजनों के साथ भावनाओं को साझा करें। यदि परिवार के सदस्यों के बीच ग़लतफ़हमी हो रही है तो उसे दूर करने का प्रयास करें। कार्यो और विचारों को सकारात्मक रखें और करियर को लेकर असमंजस्य में ना रहें। कोर्ट /कचहरी से जुड़े मामलों में सफलता मिलने का योग है। घर अथवा वाहन खरीदने का योग बन रहा है। कोई भी निर्णय लेने से पहले गहन विचार अवश्य करें।

मीन (29 फरवरी-20मार्च)- घर या बहार कहीं भी लापरवाही नही बरतनी चाहिए अन्यथा बना बनाया काम बिगड़ सकता है। समय पर काम पूरा करने का तनाव बना रहेगा। ऐसे में काम के साथ साथ सेहत का भी ख्याल रखना होगा। किसी नयी योजना में धन निवेश करते समय सलाह अवश्य लें। खर्च पर नियंत्रण रखें अन्यथा आर्थिक दिक्कतों का सामना करना पड़ सकता है। ■

संक्षिप्त खबरें

ओपन एक्सेस नालेज मंच शुरू

मुंबई। भारत की अग्रणी लेबर लॉ कंप्लायंस (श्रम कानून अनुपालन) कंपनी कोर इंटेग्रा ने कन्ट्रोल एफ पर अपने ओपन-एक्सेस नालेज प्लेटफार्म के लांच की घोषणा की है। कोर इंटेग्रा फैक्ट्री, स्टैब्लिशमेंट, माइनिंग, ईएचएस, कान्ट्रैक्टर, ह्यूमन रिसोर्स और ईएसजी जैसे क्षेत्रों में विशेषज्ञता रखती है। इस मौके पर कोर इंटेग्रा के प्रबंध निदेशक महेश कृष्णमूर्ति ने कहा कि भारत में श्रम कानूनों का अनुपालन करना बहुत मुश्किल और चुनौतीपूर्ण है। इनमें समय-समय पर बदलाव होते रहे हैं।

गीतांजलि का नया सैलून

नई दिल्ली। गीतांजलि सैलून ने अपना पहला फ्लैगशिप आउटलेट का सिविल लाइन्स मेरठ में शुभारंभ किया। इस अवसर पर सेलिब्रिटी हेयर स्टाइलिस्ट और गीतांजलि सैलून के प्रबन्ध निदेशक सुमित इसरानी भी उपस्थित रहे। इस अवसर पर सुमित इसरानी ने सैलून के लांच के बारे में अपना उत्साह साझा करते हुए कहा, 'मेरठ में हमारा सैलून केवल सुन्दरता के लिए ही एक स्थान नहीं अपितु यह आत्मविश्वास बढ़ाने और कम्यूनिटी की भावना पैदा करने का एक परफेक्ट स्थान है। उन्होंने बताया कि इस सैलून को काफी बेहतरीन तरीके से डिजाइन किया गया जिससे यहां आने वालों को बेहतरीन अहसास हो।

अमेजन का स्प्रिंग समर संग्रह

नई दिल्ली। मौसम में बदलाव के साथ अमेजन फैशन स्प्रिंग समर24 कलेक्शन के साथ वापस आ गया है। अमेजन के इस खास स्टोर में 200 से अधिक टॉप फैशन और ब्यूटी ब्रांडों के 1000 से अधिक स्टाइल उपलब्ध कराए गए हैं। यहां फन फ्लोरल, ग्राफिक एडिट, स्टाइलाइज्ड बॉटम्स और समर मिडिस से लेकर वर्कआउट एसेंशियल, स्ट्रैपी स्टाइल और ओवरसाइज्ड एडिट जैसी स्टाइल्स शामिल हैं। इस साल गर्मियों के मौसम में आप समर ऑफ लव, इंडी समर, हेरिटेज गेटअवे बीच ड्रीम, एक्सप्लोरर क्लब और लास्ट रिज़ॉर्ट जैसे कलेक्शन के साथ अपनी तरह की खास स्टाइल का अनुभव किया जा सकता है।

जुनिपर-टाटा पावर में करार

नई दिल्ली। जुनिपर ग्रीन एनर्जी ने मंगलवार को कहा कि उसने महाराष्ट्र में 85 मेगावाट हाइब्रिड बिजली परियोजना के विकास के लिए टाटा पावर के साथ एक समझौता किया है। जुनिपर ग्रीन एनर्जी ने एक बयान में कहा, 'यह कंपनी के लिए पहली पवन-सौर ऊर्जा परियोजना है। यह 51 मेगावाट पवन ऊर्जा और 34 मेगावाट सौर ऊर्जा को मिलाकर पवन और सौर दोनों, संसाधनों का उपयोग करेगी।' कंपनी ने कहा कि टाटा पावर के साथ बिजली खरीद समझौता (पीपीए) महाराष्ट्र में 85 मेगावाट हाइब्रिड बिजली परियोजना के लिए है।

बजाज ऑटो में नई नियुक्ति

नई दिल्ली। बजाज आटो ने मंगलवार को अब्राहम जोसेफ को अपनी इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी) शाखा 'चेतक टेक्नोलॉजी' का प्रबंध निदेशक नियुक्त किया। कंपनी ने रामतिलक अनंतन को बजाज आटो लिमिटेड (बीएएल) का मुख्य प्रौद्योगिकी अधिकारी नियुक्त किया है। तकनीकी नवाचार में तेजी लाने और मौजूदा तथा उभरते वाहन खंड में अपनी स्थिति को और मजबूत करने की रणनीति के तहत बजाज आटो ने ये बदलाव किये हैं। कंपनी ने एक बयान में कहा कि जोसेफ के पास वाहन उद्योग में 35 वर्षों से अधिक का अनुभव है और वह बजाज आटो में लंबे समय से कार्यरत हैं।(एजेंसी)

कर्ज न चुकानों वालों को बैंक नहीं दे सकते लुकआउट सर्कुलर

■ कोर्ट ने कहा, सरकारी बैंकों के पास नहीं है इसका कोई अधिकार

फैसले के बाद पहले जारी सभी सर्कुलर स्वतः हो जाएंगे रद्द

सरकार ने कोर्ट से अपना आदेश वापस लेने की अपील की

मुंबई (भाषा)। बंबई उच्च न्यायालय ने मंगलवार को आदेश दिया कि सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों के पास कर्ज नहीं चुकाने वालों के खिलाफ लुकआउट सर्कुलर (एलओसी) जारी करने का कानूनी अधिकार नहीं है। अदालत के फैसले के बाद ऐसे बैंकों द्वारा चूककर्ताओं के खिलाफ जारी किए गए सभी एलओसी रद्द हो जाएंगे।

■ कोर्ट ने सरकारी बैंकों को सर्कुलर जारी करने का अधिकार देने वाली धारा को गैर कानूनी बताया

न्यायमूर्ति गौतम पटेल और न्यायमूर्ति माधव जामदार की खंडपीठ ने केंद्र सरकार के कार्यालय ज्ञापन के उस धारा को भी असंवैधानिक करार दिया, जिसमें सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों के चेयरपर्सन को कर्ज न चुकाने वालों के खिलाफ एलओसी जारी करने का अधिकार दिया गया था। केंद्र सरकार की ओर से पेश वकील आदित्य ठक्कर ने अदालत से अपने आदेश पर रोक लगाने की मांग की, लेकिन पीठ ने इनकार कर दिया। अदालत ने उक्त धारा की वैधता को चुनौती देने वाली कई याचिकाओं पर अपना फैसला सुनाया। पीठ ने कहा कि आव्रजन ब्यूरो ऐसे एलओसी पर कार्रवाई नहीं करेगा। अदालत ने यह भी कहा कि उसका फैसला किसी भी चूककर्ता के खिलाफ न्यायाधिकरण या आपराधिक अदालत के आदेशों को प्रभावित नहीं करेगा, जिसमें उन्हें विदेश यात्रा करने से रोका गया हो। केंद्र ने 2018 में कार्यालय ज्ञापन में संशोधन कर सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों को भारत के आर्थिक हित में एलओसी जारी करने का अधिकार दिया था। इसके तहत अगर किसी व्यक्ति का विदेश जाना देश के आर्थिक हित के लिए हानिकारक हो सकता है, तो उसे ऐसा करने से रोका जा सकता है। याचिकाकर्ताओं ने तर्क दिया कि 'भारत के आर्थिक हित' वाक्यांश की तुलना किसी भी बैंक के वित्तीय हितों से नहीं की जा सकती है।

गिरीश तांती वैश्विक पवन ऊर्जा परिषद के वाइस चेयरमैन चुने गए

नई दिल्ली (भाषा)।

भारत के सुजलॉन ग्रुप के वाइस चेयरमैन गिरीश तांती को वैश्विक पवन ऊर्जा परिषद के निदेशक मंडल में वाइस चेयरमैन चुना गया है। उद्योग मंडल ने कहा कि अबू धाबी में हुई निदेशक मंडल की बैठक में तांती को वैश्विक पवन ऊर्जा परिषद का वाइस चेयरमैन चुना गया है।

तांती ने कहा कि यह दुनिया के लिए बेहद महत्वपूर्ण समय है क्योंकि हमारा सामूहिक भविष्य शुद्ध रूप से शून्य कार्बन उत्सर्जन वाली दुनिया में तेजी से कदम आगे बढाने पर निर्भर करता है।

बोलेरो नियो व होंडा अमेज को मिली खराब सुरक्षा रेटिंग

नई दिल्ली (भाषा)।

किसी दुर्घटना की स्थिति में वाहनों की सुरक्षा को परखने वाले मंच ग्लोबल एनसीएपी ने महिंद्रा के बोलेरो नियो माडल को सिर्फ एक स्टार दिया है जबकि होंडा की कार अमेज को दो स्टार रेटिंग मिली है। ब्रिटेन स्थित ग्लोबल एनसीएपी ने इन दोनों माडलों को नवीनतम सुरक्षा मानकों के अनुरूप परखने के बाद रेटिंग दी है। इनके साथ किआ के कारेंस माडल ने सुरक्षा रेटिंग में प्रभावी प्रदर्शन किया है। महिंद्रा एंड महिंद्रा के बोलेरो नियो माडल को वयस्क और बच्चों की सुरक्षा के मामले में एक स्टार रेटिंग मिली है।

होंडा अमेज कार को परीक्षणों के दौरान वयस्क श्रेणी में दो स्टार मिले हैं लेकिन बच्चों की श्रेणी में इसे शून्य स्टार दिया गया है। किआ कारेंस ने वयस्क श्रेणी में तीन स्टार रेटिंग पाने में सफलता पाई है जबकि बच्चों की सुरक्षा के लिहाज से इसने पूरे पांच स्टार हासिल किए हैं। एनसीएपी की तरफ से किसी वाहन को सर्वाधिक पांच स्टार दिए जाते हैं। सबसे असुरक्षित पाए जाने वाले वाहनों को शून्य स्टार मिलता है।

100 से अधिक स्टेशनों पर मिलेगा सस्ता खाना

नई दिल्ली।

रेलवे की नई पहल के तहत अनारक्षित डिब्बों में यात्रा करने वाले यात्रियों को अब किफायती दामों पर भोजन और नाश्ता मिलेगा। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। भारतीय रेलवे के करीब 100 स्टेशनों और लगभग 150 काउंटरों पर ये भोजन काउंटर संचालित किए जा रहा है और इस सुविधा का विस्तार दिया जाएगा।

रेलवे अधिकारी ने कहा, भारतीय रेलवे, भारतीय रेलवे खानपान एवं पर्यटन निगम (आईआरसीटीसी) के साथ मिलकर यात्रियों, विशेषकर अनारक्षित डिब्बों में मुसाफिरों की सेवा के लिए एक नई पहल कर रही है, जिसमें सस्ती कीमतों पर स्वच्छ भोजन व नाश्ते की पेशकश की जा रही है। उन्होंने कहा, हम गर्मी के महीनों के दौरान यात्रियों की आवाजाही में वृद्धि की आशा करते है और अनारक्षित डिब्बों (सामान्य श्रेणी बोगी) में यात्रा करने वाले लोगों के सामने आने वाली चुनौतियों को समझते है, जिनके पास हमेशा सुविधाजनक व बजट के अनुकूल भोजन के विकल्प नहीं होते। रेलवे के अनुसार भोजन तक आसान पहुंच सुनिश्चित करने के लिए, इन काउंटरों को प्लेटफार्मों पर सामान्य द्वितीय श्रेणी (जीएस) बोगियों के पास सुविधाजनक रूप से स्थापित किया गया है। उन्होंने कहा कि पिछले साल लगभग 51 स्टेशनों पर इस सेवा का सफलतापूर्वक परीक्षण किया गया था।

अधिकारी ने कहा, आगे बढ़ते हुए रेलवे ने कार्यक्रम का विस्तार किया है, अब 100 से अधिक स्टेशनों पर काउंटर चालू हो गए है और कुल मिलाकर लगभग 150 काउंटर है। निकट भविष्य में और अधिक स्टेशनों को शामिल करते हुए इस पहल को और आगे बढ़ाने की योजना है।

स्वच्छ ऊर्जा अपनाने में कर्नाटक, गुजरात आगे

नई दिल्ली (भाषा)।

देश में स्वच्छ ऊर्जा को अपनाने में कर्नाटक और गुजरात सबसे आगे हैं, जबकि झारखंड, बिहार, पश्चिम बंगाल और उत्तर प्रदेश जैसे राज्यों को प्रयास बढ़ाने की जरूरत है। शोध संगठन इंस्टीट्यूट फार एनर्जी इकोनॉमिक्स एंड फाइनेंशियल एनालिसिस (आईईईएफए) और स्वच्छ ऊर्जा थिंक टैंक एम्बर की संयुक्त रिपोर्ट में मंगलवार को यह बात कही गई।

■ इस दिशा में यूपी को अब ज्यादा प्रयास करने की जरूरत

रिपोर्ट के लेखकों ने कहा कि कर्नाटक और गुजरात ने सभी आयामों में अपना मजबूत प्रदर्शन जारी रखा है। इन राज्यों ने अपने बिजली क्षेत्रों में नवीकरणीय ऊर्जा स्रोतों को प्रभावी ढंग से जोड़ा है, जिससे कार्बन उत्सर्जन कम करने में मजबूत प्रगति हुई है। दूसरी ओर झारखंड, बिहार, पश्चिम बंगाल और उत्तर प्रदेश जैसे राज्यों को सुधार की जरूरत है। यह रिपोर्ट ऐसे वक्त में जारी हुई है जब भारत के कुछ हिस्सों में भीषण गर्मी की लहर चल रही है। इसके कारण बिजली मंत्रालय 260 गीगावाट की अनुमानित अधिकतम बिजली मांग की तैयारी कर रहा है।

भीषण गर्मी के मौसम में सौर ऊर्जा जैसी अधिक स्वच्छ ऊर्जा के लिए अनुकूल स्थितियां पैदा होती हैं। आईईईएफए के निदेशक (दक्षिण एशिया) और रिपोर्ट में योगदान करने वाले लेखक विभूति गर्ग ने कहा कि चक्रीय मौसमी परिस्थितियों के साथ ही तेज आर्थिक गतिविधियों के कारण भारत में हर साल अधिकतम बिजली की मांग बढ़ रही है। केंद्र सरकार ग्रिड में अधिक नवीकरणीय ऊर्जा को जोड़ने के लिए कदम उठा रही है, हालांकि राज्यों को भी ऐसा करने के लिए तैयार रहने की आवश्यकता है।

ट्रूकॉलर व गुरुग्राम पुलिस मिलकर करेंग काम

नई दिल्ली (वि.)। डिजिटल संचार में सुरक्षा को बेहतर बनाने, साइबर अपराध से निपटने और साइबर सुरक्षा के प्रति जागरूकता बढ़ाने के लिए, गुरुग्राम पुलिस ने कॉलर आईडी और स्पैम ब्लॉकिंग के विश्वस्तरीय ऐप, ट्रूकॉलर के साथ मिलकर काम करने का फैसला किया है। पुलिस आयुक्त विकास कुमार अरोड़ा की उपस्थिति में समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए।

डिजिटल क्षेत्र में बढ़ती हुई धोखाधड़ी और घोटालों के खिलाफ सक्रियतापूर्ण उपायों के द्वारा, यह साझेदारी नागरिकों के लिए सुरक्षित साइबरस्पेस स्थापित करने की दिशा में एक कदम है। इस साझेदारी में साइबर धोखाधड़ी को रोकथाम करने और ऑनलाइन क्षतियों की जानकारी प्रदान करने के बारे में नागरिकों को शिक्षित करने के लिए गुरुग्राम पुलिस के साथ साझेदारी में ट्रूकॉलर के नेतृत्व में आयोजित किए जाने वाले साइबरवाइज़ प्रशिक्षण सत्र शामिल है। इसके अतिरिक्त, ट्रूकॉलर ने प्रतिरूपण के माध्यम से की जाने वाली धोखाधड़ी से निपटने के लिए सत्यापित पुलिस संपर्क नंबरों को शामिल करके, गुरु ग्राम में अपनी सरकारी डायरेक्टरी सेवाओं का विस्तार किया है।

बीजिंग, वाशिंगटन के बीच तनाव ने चीन में अमेरिकी कंपनियों की चिंताएं बढ़ीं

बीजिंग (एपी)।

बीजिंग और वाशिंगटन के बीच बढ़ता तनाव, चीन में काम करने वाली अमेरिकी कंपनियों के लिए सबसे बड़ी चिंता बनी हुई है। अमेरिकन चैंबर आफ कामर्स इन चाइना ने मंगलवार को एक रिपोर्ट में यह बात कही। अमेरिकी कंपनियों ने सर्वेक्षण में कहा कि असंगत और अस्पष्ट नीतियां और प्रवर्तन, बढ़ती श्रम लागत और डेटा सुरक्षा जैसे अन्य मुद्दे भी उनकी चिंताओं में शामिल हैं।

रिपोर्ट के मुताबिक चीनी नेताओं के इस आग्रह के बावजूद कि बीजिंग विदेशी व्यवसायों का स्वागत करता है, कई क्षेत्रों में अभी भी मुक्त प्रतिस्पर्धा से जुड़ी बाधाएं हैं। रिपोर्ट में कहा गया है, 'चीनी सरकार ने कहा है कि वह प्रत्यक्ष विदेशी निवेश को प्रोत्साहित करती है, लेकिन हमारे कई सदस्य निवेश और संचालन में बाधाओं का सामना कर रहे हैं। इनमें उनके खिलाफ भेदभाव करने वाली नीतियां और विदेशियों के प्रति संदेह पैदा करने वाले जनसंपर्क अभियान शामिल हैं।'

रिपोर्ट में 2023 में दोनों देशों के बीच संबंधों में सुधार का स्वागत किया गया, लेकिन कहा गया कि नवंबर में अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव के मद्देनजर भविष्य में कारोबारी माहौल प्रभावित हो सकता है।

वीआई के एफपीओ का प्रति शेयर मूल्य 11 रुपये तय

नई दिल्ली (भाषा)।

दूरसंचार परिचालक वोडाफोन आइडिया (वीआईएल) के बोर्ड ने अपने 18,000 करोड़ रुपये के एफपीओ के तहत पेशकश मूल्य 11 रुपये प्रति इक्विटी शेयर तय किया है।

कंपनी ने बताया कि उसके बोर्ड ने एंकर निवेशकों के लिए 11 रुपये प्रति इक्विटी शेयर के पेशकश मूल्य को भी मंजूरी दी है। वीआईएल ने बताया, 'निम्नलिखित प्रस्ताव भी पारित किए गए। 11 रुपये प्रति इक्विटी शेयर के पेशकश मूल्य को मंजूरी देना। 11 रुपये प्रति इक्विटी शेयर के एंकर निवेशक पेशकश मूल्य को मंजूरी देना।' कर्ज में डूबी वोडाफोन आइडिया लिमिटेड ने भारत के अब तक के सबसे बड़े एफपीओ के जरिए 18,000 करोड़ रुपये जुटाए हैं।

एमडीएच व एवरेस्ट मसालों पर रोक के मामले में भारत ने सिंगापुर से मांगी जानकारी

नई दिल्ली (भाषा)।

दुनिया में मसालों के सबसे बड़े उत्पादक, उपभोक्ता और निर्यातक भारत ने सिंगापुर और हांगकांग के खाद्य सुरक्षा नियामकों से दो भारतीय कंपनियों के मसाला उत्पादों पर प्रतिबंध लगाने से संबंधित ब्योरा मांगा है।

■ निर्धारित मात्रा से ज्यादा कीटनाशक होने के आरोप में हांगकांग ने भी इन मसालों पर लगा दिया है प्रतिबंध

■ सरकार ने इन कंपनियों से भी मांगा है पूरा विवरण

सिंगापुर और हांगकांग ने हाल ही में गुणवत्ता संबंधी चिंताओं के कारण एमडीएच और एवरेस्ट कंपनियों के कुछ मसाला उत्पादों पर प्रतिबंध लगा दिया है। वाणिज्य मंत्रालय ने इन दोनों देशों में मौजूद भारतीय दूतावासों को इस मामले पर एक विस्तृत रिपोर्ट भेजने का भी निर्देश दिया है। मंत्रालय ने प्रतिबंध के लपेटे में आने वाली दोनों कंपनियों एमडीएच और एवरेस्ट से भी विवरण मांगा है। उनके उत्पादों में कथित तौर पर मान्य सीमा से अधिक कीटनाशक 'एथिलीन ऑक्साइड' होने के कारण प्रतिबंध लगाया गया है।

वाणिज्य मंत्रालय के एक अधिकारी ने कहा, 'कंपनियों से विवरण मांगा गया है। भारतीय मसाला उत्पादों को नकारे जाने के मूल कारण का निदान किया जाएगा और संबंधित निर्यातकों के साथ मिलकर उसका समाधान किया जाएगा।' अधिकारी ने कहा कि सिंगापुर और हांगकांग स्थित दूतावासों से इस संबंध में तकनीकी विवरण, विश्लेषणात्मक रिपोर्ट और निर्यातकों के बारे में ब्योरा मांगा गया है। इसके अलावा सिंगापुर के खाद्य सुरक्षा निकाय और हांगकांग के खाद्य एवं पर्यावरण स्वच्छता विभाग से भी विवरण मांगा गया है।

निर्यातित मसाला उत्पादों में एथिलीन ऑक्साइड के अनिवार्य परीक्षण के मुद्दे पर चर्चा के लिए एक उद्योग परामर्श का कार्यक्रम भी निर्धारित किया गया है। इस बीच, भारतीय मसाला बोर्ड एमडीएच और एवरेस्ट के चार मसाला-मिश्रण उत्पादों की बिक्री पर लगाए गए प्रतिबंध पर विचार कर रहा है। हांगकांग के खाद्य सुरक्षा नियामक ने उपभोक्ताओं से इन उत्पादों को न खरीदने और व्यापारियों से बिक्री न करने को कहा है जबकि सिंगापुर खाद्य एजेंसी ने उत्पादों को वापस लेने का निर्देश दिया है।

प्रतिकूल मौसम से महंगाई बढ़ने का जोखिम ज्यादा हुआ

■ आरबीआई की रिपोर्ट में जताई गई है आशंका ■ कच्चे तेल के दाम में बनी रह सकती है अस्थिरता

मुंबई (भाषा)।

प्रतिकूल मौसम के कारण महंगाई बढ़ने का खतरा हो सकता है। साथ ही वैश्विक स्तर पर लंबे समय से जारी तनावपूर्ण स्थिति से कच्चे तेल की कीमतों में अस्थिरता बनी रह सकती है। भारतीय रिजर्व बैंक के अप्रैल के बुलेटिन में यह कहा गया है।

उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआई) पर आधारित खुदरा मुद्रास्फीति मार्च में घटकर 4.9 प्रतिशत हो गई। इससे पहले पिछले दो महीनों में यह औसतन 5.1 प्रतिशत रही थी। रिजर्व बैंक अपनी द्विमासिक मौद्रिक नीति पर पहुंचते समय मुख्य रूप से खुदरा महंगाई को ध्यान में रखता है। केंद्रीय बैंक ने मुद्रास्फीति के मोर्चे पर चिंताओं का हवाला देते हुए फरवरी, 2023 से प्रमुख नीतिगत दर रेपो को 6.5 प्रतिशत पर अपरिवर्तित रखा है।

बुलेटिन में प्रकाशित लेख 'अर्थव्यवस्था की स्थिति' में कहा गया कि 2024 की पहली तिमाही में वैश्विक वृद्धि की गति बरकरार रही है और विश्व व्यापार का परिदृश्य सकारात्मक हो रहा है। बड़ी अर्थव्यवस्थाओं में बांड प्रतिफल और कर्ज की ब्याज दर बढ़ रही है। ब्याज दर में कमी को लेकर जो संभावनाएं थी, वह कमजोर पड़ी हैं।

■ रिजर्व बैंक के मासिक बुलेटिन के अनुसार वैश्विक व्यापार का परिदृश्य तेजी से हो रहा है सकारात्मक

■ बड़ी अर्थव्यवस्थाओं में बांड प्रतिफल और कर्ज की ब्याज दरों में हो रहा इजाफा

■ ब्याज दरों में नरमी आने की संभावनाएं कमजोर पड़ीं

■ देश में जीडीपी वृद्धि दर में तेजी के लिए अब हालात हो रहे हैं अनुकूल

लेख में कहा गया, 'मजबूत निवेश मांग और उत्साहित व्यापार और उपभोक्ता धारणाओं के साथ भारत में वास्तविक जीडीपी (सकल घरेलू उत्पाद) की वृद्धि दर में तेजी के लिए परिस्थितियां अनुकूल हो रही हैं।'

हालांकि, आरबीआई ने कहा कि बुलेटिन में व्यक्त विचार लेखकों के हैं और भारतीय रिजर्व बैंक के विचारों का प्रतिनिधित्व नहीं करते हैं।

सोना 1450 रुपये टूटा

नई दिल्ली (भाषा)। कमजोर वैश्विक रुख और व्यापारियों की मुनाफावसूली से सोने में लगातार दूसरे दिन भी गिरावट देखी गई। राष्ट्रीय राजधानी के सर्राफा बाजार में मंगलवार को सोना 1,450 रुपये प्रति 10 ग्राम की गिरावट के साथ 72,200 रुपये प्रति 10 ग्राम पर पहुंच गया। चांदी की कीमत में भी 2,300 रुपये प्रति किलो की गिरावट आई। एचडीएफसी सिक्योरिटीज ने कहा कि दिल्ली में सोना 1,450 रुपये की गिरावट के साथ 72,200 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ। पिछले कारोबारी सत्र में सोना 73,650 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ था। इसी तरह, चांदी की कीमत भी 2,300 रुपये लुढ़ककर 83,500 रुपये प्रति किलोग्राम रही। इसका पिछला बंद भाव 85,800 रुपये प्रति किलोग्राम था।

एचडीएफसी सिक्योरिटीज में वरिष्ठ विश्लेषक (जिंस) सौमिल गांधी ने कहा, 'दिल्ली के बाजार में सोने की हाजिर कीमत (24 कैरेट) 72,200 रुपये प्रति 10 ग्राम रही। यह पिछले बंद भाव से 1,450 रुपये कम है।' अंतरराष्ट्रीय बाजार कॉमेक्स (जिंस बाजार) में हाजिर सोना 2,310 डालर प्रति औंस पर रहा जो पिछले बंद भाव से 55 डालर नीचे है। पश्चिम एशिया में तनाव कम होने और अमेरिकी फेडरल रिजर्व के नीतिगत दर लंबे समय तक ऊंची बनाए रखने के संकेतों के बीच मांग में कमी आने से मंगलवार को सोने की कीमतों में और गिरावट आई। गांधी ने कहा कि कारोबारियों ने भी अपने निवेश को सुरक्षित माने जानी वाली संपत्ति से जोखिम वाली संपत्तियों में स्थानांतरित कर दिया है। इससे हाल की तेजी के बाद कीमती धातुओं में मुनाफावसूली हुई है।

एनएसई में निफ्टी नेक्स्ट 50 पर वायदा विकल्प सौदे शुरू आज से

नई दिल्ली (भाषा)।

नेशनल स्टाक एक्सचेंज (एनएसई) बुधवार से निफ्टी नेक्स्ट 50 सूचकांक पर वायदा एवं विकल्प सौदे शुरू करने के लिए तैयार है। बाजार नियामक भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) से मंजूरी मिलने के बाद यह कदम उठाया जा रहा है।

निफ्टी नेक्स्ट 50 सूचकांक निफ्टी 50 कंपनियों को छोड़कर निफ्टी-100 से 50 कंपनियों का प्रतिनिधित्व करता है। वायदा एवं विकल्प सौदों के तहत एक्सचेंज तीन मासिक सूचकांक वायदा एवं सूचकांक विकल्प सौदे की पेशकश करेगा।

चालू वित्त वर्ष में नरम पड़ सकते हैं घरों के दाम

■ इंडिया रेंटिग्स की रिपोर्ट में जताई गई है उम्मीद ■ कीमतें घटने से 10 फीसद तक बढ़ सकती है बिक्री

नई दिल्ली (भाषा)।

उच्च तुलनात्मक आधार के कारण आवास की मांग और कीमत में चालू वित्त वर्ष में नरमी की संभावना है। इस दौरान बिक्री में आठ से 10 प्रतिशत की सालाना वृद्धि होने का अनुमान है। एक रिपोर्ट में यह कहा गया है।

रेटिंग एजेंसी इंडिया रेटिंग्स एंड रिसर्च ने मंगलवार को जारी अपनी रिपोर्ट में चालू वित्त वर्ष (2024-25) के लिए आवासीय रियल एस्टेट क्षेत्र के लिए तटस्थ दृष्टिकोण बनाए रखा है। एजेंसी ने बयान में कहा, 'ब्याज दर में कमी और स्थिरता से खरीद और कीमतों को समर्थन मिल सकता है।

आवासीय रियल एस्टेट बाजार ने बीते वित्त वर्ष के पहले नौ महीनों (अप्रैल-दिसम्बर) के दौरान एक मजबूत प्रदर्शन दर्ज किया। इस दौरान मूल्य वृद्धि और स्थिर ब्याज दरों के बावजूद शीर्ष आठ रियल एस्टेट संकुलों के लिए बिक्री में सालाना आधार पर 25 प्रतिशत से अधिक की वृद्धि हुई। इंडिया रेटिंग्स में कारपोरेट रेटिंग्स के निदेशक महावीर शंकरलाल जैन ने कहा, 'अधिकांश क्षेत्रों में कीमतों में वृद्धि देखी जा रही है। हमारा अनुमान है कि चालू वित्त वर्ष में पूर्व-बिक्री वृद्धि सालाना आधार पर आठ से 10 प्रतिशत तक रहेगी।

वित्त वर्ष 2023-24 में प्रीमियम और लक्जरी खंड में बनकर तैयार मकानों की संख्या बढ़ गई है। इसका कारण बिक्री और प्राप्तियों में तेज वृद्धि के साथ नई परियोजनाओं का बढ़ना है।' रेटिंग एजेंसी ने कहा कि बीते वित्त वर्ष 2023-24 के अंत में कीमतें सालाना आधार पर 22 प्रतिशत बढ़ी हैं।

तुलनात्मक आधार प्रभाव और बड़ी मात्रा में नई परियोजनाएं शुरू करने की योजना के कारण चालू वित्त वर्ष के लिए यह लगभग पांच प्रतिशत रहने का अनुमान है। इंडिया रेटिंग्स के अनुसार मझोले और छोटे शहरों (टिअर दो और टिअर तीन) में उल्लेखनीय वृद्धि का अनुमान है।

आईपीएल : एक पारी के दौरान पावरप्ले में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज

एजेंसी ▸▸ मुंबई

सनराइजर्स हैदराबाद के सलामी बल्लेबाज ट्रेविस हेड ने दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ आईपीएल 2024 के 35वें मुकाबले में ताबड़तोड़ बल्लेबाजी की थी और 32 गेंद में 89 रन बनाए थे। वह एसआरएच के लिए संयुक्त रूप से सबसे तेज अर्धशतक लगाने वाले बल्लेबाज भी बन गए हैं। हेड के 84 रन पॉवरप्ले में आए थे। आईपीएल में पावरप्ले के दौरान सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी ये हैं।

■ ट्रेविस हेड ने दिल्ली के खिलाफ खेली थी धमाकेदार पारी

सुरेश रैना (87 बनाम पंजाब, 2014)

चेन्नई सुपरकिंग्स के पूर्व खिलाड़ी सुरेश रैना ने आईपीएल 2014 के दौरान किंग्स इलेवन पंजाब अब पंजाब किंग्स के खिलाफ क्वालीफायर-2 में 25 गेंद में 87 रन की पारी खेली थी। हालांकि, 227 रन का लक्ष्य पीछा करते हुए सीएसके वह मुकाबला 24 रन से हार गई थी। रैना के 87 रन पावरप्ले के दौरान आए थे। उनकी स्ट्राइक रेट 348 की रही थी। यह आईपीएल इतिहास में पावरप्ले के दौरान बनाया गया सबसे बड़ा व्यक्तिगत स्कोर है।

हेड (84 बनाम डीसी, आईपीएल 2024)

ट्रेविस हेड ने डीसी के खिलाफ 32 गेंद में 89 रन बनाए। उनके बल्ले से 11 चौके और 6 छक्के निकले। उन्होंने अपने सलामी जोड़ीदार अभिषेक शर्मा के साथ पावरप्ले में बिना विकेट खोए 125 रन बना दिए थे। यह एसआरएच के लिए पावरप्ले में बनाया गया सबसे बड़ा स्कोर भी है। पहले 6 ओवर में हेड ने 26 गेंद में 84 रन बनाए। यह आईपीएल में पावरप्ले के दौरान बनाया गया दूसरा सबसे बड़ा व्यक्तिगत स्कोर है।

एडम गिलक्रिस्ट (74 बनाम डीसी, आईपीएल 2009)

डेक्कन चार्जर्स हैदराबाद के पूर्व विकेटकीपर बल्लेबाज एडम गिलक्रिस्ट हेड और रैना के अलावा एकमात्र ऐसे बल्लेबाज हैं, जिन्होंने आईपीएल में पावरप्ले के दौरान 70 से ज्यादा रन बनाए हैं। उन्होंने दिल्ली की टीम के खिलाफ 2009 में 6 ओवर में 25 गेंद का सामना किया था और 74 रन जड़ दिए थे। मैच में उन्होंने 35 गेंद में 85 रन की पारी खेली थी। टीम ने 154 रन का लक्ष्य 17.4 ओवर में पूरा कर लिया था।

ईशान किशन (63 बनाम एसआरएच, आईपीएल 2021)

मुंबई इंडियंस के सलामी बल्लेबाज ईशान किशन पावरप्ले में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाजों में चौथे स्थान पर हैं। बाएं हाथ के इस बल्लेबाज ने एसआरएच के खिलाफ मुकाबले में 32 गेंद में 84 रन बनाए थे। पहले 6 ओवर में उनके बल्ले से 63 रन निकले थे। उन्होंने सिर्फ 22 गेंद का सामना करते हुए ये रन बनाए थे। इस खिलाड़ी ने 2 छक्के और 10 चौके लगाए थे।

आईपीएल पाइंट टेबल

टीम	मैच	जीते	हारे	अंक
राजस्थान	8	7	1	14
कोलकाता	7	5	2	10
हैदराबाद	7	5	2	10
लखनऊ	8	5	3	10
चेन्नई	8	4	3	8
गुजरात	8	4	4	8
मुंबई	8	3	5	6
दिल्ली	8	3	5	6
पंजाब	8	2	6	4
बेंगलोर	8	1	7	2

ऑरेंज कैप

विराट कोहली
379 रन
बेंगलोर

पर्पल कैप

जसप्रीत बुमराह
13 विकेट
मुंबई

बाउंड्री मीटर

1191 चौके

686 छक्के

खबर संक्षेप

मुंबई सिटी एफसी व एफसी गोवा के बीच सेमीफाइनल आज

मुंबई। इंडियन सुपर लीग ने कहा कि चार मई को होने वाला 2023-24 सत्र का फाइनल खिताबी मुकाबले में पहुंचने वाली दोनों टीम में से उस टीम के घरेलू मैदान पर खेला जाएगा जो लीग चरण में बेहतर रैंकिंग वाली टीम थी। आज 24 अप्रैल को मुंबई सिटी एफसी की टीम गोवा में एफसी गोवा के खिलाफ अपने सेमीफाइनल मैच का पहला चरण खेलेगी। मोहन बागान ने 15 अप्रैल को मुंबई सिटी एफसी को रोमांचक मुकाबले में हराकर लीग शील्ड जीती जबकि एफसी गोवा की टीम तीसरे स्थान पर रही। अब कोलकाता, मुंबई और गोवा आईएसएल फुटबॉल टूर्नामेंट के फाइनल की मेजबानी की दौड़ में हैं। स्थान की पुष्टि होने के बाद मैच के टिकटों की बिक्री शुरू की जाएगी।

सेविला के खिलाफ हार के बाद मालोर्का की मुश्किलें बढ़ी

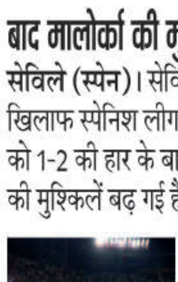

सेविले (स्पेन)। सेविला के खिलाफ स्पेनिश लीग में सोमवार को 1-2 की हार के बाद मालोर्का की मुश्किलें बढ़ गई हैं और टीम पर निचली लीग में खिसकने का खतरा मंडरा रहा है। लीग तालिका की निचली तीन टीम रेलीगेशन का सामना करेंगी और मालोर्का अभी सेल्टा विगो के साथ संयुक्त रूप से निचली चौथी टीम है। दोनों टीमों के नीचे से तीसरे स्थान पर चल रहे कैडिज से छह अंक अधिक हैं जबकि चार दौर खेले जाने बाकी हैं। मालोर्का को रविवार को कैडिज का सामना करना है। इस जीत से सेविला की टीम 37 अंक के साथ 12वें स्थान पर पहुंच गई है और उसका एक और साल शीर्ष लीग ला लीगा में खेलना लगभग तय हो गया है। मालोर्का की टीम सेविला के खिलाफ पहले हाफ में हावी रही लेकिन मेजबान टीम ने दूसरे हाफ में यूसेफ एन नेसरी के हेडर से दागे गोल से बढ़त बनाई और 15 मिनट बाद इसाक रोमेरो ने स्कोर 2-0 कर दिया। स्थानापन्न खिलाड़ी एब्डोन प्रेट्स ने मालोर्का के लिए इंजरी टाइम में गोल किया लेकिन यह नाकाफी था।

आईपीएल : मार्कस स्टोइनिस ने खेली बेहतरीन पारी, 124 रन बनाकर रहे नाबाद

एलएसजी ने सीएसके को 6 विकेट से हराकर दर्ज की अपनी 5वीं जीत

एजेंसी ▸▸ मुंबई

इंडियन प्रीमियर लीग 2024 के 39वें मुकाबले में लखनऊ सुपर जायंट्स ने चेन्नई सुपरकिंग्स को 6 विकेट से हराकर अपनी 5वीं जीत दर्ज की। सीएसके की यह इस संस्करण में चौथी हार है। टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करते हुए सीएसके ने 4 विकेट खोकर 210 का बड़ा स्कोर खड़ा किया। जवाब में एलएसजी की टीम 19.3 ओवर में 4 विकेट खोकर ही लक्ष्य हासिल कर लिया।

गायकवाड़ ने जड़ा दूसरा आईपीएल शतक

मैच में गायकवाड़ ने शानदार शतकीय पारी खेली। यह उनके आईपीएल करियर का दूसरा ही शतक रहा, जिसे उन्होंने महज 56 गेंदों में पूरा किया। उन्होंने जडेजा के साथ तीसरे विकेट के लिए 51 रन और शिवम दुबे के साथ महज 47 गेंदों में 104 रन की शतकीय साझेदारी निभाई। गायकवाड़ ने अपनी पारी में 60 गेंदों का सामना करते हुए नाबाद 108 रन बनाए। इसमें उन्होंने 12 शानदार चौके और 3 आसमानी छक्के भी जड़े।

मैच का लेखा जोखा

पहले बल्लेबाजी करने उतरी सीएसके को 4 रन पर अजिंक्य रहाणे और 49 रन पर डेरिल मिचेल के रूप में बड़े झटके लगे थे। इसके बाद कप्तान रुतुराज गायकवाड़ (108*) ने रविंद्र जडेजा (16) और शिवम दुबे (66) के साथ पारी को आगे बढ़ाते हुए स्कोर को 210/4 तक पहुंचा दिया। जवाब में एलएसजी ने मार्कस स्टोइनिस (124*) और निकोलस पूरन (16) की पारियों के दम पर 19.3 ओवर में 4 विकेट खोकर लक्ष्य हासिल कर लिया।

सीएसके के लिए शतक जड़ने वाले पहले कप्तान बने गायकवाड़

इस शतक के साथ गायकवाड़ के नाम बड़ा रिकॉर्ड दर्ज हो गया। वह सीएसके के लिए शतक जड़ने वाले पहले कप्तान बन गए हैं। इससे पहले कोई भी कप्तान शतक नहीं जड़ पाया था। इसी तरह वह सीएसके के लिए 2 शतक जड़ने वाले तीसरे बल्लेबाज बन गए हैं। उनसे पहले मुरली विजय और शेन वॉटसन इस लीग में 2-2 शतक जड़ चुके हैं। इनके अलावा माइकल हसी, ब्रेंडन मैकुलम, सुरेश रैना और अंबाती रायडू ने 1-1 शतक जड़े हैं।

दुबे ने जड़ा 9वां आईपीएल अर्धशतक

सीएसके के लिए दुबे ने भी तूफानी बल्लेबाजी करते हुए महज 22 गेंदों में अपने आईपीएल करियर का 9वां और इस संस्करण का तीसरा अर्धशतक जड़ा। यह उनका एलएसजी के खिलाफ पहला ही अर्धशतक रहा। वह पारी में 27 गेंदों में 66 रन बनाकर रन आउट हुए। इस दौरान उन्होंने 3 चौके और 7 गगनचुंबी छक्के भी जड़े। इससे पहले उन्होंने गुजरात टाइटंस के खिलाफ 51 रन और मुंबई इंडियंस के खिलाफ 66* रनों की पारी खेली थी।

दुबे ने सीएसके के लिए पूरे किए 1,000 रन

इस पारी के दौरान दुबे के नाम एक खास उपलब्धि दर्ज हो गई। पारी का 48वां रन बनाते ही उनके सीएसके के लिए 1,000 रन पूरे हो गए। उनके अब सीएसके के लिए 35 मैच की 33 पारियों में 37.07 की औसत और 161.07 की स्ट्राइक रेट से 1,018 रन हो गए हैं। इस दौरान उन्होंने 8 अर्धशतक जड़े हैं। उन्होंने आरसीबी के लिए 15 मैचों में 169 रन और आरआर के लिए 9 मैचों में 230 रन बनाए थे।

स्कोर बोर्ड

चेन्नई	रन	गेंद	4	6
अजिंक्य रहाणे बो हेनरी	01	3	0	0
ऋतुराज गायकवाड़ नाबाद	108	60	12	3
डेरिल मिचेल बो यश ठाकुर	11	10	1	0
रविंद्र जडेजा बो मोहसिन	16	19	2	0
शिवम दुबे रन आउट	66	27	3	7
महेंद्र सिंह धोनी नाबाद	04	1	1	0

अतिरिक्त: 03, कुल योग: 210 रन
गेंदबाजी : हेनरी 4-0-28-1, मोहसिन 4-0-50-1, बिश्नोई 2-0-19-0, यश ठाकुर 4-0-47-1, स्टोइनिस 4-0-49-0, कृणाल2-0-15-0

लखनऊ	रन	गेंद	4	6
क्विंटन डिकॉक बो चाहर	0	3	0	0
लोकेश राहुल बो रहमान	16	14	1	1
मार्कस स्टोइनिस नाबाद	124	63	13	6
देवदत्त पडिक्कल बो पथिराना	13	19	0	0
निकोल्स पूरन बो पथिराना	34	15	3	2
दीपक हुड्डा नाबाद	17	6	2	1

अतिरिक्त: 09, कुल योग: 213 रन
गेंदबाजी: चाहर 2-0-11-1, देशपांडे 3-0-34-0, रहमान 3.3-0-51-1, शार्दुल 3-0-42-0, मोईन 2-0-21-0, जडेजा 2-0-16-0, पथिराना 4-0-35-2

डीसी और जीटी के बीच आज होगी रोमांचक भिड़ंत

एजेंसी ▸▸ मुंबई

इंडियन प्रीमियर लीग 2024 के 40वें मैच में दिल्ली कैपिटल्स का सामना गुजरात टाइटंस से आज 24 अप्रैल को अरुण जेटली स्टेडियम में होगा। जीटी ने इस सीजन में 8 में से 4 मैच जीते हैं और फिलहाल अंक तालिका में छठे पायदान पर हैं। इसी तरह 8वें स्थान पर मौजूद डीसी ने 8 में से 3 मैचों में जीत दर्ज की हुई है। इस बीच दोनों टीमों के एक-दूसरे के खिलाफ प्रदर्शन पर एक नजर डालते हैं।

दोनों के बीच बराबरी का रहा है मुकाबला : आईपीएल में दोनों टीमें 4 मैचों में आपस में भिड़ी हैं, जिसमें से 2 मैच जीटी ने जीते हैं और 2 मुकाबलों में डीसी को भी सफलता मिली है। इस सीजन दोनों टीमों के बीच यह दूसरी भिड़ंत है। पहले मुकाबले में डीसी को 6 विकेट से जीत मिली थी।

जीटी से इन खिलाड़ियों ने किया है अच्छा प्रदर्शन

जीटी की मौजूदा टीम से डीसी के खिलाफ केन विलियमसन का प्रदर्शन कमाल का रहा है। उन्होंने 13 मैचों में 54.77 की औसत और 127.72 की स्ट्राइक रेट से 493 रन बनाए हैं। डेविड मिलर ने इस टीम के विरुद्ध 34.15 की औसत और 119.67 की स्ट्राइक रेट से 444 रन अपने नाम किए हैं। लेग स्पिनर राशिद खान ने डीसी के खिलाफ 16 मैचों में 17.85 की औसत से 21 विकेट चटकाए हैं।

डीसी से इन खिलाड़ियों ने किया है उम्दा प्रदर्शन

डीसी की मौजूदा टीम से टीजी के खिलाफ अक्षर पटेल ने 3 मैचों में 126.78 की स्ट्राइक रेट से 71 रन बनाए हैं। कप्तान ऋषभ पंत ने इस टीम के विरुद्ध 2 मैच खेले हैं और 59 की औसत और 147.50 की स्ट्राइक रेट से 59 रन उनके बल्ले से निकले हैं। बाएं हाथ के तेज गेंदबाज खलील अहमद ने जीटी के खिलाफ 4 मैचों में 19 की औसत और 7.12 की इकॉनमी रेट से 6 विकेट चटकाए हैं।

कैपिटल्स को झटका, मिचेल मार्श शेष मैचों में नहीं होंगे टीम का हिस्सा

एजेंसी ▸▸ मुंबई

इंडियन प्रीमियर लीग 2024 में खराब प्रदर्शन कर रही दिल्ली कैपिटल्स को एक बड़ा झटका लगा है। अब टीम के बचे हुए मैच से स्टार ऑलराउंडर मिचेल मार्श बाहर हो गए हैं। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने उन्हें घर पर रहने की सलाह दी है। टी-20 विश्व कप से पहले उन्हें दाहिनी हैमस्ट्रिंग में लगी आंशिक चोट को ठीक करने के लिए भी कहा गया है। वह अभी ऑस्ट्रेलिया में हैं।

कोच रिकी पोंटिंग ने क्या कहा : डीसी के कोच रिकी पोंटिंग ने मार्श को लेकर कहा, मुझे नहीं लगता कि वह वापस आएगा। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया उसकी रिकवरी प्रक्रिया शुरू करने के लिए उसे घर पर रखना चाहता है। उन्होंने आगे कहा, मैंने उससे पिछले दिनों बात की थी और ऐसा लगता है कि उसे इस चोट से उबरने में जितना मैंने सोचा था उससे थोड़ा ज्यादा समय लग जाएगा। वह टी-20 विश्व कप में ऑस्ट्रेलिया की टीम का हिस्सा होगा।

इस सीजन में ऐसा रहा मार्श का प्रदर्शन : मार्श इस सीजन में कुछ कमाल नहीं कर सके थे। उन्होंने आईपीएल 2024 में 4 मैच खेले, जिसमें 160.53 की स्ट्राइक रेट के साथ 61 रन बनाए थे। उन्हें डेविड वार्नर के जोड़ीदार के रूप में डीसी के सलामी बल्लेबाज के तौर पर भी आजमाया गया था, जिसमें वह असफल रहे थे।

आरआर के संदीप शर्मा ने आईपीएल में पहली बार चटकाए 5 विकेट

मुंबई। इंडियन प्रीमियर लीग 2024 के 38वें मुकाबले में राजस्थान रॉयल्स के तेज गेंदबाज संदीप शर्मा ने घातक गेंदबाजी करते हुए 5 विकेट अपने नाम किए। उन्होंने अपने आईपीएल करियर में पहली बार यह कारनामा किया है। इससे पहले उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 4/20 का रहा था। यह खिलाड़ी चोटिल होने के कारण पिछले कुछ मुकाबलों से बाहर था। संदीप ने दोबारा मिले मौके का फायदा हुआ और मुंबई इंडियंस के बल्लेबाजों को टिकने का कोई मौका नहीं दिया।

कैसी रही संदीप की गेंदबाजी : संदीप ने मैच में 4 ओवर गेंदबाजी की और सिर्फ 18 रन खर्च करते हुए 5 विकेट झटके। उनकी इकॉनमी रेट सिर्फ 4.50 की रही। उन्होंने ईशान किशन (0), सूर्यकुमार यादव (10), तिलक वर्मा (65), टिम डेविड (3) और गेराल्ड कोएत्जी (0) को अपना शिकार बनाया। उनकी शानदार गेंदबाजी के ही कारण आखिरी ओवर में एमआई की टीम 200 रन का स्कोर भी खड़ा नहीं कर पाई।

आशी, स्वप्निल ने थ्रीपी ट्रायल में शीर्ष स्थान किया हासिल, दोहा में ट्रैप निशानेबाज लड़खड़ाए

एजेंसी ▸▸ नई दिल्ली

आशी चौकसी और स्वप्निल कुसाले मंगलवार को यहां राइफल/पिस्टल के लिए ओलंपिक चयन ट्रायल के क्वालिफिकेशन में क्रमश: महिलाओं और पुरुषों की 50 मीटर राइफल थ्री पोजिशन स्पर्धा में पहले स्थान पर रहे। आशी ने महिलाओं की थ्रीपी ओएसटी में विश्व स्तरीय 590 का स्कोर बनाया और विश्व रिकॉर्ड धारक सिफ्ट कौर समरा (583) को दूसरे स्थान पर धकेल दिया। तोक्यो ओलंपियन अंजुम मोदगिल 581 अंकों के साथ तीसरे स्थान पर रहीं, जबकि पेरिस कोटा धारक श्रीयंका सदांगी 575 अंकों के साथ चौथे स्थान पर रहीं।

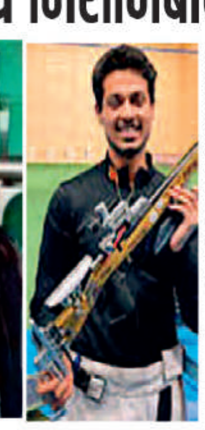

स्वप्निल ने दूसरों को छोड़ा पीछे

पुरुषों के थ्रीपी वर्ग में कड़ा मुकाबला देखने को मिला जहां स्वप्निल ने पहले 'नीलिंग और प्रोन पोजीशन' में 199 के दो शानदार स्कोर के साथ दूसरों को पीछे छोड़ा। उन्होंने कुल 592 अंक बनाये। सेना के अनुभवी चैन सिंह 591 अंक के साथ दूसरे स्थान पर रहे, जबकि अखिल श्योराण प्रोन में 200 अंक के बावजूद 589 अंक के साथ तीसरे स्थान पर रहे।

भारत के ट्रैप निशानेबाज दौड़ से बाहर

इस बीच दोहा में खेली जा रही ओलंपिक क्वालीफाइंग चैंपियनशिप से भारत के ट्रैप निशानेबाज मंगलवार को दौड़ से बाहर हो गए। पुरुषों के ट्रैप में पृथ्वीराज टोंडिमान 119 अंक के साथ 23वें स्थान पर रहे। विवान कपूर 56वें (116 अंक) और जोरावर सिंह संधू निराशाजनक 82वें (114 अंक) स्थान पर रहे। महिलाओं की ट्रैप प्रतियोगिता में मनीषा कीर 111 अंकों के साथ 37वें स्थान पर सर्वश्रेष्ठ भारतीय थीं, जबकि नीरू 55वें (107 अंक) और श्रेयसी सिंह 56वें (106 अंक) पायदान पर रहीं।

लोक साहित्य

डा. व्यास नारायण दुबे

छत्तीसगढ़ी की उपभाषा है कलंगा

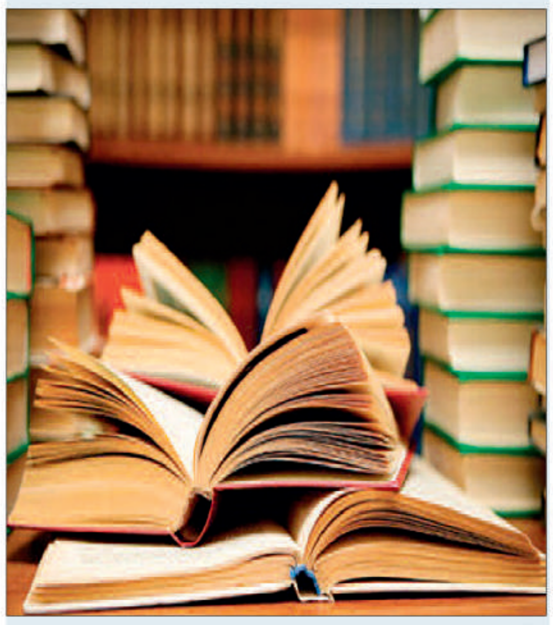

कलंगा को छत्तीसगढ़ी की एक उपभाषा मानी जाती है जो उड़ीसा प्रदेश के पश्चिमी भाग एवं छत्तीसगढ़ के पूर्वी सीमा प्रदेशों में बोली जाती है। वस्तुतः कलंगा भाषिक रुप का व्यवहार क्षेत्र उड़िया में ही स्थित है। यह भाषिक रुप भी उड़िया लिपि में ही लिखी जाती है। इसी कारण इसे उड़िया की उप भाषा समझा जाता रहा है, किंतु जार्ज अब्राहम ग्रियर्सन के अनुसार कलंगा एक स्वतंत्र बोली कहलाने की क्षमता नहीं रखती, क्योंकि यह अशिक्षित व्यक्तियों द्वारा बोली जाने वाली मात्र विकृत रूप है। कलंगा के व्याकरणिक रूपों के आधार पर सर्वप्रथम ग्रियर्सन ने ही इसे छत्तीसगढ़ी की एक उप भाषा स्वीकार किया है।

सुरता

श्रीमती किरण राठौर

डा. शंकर शेष का रचना संसार

छत्तीसगढ़ के साहित्यकारों में डा. शंकर शेष का भी काफी योगदान रहा है। आपका जन्म 2 अक्टूबर 1933 को बिलासपुर जिले के जूना में हुआ था। डा. शंकर शेष की रचनाओं ने जीवन, समाज और मानव चरित्र की विभिन्न पहलुओं को अपनी लेखनी से मूर्त किया है। स्वाधीनता के पश्चात सामाजिक, राजनीतिक, आर्थिक तथा सांस्कृतिक पृष्ठभूमि को बिखेरने में डा. शंकर शेष ने अदभुत प्रतिभा का परिचय दिया। आपने 1955 से लेकर 1981 तक की साहित्य सरिता की यात्रा में बाईस नाटक, सात एकांकी, दो बाल नाटक, चार अनुदित नाटक, चार उपन्यास, तीन शोध प्रबंध, दो पट कथा एवं संवाद लेखन द्वारा साहित्य के विकास में अहम योगदान दिया। कभी रंगमंच तो कभी आकाशवाणी या दूरदर्शन और मंचन आदि के माध्यम से नाटक को ऊंचाई देने में आपने कोई कमी नहीं की। अड़तालीस वर्ष की अल्पायु में 24 अक्टूबर 1981 को आपका निधन हो गया।

पुस्तक समीक्षा

युग युगीन छत्तीसगढ़

कृति के नाव

युग युगीन छत्तीसगढ़

लेखक

डा. सुशील त्रिवेदी

प्रकाशक

वैभव प्रकाशन रायपुर

पुस्तक समीक्षा

डा. डी पी देशमुख

मूल्य

दो सौ पचास रुपए

छत्तीसगढ़ अंचल हा कोनो किसम ले कमी के अहसास नी कराय। लोक कला, साहित्य, पर्यटन, तीज तिहार सबो ह समृद्ध हे, येहा ये मेर किताब 'युग युगीन छत्तीसगढ़' ले प्रमाणित हो जथे। ए किताब में छत्तीसगढ़ के नामकरण, इहा के संस्कृति, शिल्प कला, साहित्य सर्जना, इतिहास, जन जातीय परंपरा अऊ पुरातत्व ले संबंधित जानकारी हावय। ए किताब हा हमर नवा पीढ़ी के अच्छा मार्गदर्शन करही।

रामायण के रचना काल में मध्यप्रदेश में मनुष्यों की बस्ती आरंभ हो गई थी और महाभारत के युद्ध के समय महाकोसल राज्य स्थापित हो गया था। पांच पांडवों में से अर्जुन का पुत्र बभ्रुवाहन चित्रांगदपुर में राज्य करता था।

पांडवों का संबंध रहा महाकोसल में

ऐतिहासिक : मावली प्रसाद श्रीवास्तव

मध्यप्रदेश का पूर्वी हिस्सा छत्तीसगढ़ कहलाता है। प्राचीन समय में इसे महाकोशल अथवा दक्षिण कोसल कहते थे। महानदी के किनारे राजिम के उत्तर पूर्व की ओर उजड़ा सा गांव सिरपुर महाकोसल की राजधानी थी। रामायण के रचना काल में मध्यप्रदेश में मनुष्यों की बस्ती आरंभ हो गई थी और महाभारत के युद्ध के समय महाकोसल राज्य स्थापित हो गया था। पांच पांडवों में से अर्जुन का पुत्र बभ्रुवाहन चित्रांगदपुर में राज्य करता था। इतिहासकारों ने यह सिद्ध किया कि सिरपुर का ही दूसरा नाम चित्रांगदपुर था। सिरपुर से मिले अभिलेखों से पता चलता है कि बभ्रुवाहन वंशज चौथी शताब्दी में यहां राज करते थे। इससे स्पष्ट हो जाता है कि यहां के राजा पांडव थे। पता चलता है कि इस वंश के पहले राजा का नाम इंद्रबल था। सिरपुर के गंधेश्वर मंदिर की दीवार में लेख के अनुसार वंशजों के क्रम में पहले इंद्राबल(319 ई.)इसके बाद नंददेव, चंद्रगुप्त, हर्षगुप्त, शिवगुप्त, भावगुप्त और अंत में शिवगुप्त (475 ई.) का नाम है।

घने जंगलों के बीच अनोखा है बिहारपुर जलप्रपात

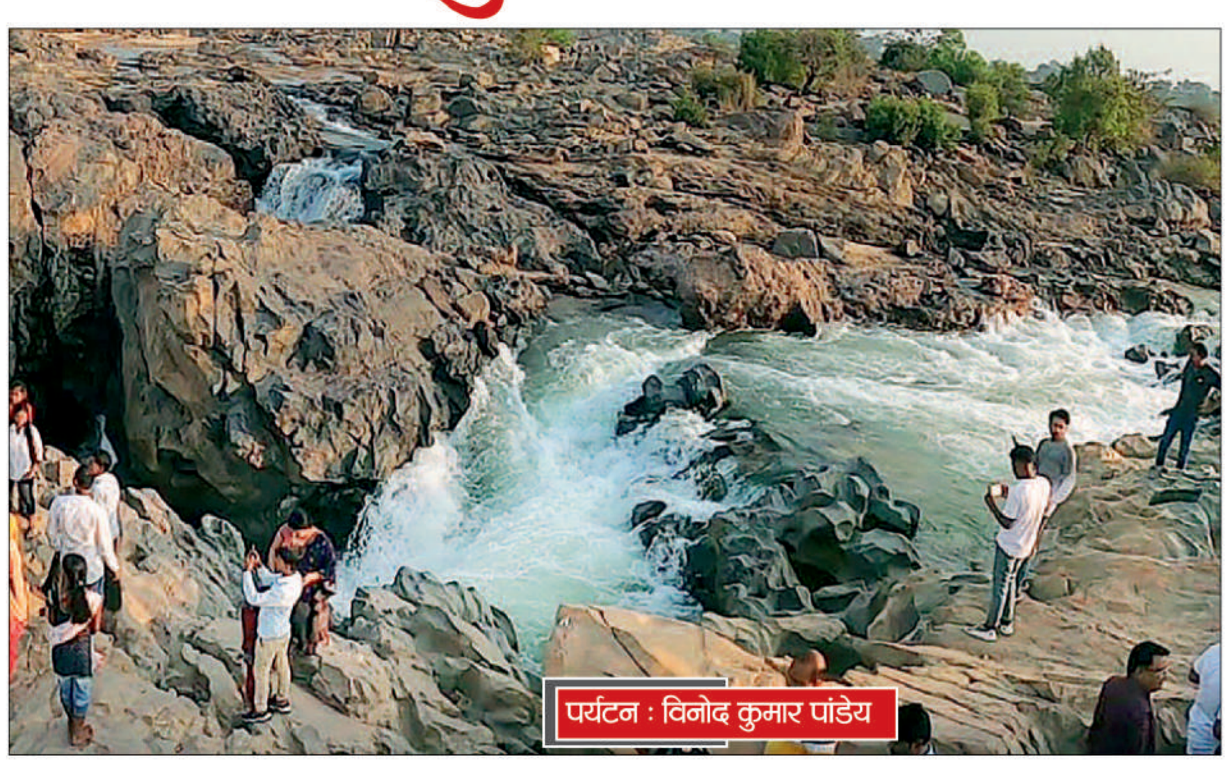

पर्यटन : विनोद कुमार पांडेय

छत्तीसगढ़ के कोरिया अंचल में बैकुंठपुर -कठौतिया चौक से बिहारपुर -जनकपुर मार्ग पर ग्राम बिहारपुर मुख्य मार्ग से 2 कि मी अंदर ऊबड़ खाबड़ रास्ते से होते हुए हसदेव नदी के छोटे से पुल को पार करते हुए बिहारपुर जलप्रपात पहुंचा जाता है। यह बिहारपुर ग्राम में होने के कारण बिहारपुर जलप्रपात कहलाता है। घने जंगलों के बीच होने के कारण जंगली जानवरों को कभी कभी विचरण करते देखा जा सकता है। नदी का पानी 20 -25 फीट ऊंचाई से गिरने के कारण विहंगम प्रपात सा दिखाई देता है। यहां पिकनिक मनाने दूर दूर से वर्ष भर पहुंचते रहते हैं।

कलाकृति

नर्मदा प्रसाद ताम्रकार

अलग पहचान है धमधा के शिल्प कला की

दुर्ग जिले का धमधा कभी धमधागढ़ हुआ करता था। यहां हैहयवंशीय राजाओं के शासन काल में बनी इमारतें आज खंडहर का रूप ले चुकी हैं। छत्तीसगढ़ ही नहीं वरन समूचे भारत में धमधा के कारीगरों की बनाई गई धातु की मूर्तियां एवं कांसे से बने कलात्मक पात्र की बहुत प्रसिद्धि थी। कांसे के बर्तन और मूर्तियां बनाने का कार्य यहां ताम्रकार परिवार के लोग ही करते थे। यह ताम्रकार कांसे के अलावा तांबा और पीतल के बर्तन भी बनाते हैं। पहले यहां ताम्रकारों की संख्या डेढ़ हजार थी, जो अब घट कर डेढ़ सौ हो गई है। मूलतः इनके पूर्वज सिक्कों की ढलाई का काम करते थे। सिक्कों की ढलाई के अलावा राज प्रसाद के लिए उत्तम कलाकृति युक्त सजावटी मूर्तियों या पात्र या अन्य उपयोगी बर्तनों का निर्माण भी करते थे। 1956 से लेकर 1960 तक यहां के कारीगरों द्वारा निर्मित कांसे के गहने अंतर्राष्ट्रीय बाजार में स्थान पाने लगे थे। इनके बनाए गए उत्पाद की मांग देश भर में होती रही है। यहां कच्चा माल विदेशों से आयात किए जाते थे। इसमें शासन द्वारा निर्धारित दर में इन्हें वस्तुएं प्राप्त हो जाती थी, इस कारण बड़े उत्साह के साथ कारीगर काम कर मुनाफा कमाते थे, लेकिन धीरे धीरे इस व्यवस्था को बंद कर देने से इस उद्योग पर संकट गहराने लगा।इस तरह वर्तमान में कच्चे माल की कमी, ढुलाई खर्च महंगा तथा वस्तु महंगे होने के कारण इनका कार्य सिमटता जा रहा है।

लोक नाट्य

डा. देवेश दत्त मिश्रा

छत्तीसगढ़ में लोक नाट्य परंपरा

छत्तीसगढ़ में लोक नाट्य परंपरा की शुरुआत कब हुई, इसका उल्लेख कहीं नहीं मिलता। विद्वानों की राय में ' लोक नाट्य का प्रारंभ ठीक उसी तरह है जैसे गंगा का हिमालय से निकलना।' अनुमान लगाया जाता है कि जिस दिन मनुष्य ने अनुकरण करना सीखा, बोली का प्रस्फुटन हुआ तभी से लोक नाट्य का प्रारंभ हुआ।

पहले समाचार पत्र नहीं होने तथा पढ़े लिखे लोग कम होने के कारण उचित दस्तावेजीकरण नहीं हो पाया। लेकिन लोक नाट्य की अभिरुचि ने लोगों को मनोरंजन का और आनंद का अवसर प्रदान किया लोक नाट्य की दो धाराएं होती हैं एक धार्मिक और दूसरा लौकिक। प. सुंदरलाल शर्मा ने बीसवीं सदी के प्रथम दशक में सीता प्रणय और प्रहलाद चरित्र सहित पांच धार्मिक नाटकों की रचना की थी। इससे स्पष्ट होता है कि उस समय नाटकों की परंपरा रही है। यह भी स्पष्ट है कि उससे भी पहले लोक नाट्य छत्तीसगढ़ में विद्यमान थे। यदि सरगुजा के सीता बेंगरा और जोगीमारा की गुफाओं में रामगढ़ में निर्मित रंगशाला, यहां के निवासियों का रुझान नाटक की ओर प्रदर्शित करता है तो निश्चय है कि उससे तीसरी सदी के पूर्व यहां लोक नाट्यों में लोगों का रुझान रहा होगा। अर्थात छत्तीसगढ़ में लोक नाट्यों की प्राचीन परंपरा ईसा पूर्व से रही है।

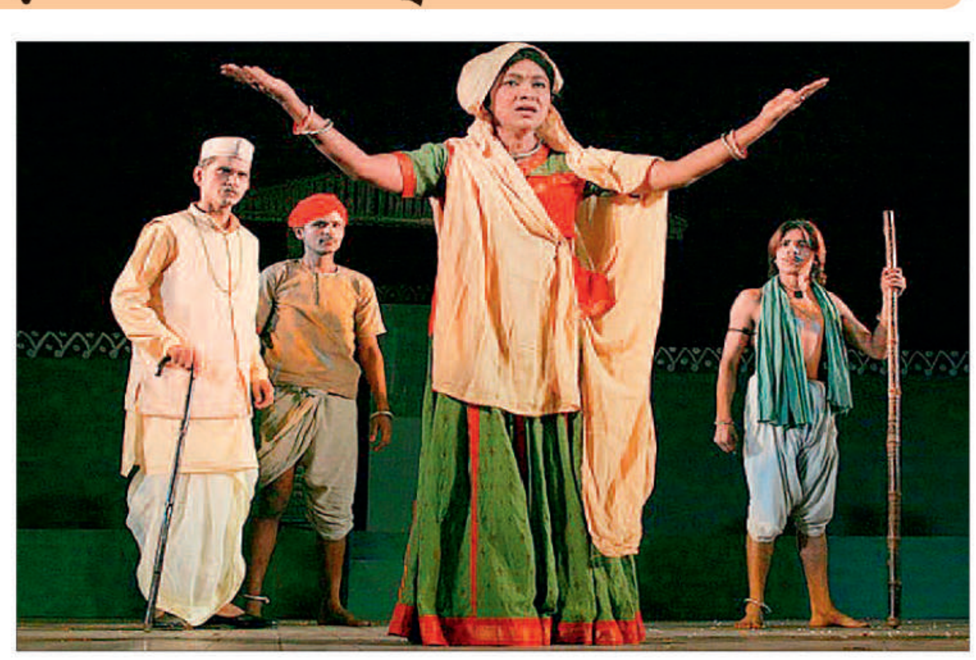

गर्मी से बचाव के लिए याद रखें सुझाव : सीएमओ

गर्मी से पशु, पक्षी तथा मानव सब बेहाल, गर्मी/लू से पीड़ित व्यक्तियों के उपचार के लिए स्वास्थ्य महकमा एलर्ट

प्रखर कुशीनगर। इन दिनों कड़ी धूप और लू के चलते पशु पक्षी और मानव सभी बेहाल हैं। हीट वेव के चलते दोपहर के समय घर से निकलने में दिक्कतें हो रहीं है। तेज गर्मी के साथ पछुआ हवा लोगों की मुश्किलें बढ़ा दे रही है। दोपहर के समय तो सड़कों पर भी आवागमन कम देखा जा रहा है। गर्मी और धूल भरी तेज हवा को देखते हुए लोग जरूरी काम सुबह शाम निपटा लेना चाहते हैं। मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ सुरेश पटारिया ने बताया कि उमस भरी गर्मी की वजह से अस्पतालों में बुखार. उल्टी - दस्त के मरीजों की संख्या बढ़ रही है। गर्मी की चपेट में सर्वाधिक बच्चे, गर्भवती, बुढ़े और श्रमिक आ रहे हैं। जिला अस्पताल में प्रतिदिन गर्मी से पीड़ित मरीजों का दबाव बढ़ गया है। गर्मी देखते हुए स्वास्थ्य विभाग ने पम्फलेट के जरिए एडवाइजरी जारी कर दिया है। जन समुदाय से अपील है कि गर्मी से बचाव के लिए विशेष सावधानी बरतें.

हीट वेव से बचाव के लिए क्या करें

-घर से निकलते समय पानी पीकर तथा साथ में पानी लेकर निकलें.

-प्रोटीनयुक्त ताजा और संतुलित भोजन करें।

-घर से बाहर निकलते समय शरीर को ढककर रखें और हल्के रंग के आराम दायक कपड़े पहनें।

-धूप में बाहर जाते समय छाता और आंखों पर धूप का चश्मा लगाएं ।

-थोड़े-थोड़े समय पर तरल पदार्थ पानी,नीबू पानी, शिकंजी, नारियल पानी आदि पीते रहें।

-घर, कार्यस्थल आदि स्थानों पर सूर्य की सीधी रोशनी को रोकने के लिए पर्दा आदि का इंतजाम करें ।

-जानवरों को छायादार स्थानों पर रखें । बच्चों, बुजुर्ग व बीमार व्यक्तियों पर विशेष ध्यान रखें।

-हीट वेव के लक्षण दिखने पर नजदीकी सरकारी अस्पताल पर सम्पर्क करें।

-इलाज कराने जाने के लिए एम्बुलेंस का सहयोग लें।

गर्मी से बचाव के लिए बरतें सावधानी

-अत्यधिक गर्मी(दोपहर 12 बजे से चार बजे तक) बाहर धूप में न जाएं।

- नंगे पैर व बदन धूप में न निकलें।

-धूप में खड़ी गाड़ियों में बच्चों और जानवरों को न छोड़े।

-गहरे और चटक रंग के कपड़े न पहनें।

-घर से बाहर निकलते समय तंग और छोटे कपड़े न पहनें।

-बंद और अधिक गर्मी वाले स्थानों पर भोजन न बनाएं।

-अधिक गर्मी में श्रम न करें।

जिला अस्पताल में 10 तथा सभी पीएचसी पर चार-चार बेड आरक्षित

सीएमओ ने बताया कि हीट वेव को देखते हुए पीड़ित मरीजों के उपचार के लिए जिला अस्पताल में 10 तथा सभी सीएचसी पर 4-4 बेड आरक्षित कर दिए गये हैं. सभी अस्पतालों में पर्याप्त दवाएं, ग्लुकोज की बोतल सहित अन्य आवश्यक सामग्री उपलब्ध करा दी गयी हैं.

पशु पक्षियों के लिए भी रखें पानी- सीएमओ ने जन सामान्य से अपील की है कि किसी वर्तन में छायादार स्थानों पर पानी भर रखें. ताकि पशु पक्षी भी अपनी प्यास बूझा सकें. तेज गर्मी की वजह से पशु पक्षी भी पानी के लिए परेशान रहते हैं।

उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षा परिषद द्वारा घोषित वर्ष 2024 के कक्षा 10वीं एवं 12वीं के बच्चों को किया गया सम्मानित

प्रखर चोलापुर वाराणसी। उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षा परिषद द्वारा घोषित वर्ष 2024 के कक्षा 10 वी एवं 12वीं के परीक्षा परिणाम में श्री आदित्य नारायण सिंह इंटरमीडिएट कॉलेज महेशपुर चोलापुर बाईपास रोड महेश्वरी माता मंदिर धाम के पास वाराणसी के बच्चों के शानदार प्रदर्शन के लिए उन बच्चों को विद्यालय में माल्यार्पण कर, मिठाई खिलाकर एवं ट्रॉफी देकर सम्मानित किया गया तथा बच्चों के उज्जवल भविष्य की कामना की गई । इस अवसर पर विद्यालय के प्रधानाचार्य, विद्यालय के कोऑर्डिनेटर सुनील पाठक, विद्यालय की कोऑर्डिनेटर प्रीति शर्मा, दीपक कुमार सिंह जी एवं सभी सम्मानित अभिभावक एवं बच्चे उपस्थित रहे विद्यालय के निदेशक सन्तोष कुमार सिंह ने सभी शिक्षकों एवं अभिभावकों को माला पहनकर सम्मानित किया । विद्यालय में उपस्थित अभिभावक एवं बच्चों ने विद्यालय में उपलब्ध सुविधाओं की सराहना किया तथा जो बच्चें कक्षा 10वीं और 12वीं के 2025 के बोर्ड परीक्षा में सम्मिलित होंगे ,उन बच्चों ने भी परीक्षा परिणाम से उत्साहित नजर आए तथा आश्वासन दिया कि वह इससे भी बेहतर परीक्षा परिणाम के लिए मेहनत करेंगे।

जो पार्टी देश के राशन डीलरो को मानदेय देने की बात करें उसी को वोट दें

प्रखर लखनऊ । आल इंडिया फेयर प्राइज शाप डीलर्स फेडरेशन के राष्ट्रीय सचिव/प्रदेश कार्यकारी अध्यक्ष गिरीश तिवारी ने एक कार्यक्रम में कहा कि देश में 5 लाख 40 हजार राशन डीलर हैं। जों कि इस समय बेहाल है। सरकार उनके और उनके परिवार के बारे में कोई चिंता नहीं है। 80 करोड लोगों को राशन वितरण कराके वोट मांग रहे हैं लेकिन जो 80 लोगो को राशन दें रहें हैं उनके परिवार के बारे कोई बात नहीं करते राशन डीलर भी तो वोटर हैं उनके भी तो परिवार है। जहां सभी पार्टियों में एक एक वोट के लिए दर दर घूम रहे हैं हाथ जोड रहे हैं। इसलिए मैं सभी देश के 5 लाख 40 हजार राशन डीलर से कहना है कि अपने क्षेत्र के प्रत्याशी को अपनी समस्या को अवगत करायें। जो मानदेय देने की बात करें उसे वोट दे।

9 दिवसीय पंच कुण्डीय अद्वैत शिव शक्ति महायज्ञ व हनुमान जन्मोत्सव समारोह संपन्न

बिल्थरारोड (बलिया)। सर्वेश्वर मानस मंदिर चौकियां के तत्वावधान में चल रही 9 दिवसीय पंच कुण्डीय अद्वैत शिव शक्ति महायज्ञ एवं हनुमान जन्मोत्सव समारोह मंगलवार की शाम बैदिक रीति रिवाज से यज्ञ की हवन-पूजन, आरती, गुरु पूजा के बाद सम्पन्न हो गया। इसके साथ ही महाप्रसाद का वितरण प्रारम्भ हो गया। अद्वैत शिवशक्ति परमधाम डूहां के परिबज्रकाचार्य स्वामी ईश्वर दास ब्रह्मचारी ने कहा कि मौसम के विपरीत परिस्थितियों के बाद यह महायज्ञ सकुशल सम्पन्न हो गया। महात्माओ, विद्वतजनों, माताओं बहनों के सहयोग से 9 दिवसीय यज्ञ का समापन हो रहा है।

अखिलेश ही लड़ेंगे कन्नौज से लोकसभा, कल करेंगे नामांकन!

प्रखर डेस्क। इत्र नगरी की लोकसभा सीट से तेज प्रताप की जगह अब सपा प्रमुख अखिलेश यादव खुद चुनाव मैदान में उतरने जा रहे हैं। सपा महासचिव और राज्यसभा सांसद रामगोपाल यादव ने अखिलेश की उम्मीदवारी का ऐलान किया है। रामगोपाल यादव ने कहा है कि अखिलेश यादव कन्नौज से ही चुनाव लड़ेंगे। अखिलेश 25 अप्रैल की दोपहर कन्नौज सीट से नामांकन करेंगे। सपा इससे पहले बदायूं, मेरठ, मोरादाबाद, मिश्रिख, गौतमबुद्ध नगर सीट से भी उम्मीदवार बदल चुकी है। बता दें कि समाजवादी पार्टी ने कन्नौज लोकसभा सीट से पहले तेज प्रताप यादव को अपना उम्मीदवार घोषित किया था, लेकिन ऐसे कयास लगाए जा रहे थे कि उनका टिकट कट सकता है। चर्चा थी कि सपा मुखिया खुद अपनी पुरानी सीट से चुनावी मैदान में उतर सकते हैं। ऐसी अटकलों के बीच चुनाव लड़ने को लेकर अखिलेश यादव ने भी थोड़ी देर पहले रिएक्शन दिया था। पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव ने कन्नौज से जुड़ी संभावनाओं पर बात करते हुए कहा था कि कन्नौज की जनता जो कहेगी, वो मैं करूंगा। सूत्रों का कहना था कि कन्नौज में सपा कार्यकर्ता तेज प्रताप के नाम को स्वीकार करने को तैयार नहीं हो रहे थे। अखिलेश यादव ने वादे के मुताबिक कन्नौज से तेज प्रताप के नाम का ऐलान कर दिया था, लेकिन इसकी चर्चा जोरों पर थी कि, अखिलेश ही कन्नौज से लड़ेंगे। इस बाबत पूछे जाने पर अखिलेश यादव ने कहा था कि, 'नामांकन के वक्त पता चल जाएगा'।

मठिया गांव में लगी आग में 6 लोगों की झोपड़ी जलकर खाक

बिल्थरारोड (बलिया)। उभाँव थाना क्षेत्र के मठिया गांव में रविवार की देर रात के बाद लगी आग में 6 लोगों की झोपड़ी जलकर खाक हो गई। आग लगने की सूचना से गांव में अफरातफरी मच गई।मौके पर पहुंचे ग्राम प्रधान ने इसकी सूचना फायर ब्रिगेड को दी।सूचना मिलते ही फायर ब्रिगेड भी घटनास्थल पर पहुंच गए। ग्रामीण एवं फायर ब्रिगेड के प्रयास के बाद आग पर काबू पाया गया। इस घटना में 6 परिवार के घर गृहस्ती का सामान सहित लाखों के सामान जलकर खाक हो गए। मिली जानकारी के के अनुसार रविवार की देर रात खाना खाकर सभी लोग सो गए थे तभी अचानक झोपड़ी में आग लग गई। आग की लपटे को देख आसपास के लोगों ने शोर मचाना शुरू कर दिया। शोर गुल सुनकर ग्रामीण की भीड़ मौके पर पहुंच गई। ग्रामीण और फायर बिग्रेड के अथक प्रयास के बाद आग काबू पाया गया। तब तक आग विकराल रूप धारण कर लिया था। जिसमें रामभवन राजभर, गोपाल मल्लाह, जयप्रकाश कमकर, रमाशंकर मल्लाह, त्रिवेणी मल्लाह, भुवाल साहनी, और मुन्ना राजभर, की झोपड़ी धू धू करके जलने लगी फायर ब्रिगेड की गाड़ी ने मौके पर पहुंच कर आग को बुझाना शुरू कर दिया। ग्रामीणों और फायर ब ब्रिगेड के काफी प्रयास के बाद आग पर काबू पाया गया। आग लगने की इस घटना में झोपड़ी में रखे अनाज गेहूं चावल कपड़े बिस्तर चौकी साइकिल बर्तन भूसा आदि गृहस्थी के सारे सामान के साथ भुवाल साहनी का 20 हजार रुपए नगद भी जलकर खाक हो गए।आग बुझाने के प्रयास में सुग्रीव साहनी झुलस गए। जिनका निजी अस्पताल में इलाज कराया गया।ग्राम प्रधान सियाराम यादव द्वारा आग की घटना की सूचना ग्राम सभा के लेखपाल को नुकसान के बारे में विवरण दिया गया है।

उप राज्यपाल जम्मू कश्मीर ने विभिन्न क्षेत्रों में प्रतिभावान छात्रों को किया सम्मानित

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। मुहम्मदाबाद क्षेत्र के गांधीनगर स्थित डालिम्स सनबीम स्कूल में विकसित भारत के निर्माण में नई शिक्षा नीति का योगदान विषय पर गोष्ठी का आयोजन किया गया जिसमे विचार रखते हुए जम्मू कश्मीर के उप राज्यपाल मनोज सिन्हा ने कहा कि नई शिक्षा नीति विकसित भारत के निर्माण में महत्वपूर्ण योगदान देगा।प्राचीन काल में भारत मजबूत व विकसित राष्ट्र था लेकिन बाहरी आक्रमणों व गुलामी के चलते पुराना वैभव खोता चला गया। प्रधानमंत्री के नेतृत्व में वर्तमान भारत सरकार नई शिक्षा नीति के माध्यम से छात्रों के अन्दर नई उर्जा व उत्साह को भरने का काम करेंगा। नई शिक्षा नीति से तैयार बच्चे तकनीक व अर्थव्यवस्था के क्षेत्र में भारत को उंचाई पर ले जाने का काम करेंगें। नई शिक्षा नीति से क्षेत्रिय असमानता दूर होगा तथा प्रधानमंत्री ने जिस विकसित भारत का सपना देखे हैं वह पुरा होगा। इस दौरान एलजी मनोज सिन्हा द्वारा भाजपा बाराचवर के मंडल अध्यक्ष ओमप्रकाश कुशवाहा के निधन पर उनके घर पहुंच परिजनों से मिल शोक संवेदना व्यक्त किये। इस मौके पर सनवीम स्कूल के बिभिन्न क्षेत्रों में प्रतिभावान छात्रों को मनोज सिन्हा ने सम्मानित किया तथा बधाई दी। कार्यक्रम के अंत में इंजीनियर अरविंद कुमार राय ने सभी आगंतुकों के प्रति ह्रदय से आभार व्यक्त किया। अतिथियों का स्वागत हर्ष राय के द्वारा किया गया। इस दौरान प्रमुख रूप से अभिनव सिन्हा, कुलपति डॉ0 आलोक राय, साहित्यकार डा0 रामबदन राय, मनोज राय, धीरेन्द्र राय, राजेश राय पप्पू, प्रमुख बिजेन्द. सिंह, अश्विनी राय, संजीव त्यागी, देवेन्द्र प्रताप सिंह आलोक राय, अनिल राय, शशांक शेखर राय आदि मौजूद रहे। कार्यक्रम संचालन डा0 व्यास मुनि राय व अध्यक्षता कैप्टन अनिरुद्ध राय ने किया।

जिलाधिकारी एवं पुलिस अधीक्षक ने सयुक्त रूप से कृषि मण्डी जंगीपुर का किया स्थलीय निरीक्षण

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। लोक सभा सामान्य निर्वाचन-2024 के द्दष्टिगत निर्वाचन सम्बन्धी विविध कार्यो को समयबद्ध एवं सुचारू ढंग से सम्पन्न कराने एवं निर्वाचन को सकुशल संचालन तथा भारत निर्वाचन आयोग के निदेर्शों का शत-प्रतिशत अनुपालन सुनिश्चित कराये जाने के उद्देश्य से जिला निर्वाचन अधिकारी/जिलाधिकारी आर्यका अखौरी एवं पुलिस अधीक्षक ओमवीर सिंह सयुक्त रूप से कृषि मण्डी जंगीपुर का स्थलीय निरीक्षण किया। जिला निर्वाचन अधिकारी ने स्ट्रांग रूम एवं मतगणना स्थल का स्थलीय निरीक्षण किया। निरीक्षण के उपरान्त उन्होने सम्बन्धित को आवश्यक व्यवस्था ससमय सुनिश्चित कराने का निर्देश दिया। जंगीपुर के मण्डी सचिव को निर्देशित किया कि स्ट्रांग रूम एवं मतगणना स्थल पर जो भी कार्य कराये जाने है उसको समयान्तर्गत पूर्ण करा लिया जाय। कमरो में रंगाई व पोताई एवं छत की मरम्मत होने के पश्चात मशीनो के रख रखाव व दरवारो/लगे सटरो को ताला पूर्ण रूप से बन्द हो जाये इसकी जॉच अवश्य कर ली जाय। स्ट्रांग रूम से मतगणना स्थल तक के रास्तो एवं नाली को ठीक किया जाय इसमें किसी प्रकार का अवरोधक उत्पन्न न हो तथा स्ट्रांग रूम से मतगणना स्थल तक जाने हेतु बैरीकैटिंग का कार्य भी समयान्तराल पूर्ण कर लिया जाय। उन्होनें कहा कि मण्डी में लगाये गये सी0सी0टी0वी0 कैमरे एवं स्ट्रांग रूम व मतगणना स्थल एवं पूरे मण्डी की निगरीन हेतु 24 घण्टे लगातार चालू की दशा में रहे यह सुनिश्चित किया जाय कि विद्युत वाधित होने पर किसी भी दशा में लगाये गये कैमरे बन्द हो इसकी पर्याप्त व्यवस्था सुनिश्चित की जाय। विद्युत विभाग के अधिकारी को निर्देशित किया कि मण्डी में किसी तरह से विद्युत बाधित न हो इसकी तैयारी पहले से करा ले इसमें किसी प्रकार की लापरवाही क्षम्य नही होगी। जनरेजटर की व्यवस्था अवश्य रखे। इस अवसर पर उप जिला निर्वाचन अधिकारी दिनेश कुमार, एस0पी0सी0टी, उपजिलाधिकारी सदर, डिप्टी कलेक्ट्रर, तहसीलदार सदर, नगर पंचायत जंगीपुर ई0ओ0, मण्डी सचिव एवं निर्वाचन के अधिकारी एवं कर्मचारीगण उपस्थित रहे।

हनुमान जयंती पर हुआ भण्डारे का आयोजन

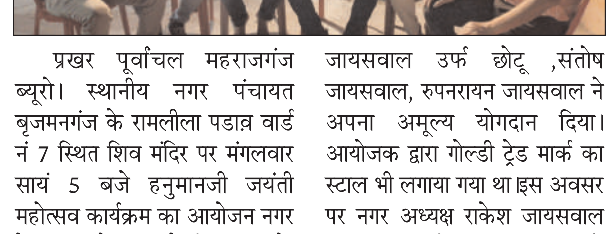

प्रखर पूर्वांचल महराजगंज ब्यूरो। स्थानीय नगर पंचायत बृजमनगंज के रामलीला पडाव़ वार्ड नं 7 स्थित शिव मंदिर पर मंगलवार सायं 5 बजे हनुमानजी जयंती महोत्सव कार्यक्रम का आयोजन नगर के श्रद्वालुओ द्वारा बडे ही धुमधाम के साथ मनाया गया कार्यक्रम में सैकड़ों महिलाओं भगवान श्री हनुमानजी के जन्म पर सोहर, भजन, भक्ति गीत गाये। इस कार्यक्रम के आयोजन कर्ता नगर व्यवसायी शत्रुधन द्वारा विशाल भंण्डारे का आयोजन हुआ जो देर रात 10 बजे तक सैकड़ों भक्तों ने भंण्डारे का प्रसाद ग्रहण किया। इस कार्यक्रम मे समाज सेवी नटवर जी गोयल समाज सेवी पंकज श्रीवास्तव एवं विक्की जायसवाल, अनिल जायसवाल उर्फ छोटू ,संतोष जायसवाल, रुपनरायन जायसवाल ने अपना अमूल्य योगदान दिया। आयोजक द्वारा गोल्डी ट्रेड मार्क का स्टाल भी लगाया गया था।इस अवसर पर नगर अध्यक्ष राकेश जायसवाल सभासद झीनक विश्वकर्मा, जयप्रकाश गौड़, धर्मेंद्र चौरसिया के साथ पहुंच अपना योगदान कर प्रसाद ग्रहण किया। नगर अध्यक्ष राकेश जायसवाल ने क्षेत्रवासियों को हनुमानजी जयंती महोत्सव की शुभकामनाएं दीं। इसी क्रम में कस्बे के ठाकुरद्वारा, शिवालय पोखरा, कलवारगढ हनुमान मंदिर पर जयंती के शुभ अवसर पर कीर्तन भजन के साथ भंण्डारे का आयोजन किया गया।

संक्षिप्त खबरें

मिजार्पुर के मड़िहान तहसीलदार के पेशकार ने जहर खाकर दी जान, डेढ़ वर्ष बची थी नौकरी

प्रखर मिजार्पुर। जिले में हैरान करने वाला मामला सामने आया है। यहां तहसीलदार के पेशकार रामसहाय सिंह ने बुधवार की सुबह लगभग नौ बजे जहरीला पदार्थ निगल लिया। जानकारी होते ही तहसील कर्मियों में अफरा-तफरी मच गई। आनन- फानन उसे उपचार के लिए सीएचसी मड़िहान ले जाया गया। जहां हालत बिगड़ने पर चिकित्सकों ने मंडलीय अस्पताल के लिए रेफर कर दिया। मंडलीय अस्पताल पहुंचने पर इलाज के दौरान पेशकार की मौत हो गई। बतादे कि रामसहाय सिंह लगभग 25 वर्षों से मड़िहान तहसील में अर्दली से प्रमोशन होकर पेशकार पद पर कार्यरत रहे। बताया गया कि सेवानिवृत्त होने में डेढ़ वर्ष का समय बचा हुआ है। राजस्व परिषद अध्यक्ष डॉ. रजनीश दूबे का 18 अप्रैल को मड़िहान तहसील कार्यालयों का निरीक्षण था। आरोप है कि न्यायालय से पत्रावलियों के गायब होने के आरोप में कार्रवाई का दबाव बनाया जा रहा था।

एलजी मनोज सिंहा ने किया मानसिक स्वास्थ्य एवं मनश्चिकित्सा पुस्तक का लोकार्पण

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। शंभू नारायण महाविद्यालय हरहरी मरदह के विराट प्रांगण में डॉ0 कंचन सिंह कृत पुस्तक 'मानसिक स्वास्थ्य एवं मनश्चिकित्सा' का विमोचन महामहिम उप राज्यपाल जम्मू कश्मीर मनोज सिन्हा ने किया । जनपद के स्वामी सहजानंद स्नातकोत्तर महाविद्यालय के मनोविज्ञान विभाग में कार्यरत असिस्टेंट प्रोफेसर डॉक्टर कंचन सिंह की पुस्तक का लोकार्पण करते हुए महामहिम ने कहा कि इस पुस्तक से लोगों के मानसिक स्वास्थ्य का संवर्धन ही नहीं होगा बल्कि लोगों को अपने मानसिक स्वास्थ्य को ठीक रखने की दिशा में जागरूकता बढ़ेगी। उन्होंने कहा कि ऐसी पुस्तकों के आने से जहां लोगों को अपनी मानसिक स्थिति का मूल्यांकन करने में मदद मिलती है वहीं मनोवैज्ञानिकों के प्रभावी कदम से जनमानस में सद्भावना का विकास होता है इस अवसर पर पुस्तक लोकार्पण हेतु महामहिम सहित लखनऊ विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ0 आलोक राय एवं पूर्व राज्य मंत्री विजय मिश्रा तथा पूर्व भाजपा जिला अध्यक्ष भानु प्रताप सिंह सहित अन्य गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

इंडोनेपाल बॉर्डर से संदिग्ध विदेशी महिला गिरफ्तार

प्रखर पूर्वांचल महराजगंज ब्यूरो। जनपद महराजगंज स्थित भारत नेपाल बॉर्डर पर तैनात रइ के जवानों ने भारत की सीमा में अवैध तरीके से घुसपैठ करते हुए एक विदेशी महिला को गिरफ्तार किया है। SSB जवानों द्वारा ली गई तलाशी मे महिला के कब्जे से कई फर्जी दस्तावेज भी बरामद किया गया। पुलिस के अनुसार महिला इंडोनेशिया की रहने वाली बताई जा रही हैं। नेपाल के रास्ते भारत में अवैध तरीके से प्रवेश करती विदेशी महिला पकड़ी गई। मिली जानकरी के अनुसार मुंबई जाने की फिराक में थी महिला। बताते चलें कि लोकसभा चुनाव लोकसभा चुनाव 2024 के द्दष्टिगत संदिग्ध लोगों /घुसपैठ रोकने के लिए भारत से सटे नेपाल बार्डर पर सीमा सुरक्षा बढा दी गई है। संदिग्ध व्यक्तियों एवं वाहनों को चेक कर-के ही भारत में प्रवेश दिया जा रहा है। इसी क्रम में आज सब एवं पुलिस वालों के जवानों द्वारा एक संदेश विदेशी महिला को फर्जी दस्तावेज के साथ भारत में घुसते हुए गिरफ्तार किया गया।मिली जानकारी के अनुसार विदेशी महिला से पूछताछ कर वापस नेपाल भेजा गया।

देशी तमंचा व कारतूस संग नन्दगंज पुलिस ने किया अभियुक्त को गिरफ्तार

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। पुलिस अधीक्षक गाजीपुर के आदेश के क्रम में अपराध एवं अपराधियों के विरूद्ध चलाये जा रहे अभियान के तहत अपर पुलिस अधीक्षक नगर के कुशल निर्देशन व क्षेत्राधिकारी भुडकुड़ा के निकट पर्यवेक्षण मंगलवार को थानाध्यक्ष मय हमराह के मामूर होकर शादियाबाद मोड़ पर संदिग्ध व्यक्ति, वाहनों की चेकिंग किया जा रहा था कि मुखबिर खास कि सूचना पर अभियुक्त बृजेश विश्वकर्मा पुत्र ओमप्रकाश विश्वकर्मा निवासी ग्राम बिहरा थाना बिरनों जनपद गाजीपुर उम्र 28 वर्ष को नन्दगंज पश्चिमी रेवले क्रासिंग के पास से एक अदद देशी तमंचा .12 बोर मय एक अदद जिन्दा कारतूस .12 बोर के साथ गिरफ्तार किया गया । जिसके सम्बन्ध में थाना स्थानीय पर मु0अ0सं0 71/2024 धारा 3/25 आयुध अधिनियम में अभियोग पंजीकृत कर नियमानुसार विधिक कार्यवाही की जा रही है। गिरफ्तार करने वाली पुलिस टीम में थानाध्यक्ष कृष्ण प्रताप सिंह, उप निरीक्षक जयप्रकाश सिंह, आरक्षी सन्तोष मौर्या, आरक्षी सोनू कुमार, महिला आरक्षी सन्ध्या गुप्ता शामिल रहे।

प्रखर पूर्वांचल

RNIUPHIN/2016/68754

मुद्रक प्रकाशक 'पंकज सिंह' के लिए सम्पादक 'अरूण सिंह' द्वारा 'गायत्री प्रिंटिंग प्रेस' सकलेनाबाद नियर दुर्गा चौक, गाजीपुर पिन कोडः 233001 से छपवाकर कनेरी गाजीपुर से प्रकाशित

सम्पादकीय कार्यालयः 9/10, टैगोर मार्केट, कचहरी, गाजीपुर पिन कोडः 233001

सम्पर्क सूत्रः 0548-2223833, +91-8858563779 +91-9450208067, +91-9452844802

सभी विवाद गाजीपुर न्यायालय के अधीन होगें।

ताजा खबर पढ़ने के लिए लॉगइन करें हमारी वेबसाइट
https://prakharpurvanchal.com
Email ID: prakharpurvanchal@gmail.com

सांध्य दैनिक प्रखर पूर्वांचल अखबार के सभी पद अवैतनिक हैं